* * * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

संडे स्पेशल | रविवार, 24 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 246 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.6	12.9
जमशेदपुर	23.1	12.0
डालटनगंज	26.2	12.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

"अग्निवीर योजना का प्रस्ताव भारत की तीनों सेनाओं पर थोपा गया था. इस योजना का प्रस्ताव सेना की ओर से नहीं आया था बल्कि केंद्र सरकार ने इसे लागू करने के लिए सेना को बाध्य किया."

प्याले में तूफान क्यों !

पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की शीघ्र प्रकाश्य पुस्तक

सुरजीत सिंह

भारतीय थल सेनाध्यक्ष रहे जनरल एमएम नरवणे (रिटायर) का आत्मकथात्मक संस्माण "फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी" प्रकाशन के पूर्व ही इन दिनों खासी चर्चा में है. किताब का प्रकाशन पेंग्विन ने किया है. किताब जल्द ही छप कर बाजार में आने वाली है. पेंग्विन से इस पुस्तक की कवर तस्वीर अमेजन पर डालते हुए अग्रिम बुकिंग शुरू कर दी है. किताब में उल्लेखित कुछ तथ्य सार्वजनिक हुए हैं, जिसकी चर्चा गर्म है. इस किताब के बारे में पांच-छह दिनों से अंग्रेजी मीडिया में खबरें छप रही हैं. कहा जा रहा है कि सरकार ने सेना पर अग्निवीर योजना थोपी थी और बतायी यह कि योजना सेना ही लायी है, जबकि सेना का प्रस्ताव बिल्कुल ही अलग था. सरकार ने न सिर्फ अग्निवीर योजना सेना पर थोपी, बल्कि इसके पक्ष में माहौल बनाने के लिए सेना के रिटायर अफसरों का सहारा लिया. इसके अलावा डोकलाम पर केंद्र सरकार की ढुलमुल नीति को लेकर सवाल उठ रहे हैं. विवाद बढ़ता जा रहा है. सरकार चुप है. हिंदी मीडिया से खबरें गायब हैं. हिंदी के पाठकों को भी इस बारे में जानकारी मिले, **इसके लिए हमने इस किताब को लेकर अलग-अलग मीडिया स्त्रोतों से आयी खबरों को एक जगह लाने की कोशिश की है.**

सेना पर थोपा गया था अग्निवीर

सेवानिवृत जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' में यह सब लिखा है- अग्निवीर योजना का प्रस्ताव भारत की तीनों सेनाओं पर थोपा गया था. इस योजना का प्रस्ताव सेना की ओर से नहीं आया था बल्कि केंद्र सरकार ने इसे लागू करने के लिए सेना को बाध्य किया. अग्निवीर यानी अग्निपथ योजना, वायु और नौसेना के लिए किसी आघात से कम नहीं था. अग्निपथ योजना को लागू करते वक्त जो आशंकाएं जाहिर की गई थीं, वे सच साबित होती हुई सामने आ गई हैं. युवाओं को सेना के तीनों अंगों में बहुत कम अवधि के लिए और काफी कम तनख्वाह पर भर्ती करने की यह योजना केंद्र सरकार ने जून 2020 में लागू की थी. चार साल की अवधि के लिए सैनिकों, नौसैनिकों और वायु सैनिकों की भर्ती के लिए जून 2022 में शुरू की गई. अग्निपथ योजना ने भारतीय सेना को आश्चर्यचकित कर दिया था, नौसेना और वायु सेना के लिए तो यह अचानक एक "झटका" था.

Manoj Naravane
270 posts
Penguin India @PenguinIndia · Dec 15
As we gear up for #VijayDiwas, lets take a moment to celebrate the heroes of our country, starting with @ManojNaravane, the 28th Chief of Army Staff who fought for India for decades.

To know his story, pre-order #4StarsOfDestiny now:
amzn.eu/d/fM48WQP

सरकार के बयान से अलग क्या

योजना को लागू करते वक्त सरकार ने कहा था कि इसके लिये सेना के उच्चाधिकारियों एवं सेना विशेषज्ञों से राय ली गई है. लेकिन एमएम नरवणे की किताब में इसे लेकर खुलासा हुआ है कि इस योजना को देख कर तीनों सेनाएं चौंक गई थीं. इसका अर्थ यह है कि उनकी सलाह लिये बिना ही यह योजना लाई गई थी. जनरल नरवणे ने इस योजना में अनेक खामियां बतलाई हैं. यह भी बतलाया है कि उसे लेकर सरकार द्वारा जो कुछ कहा गया था उसके मुकाबले यह योजना एकदम से अलग थी, जो सेना के किसी भी अंग द्वारा स्वेच्छा से स्वीकार्य नहीं हो सकती थी. 31 दिसम्बर, 2019 से 30 अप्रैल, 2022 तक सेना प्रमुख रहे जनरल (रिटायर्ड) मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी किताब ''फॉर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी'' में लिखा है कि अग्निपथ योजना के कई स्वरूपों पर विचार किया गया था. सेना की प्रारंभिक सिफारिश थी कि 75 प्रतिशत सैनिकों को काम करते रहना चाहिए और 25 फीसदी की क्रमिक रूप से सेवानिवृत्ति होनी चाहिए. उन्होंने यह भी लिखा है कि साल 2020 में प्रधानमंत्री के साथ हुई बैठक में कहा गया था कि यह एक सीमित तरीके से सेना में भर्ती योजना की तरह रहेगी और इसका नाम ''टूर ऑफ ड्यूटी'' होगा. योजना जब पेश की गई तो पाया गया कि इसमें व्यापक तौर पर कई बदलाव कर दिए गए. इससे वायु सेना के उच्चाधिकारियों को भी बड़ा झटका लगा था. सरकार की ओर से थल, वायु व नौसेना के लिए यह अचानक लागू कर दी गई थी. नरवणे लिखते हैं- योजना लागू होने पर प्रतिशत उलट गया. केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में बरकरार रखने की बात कही गयी और 75 प्रतिशत को सेना से अलग कर देने की बात की गयी. नरवणे कहते हैं कि यह मान लिया गया था कि यह एसएससी योजना की तरह होगी, जिसमें पांच साल की अनुबंध अवधि के बाद वे मुक्त कर दिए जाएंगे.

सिर्फ 20 हजार वेतन!

जनरल नरवणे लिखते हैं कि अग्निपथ में पहले साल अग्निवीर का प्रारंभिक वेतन 20 हजार रुपए प्रति माह था, जो सेना को बिल्कुल स्वीकार्य नहीं हुआ. सेना का कहना था कि एक प्रशिक्षित सैनिक से उम्मीद तो की जाती है कि वह देश के लिए जान कुर्बान कर देगा परंतु उसे बहुत ही कम तनख्वाह दी जा रही है. किसी सैनिक की तुलना एक दिहाड़ी मजदूर से नहीं की जा सकती. सेना के जोरदार विरोध व सिफारिशों के कारण बाद में इसे बढ़ा कर 30 हजार प्रति माह किया गया. जनरल नरवणे आगे लिखते हैं- अग्निपथ योजना को लेकर उन्हें नौसेना को समझाने में काफी समय लगा था और बहुत मुश्किलें आई थीं. वे यह भी बताते हैं कि तीनों अंगों में भर्ती का मामला होने के कारण इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी तत्कालीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत पर आ गई थी, जो एक दुर्घटना में नहीं रहे थे.

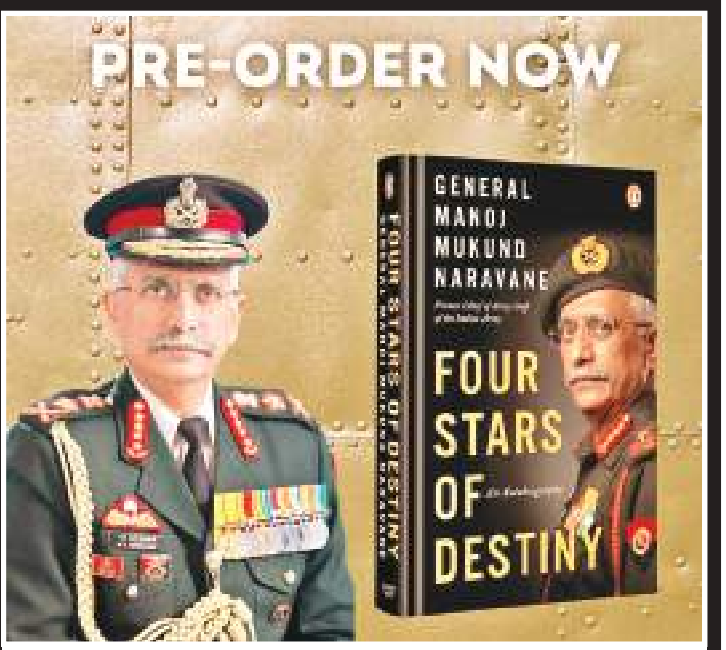

टूर ऑफ ड्यूटी बनाम अग्निवीर

पुस्तक में अग्निपथ योजना पर ज्यादा विस्तार से विवरण दिया गया है. जनरल नरवणे ने लिखा है कि सरकारी प्रस्ताव से हम सेना में आश्चर्य चकित रह गए. साल 2020 में जो प्रारंभिक प्रस्ताव दिया था जिसे 'टूर ऑफ ड्यूटी' नामक एक मॉडल कहा गया था. सरकार ने इसे ही अग्निपथ में बदल दिया, लेकिन मॉडल को बदलते हुए सेना को विश्वास में नहीं लिया गया. अपनी किताब में नरवणे उल्लेख करते हैं कि अग्निवीर में भर्ती होने वालों के लिए शुरुआती वेतन शुरू में 20,000 रुपए प्रति माह था, जनरल नरवणे लिखते हैं: "यह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं था. यहां हम बात कर रहे थे एक प्रशिक्षित सैनिक की, जिससे उम्मीद की जाती थी कि वह देश के लिए अपनी जान दे देगा. निश्चित रूप से एक सैनिक की तुलना दिहाड़ी मजदूर से नहीं की जा सकती? हमारी बहुत मजबूत सिफ़ारिशों के आधार पर, बाद में इसे बढ़ा कर 30,000 रु प्रति माह कर दिया गया."

पक्ष में माहौल बनवाया गया

14 जून, 2022 को केंद्र सरकार द्वारा इस योजना को लागू करते वक्त अग्निपथ योजना को चार साल के लिए सशस्त्र बलों में सैनिकों की भर्ती के लिए ''परिवर्तनकारी योजना'' बतलाया गया. नियमित तौर पर भर्ती की पहले से जारी पिछली प्रक्रिया को खत्म कर दिया गया. अग्निपथ योजना में भारतीय सेना ने दो बैचों में तहत 40 हजार अग्निवीरों को शामिल किया. पहला बैच दिसंबर, 2022 और दूसरा फरवरी, 2023 में भर्ती हुआ. चार साल पूरे होने पर 25 प्रतिशत सेवा छोड़ने पर अग्निवीर किसी अन्य प्रक्रिया के तहत नियमित कैडर में शामिल हो सकते हैं. लेकिन योजना लागू हुई तो मात्र 25 प्रतिशत को ही सेना में लेने का एलान हुआ. उल्लेखनीय है कि इस योजना को जब लागू किया गया था तो देश भर में इसका विरोध हुआ था. विरोध के कई कारण बताये गये थे जिनमें प्रमुख यह था कि चार साल की अवधि बहुत कम होती है और एक सैनिक को पूर्ण प्रशिक्षण लेने में पांच से सात वर्ष लग जाते हैं. बहुत कम समय में तैयार ऐसे युवाओं को युद्ध में भेजने का मतलब होगा उन्हें मौत के मुंह में डालना. लेकिन केंद्र ने सेना के जानकारों और सेवारत अधिकारियों के माध्यम से अग्निवीर योजना के पक्ष में माहौल बनवाने का भी प्रयास किया. -शेष पेज 13 पर

ब्रीफ खबरें

नकली दवाओं की आपूर्ति पर सीबीआई की जांच

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में गुणवत्ता मानक परीक्षणों में विफल और जीवन को खतरे में डालने की क्षमता वाली दवाओं की कथित आपूर्ति की सीबीआई से जांच की सिफारिश की है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी.

ईडी ने तेजस्वी को नया समन जारी किया

नयी दिल्ली। ईडी ने रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को एक नया समन जारी कर उन्हें 5 जनवरी को पेश होने को कहा है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी. लोकसभा चुनाव से पहले इसको लेकर बिहार की राजनीति गरमा सकती है.

कोविड-19 के 752 नए मामले, 4 की मौत

नयी दिल्ली। भारत में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 752 नए मामले दर्ज किए गए और उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़ कर 3,420 हो गई है. देश में 21 मई 2023 के बाद से एक दिन में सामने आए कोरोना वायरस संक्रमण के ये सबसे अधिक मामले हैं. शनिवार को चार मरीजों के अलग-अलग स्थानों पर मौत की भी खबर है.

रेप के दोषी भाजपा नेता की गयी विधायकी

लखनऊ। सोनभद्र जिले के दुद्धी से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को बलात्कार के एक मामले में सजा सुनाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी.

जम्मू में घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षाबलों ने शनिवार तड़के यहां घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया.

रामगढ़ में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया बड़ा ऐलान

हर गांव में चलेंगी बसें

- झारखंड आंदोलनकारी, बुजुर्ग, महिलाएं और छात्र-छात्राएं कर सकेंगे मुफ्त में सफर

संवाददाता। गोला(रामगढ़)

सीएम हेमंत सोरेन शनिवार को 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' के कार्यक्रम में भाग लेने अपने गृह प्रखंड रामगढ़ की गोला चाड़ी पंचायत पहुंचे. यहां तिरला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 111 करोड़ 59 लाख की 172 योजनाओं का उदघाटन और शिलान्यास किया.

सीएम ने कहा कि अब गांव के लोगों को आने-जाने के लिए कोई परेशानी अब नहीं होगी. झारखंड में जल्द ग्राम गाड़ी योजना शुरू होगी. राज्य के अंदर गांव-गांव में बसें चलेंगी. इसमें झारखंड आंदोलनकारी, बुजुर्ग, महिलाएं व छात्र-छात्राएं निःशुल्क सफर कर सकेंगे. हेमंत सोरेन ने इस दौरान परिसंपतियों का भी वितरण किया. वहीं, मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल से पतरातू प्रखंड के जयनगर पंचायत में चल रहे 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम शिविर में लाभुकों से की बात की.

गोला में डिग्री कॉलेज बनाने की घोषणा

मुख्यमंत्री ने सरकार के चार साल के उपलब्धियों को गिनाते हुए मंच से ही गोला में डिग्री कॉलेज बनाने की घोषणा की. साथ ही उन्होंने गांव की सड़कों को ठीक करने व शहर को गांव तक जोड़ने के लिए रामगढ़ जिले के अंदर 250 करोड़ की लागत से 400 किमी बनाने का काम जल्द शुरू होने की बात कही. कहा कि वर्तमान में रामगढ़ जिले के अंदर ही 450 करोड़ की लागत से 205 किमी सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है.

- छात्रों के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत की
- 111 करोड़ 59 लाख की 172 योजनाओं का उदघाटन-शिलान्यास

भाजपा पर बरसे सीएम सोरेन

भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए सीएम ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने राज्य को पीछे ले जाने का काम किया है. 20 साल में विपक्षियों ने हमें पीछे कर दिया और अपना जेब भरा. गरीबी -बेरोजगारी बढ़ाई. जितना काम 20 साल में नहीं हो सका, उतना हमने चार साल में ही कर दिया. पिछले 20 वर्ष तक पूर्व की सरकार अंधी, गूंगी और बहरी थी, हमारी सरकार देखती भी है, सुनती भी और आपके घर तक पहुंचती भी है. पूर्व की सरकार ने अधिकारियों-कर्मचारियों को अपने काम में लगा रखा था, अब यही कर्मचारी जनता की सेवा में लगे हैं.

छात्रों के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना : गांवों के हालात को समझने में 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' मददगार है. आप इसका लाभ लें, कोई नहीं छूटे, इसका प्रयास है. यह सरकार सुनती है, देखती है और घर-घर पहुंचती भी है, कोई भी बच्ची पढ़ाई नहीं छोड़ेगी. अब गरीब के बच्चे भी डॉक्टर-इंजीनियर बन सकें, इसके लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के जरिए सरकार आर्थिक मदद करेगी. इसमें गारंटर खुद सरकार बनेगी.

संगठित अपराध के खिलाफ अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी में झारखंड पुलिस

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

सौरभ सिंह। रांची

- मकोका की तर्ज पर झारखंड में बनेगा कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट "झाकोका"
- महाराष्ट्र के अलावा दिल्ली, हरियाणा और कर्नाटक सरकार ने भी यह कानून लागू किया है

झारखंड पुलिस संगठित अपराध व आपराधिक गिरोहों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है. इसे लेकर महाराष्ट्र के मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट) की तर्ज पर झारखंड में कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (झाकोका) बनाया जाएगा. जल्द ही यह हकीकत में बदलेगा.

झारखंड पुलिस मुख्यालय ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है और झाकोका को लेकर सरकार को प्रस्ताव भी भेज दिया है. सरकार की ओर से प्रस्ताव पर मंजूरी मिलते हैं यह एक्ट झारखंड में लागू हो जाएगा. एक्ट लागू होने से संगठित अपराध से जुड़े अपराधियों को जल्द जमानत नहीं मिल सकेगा और अपराध पर काफी हद तक लगाम लगाने में पुलिस को सफलता मिल सकती है. महाराष्ट्र के अलावा दिल्ली, हरियाणा और कर्नाटक सरकार ने भी इस कानून को लागू किया है.

आरोपियों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी

एक्ट के झारखंड में लागू हो जाने के बाद संगठित अपराध से जुड़े अपराधी या आरोपियों को आसानी से जमानत नहीं मिल सकेगी. जो अपराधी जबरन वसूली, फिरौती के लिए अपहरण, हत्या या हत्या का प्रयास, धमकी, उगाही सहित ऐसा कोई भी गैरकानूनी काम करता है और अपराध से बड़े पैमाने पर पैसे बनाता है, उसे झकोका लगने के बाद जमानत उतनी आसानी से नहीं मिल सकेगा. इसमें किसी आरोपी के खिलाफ तभी मुकदमा दर्ज होगा, जब 10 साल के दौरान वह कम से कम दो संगठित अपराधों में शामिल रहा हो. संबंधित संगठित अपराध में कम से कम दो लोग शामिल होने चाहिए. इसके अलावा आरोपी के खिलाफ एफआईआर के बाद चार्जशीट दाखिल की गई हो.

आरोपी को 30 दिन तक रिमांड पर ले सकेगी है पुलिस

झाकोका के तहत आरोपी की पुलिस रिमांड की अवधि 30 दिन तक हो सकती है, जबकि आईपीसी के तहत यह अधिकतम 15 दिन होती है. यदि पुलिस 180 दिनों के अंदर चार्जशीट दाखिल नहीं करती है, तो आरोपी को जमानत मिल सकती है. आपको बता दें कि जिस किसी अपराधी पर झाकोका लगेगा, उसे जमानत मिलना काफी मुश्किल होगा. इस कानून के तहत अधिकतम सजा फांसी है, वहीं न्यूनतम पांच साल जेल का प्रावधान है.

आये थे हरि भजन को ओटन लगे कपास

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

बैठक में ममता बनर्जी ने अपनी गुगली से दो-दो विकेट चटका दिए

विश्लेषण

"इंडिया" की चौथी बैठक भी हो गयी. लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं. यह बैठक चूंकि डेढ़ सौ सांसदों के निलंबन की पृष्ठभूमि में हो रही थी. इसलिए उम्मीद थी कि मोदी सरकार के खिलाफ संसद से सड़क तक संघर्षरत विपक्षी दल नयी अंगड़ाई के साथ कुछ योजनाओं, कार्यक्रमों और घोषणाओं के साथ सामने आएंगे. लेकिन हुआ वही- ढाक के तीन पात. इस बैठक में अगर कुछ उल्लेखनीय हुआ, तो यह कि ममता बनर्जी ने अपनी गुगली से दो विकेट चटका दिये और तीसरे को भी सांसत में डालने की सर्प चाल चल दी. जो खबर प्रकाश में आयी है, उसके मुताबिक बैठक के सन्नाटे को तोड़ते हुए ममता ने "इंडिया" के नेता और प्रधानमंत्री पद के लिए मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रस्तावित कर दिया और अरविंद केजरीवाल ने तपाक से उसका समर्थन कर दिया. शायद ये दोनों नेता पहले से ही योजना बना कर आये थे. इस पेशकश का सीधा उद्देश्य राहुल गांधी को निपटाना था और मुलम्मा यह चढ़ाया गया कि दलित प्रधानमंत्री के चेहरे के सामने मोदी भीगी बिल्ली बन जाएंगे. लेकिन इस फिरकी गोलंदाजी से नीतीश कुमार भी निढाल हो गये. उन्हें यह भरोसा दिलाया गया था कि संयोजक बना दिया जाएगा. केसी त्यागी हफ्ता भर से चिल्ला रहे थे कि नीतीश कुमार इस गठबंधन के सूत्रधार हैं. इसलिए उनका हक बनता है. लेकिन होता वही है जो मंजूर-ए-खुदा होता है. नीतीश को आशा थी कि लालू प्रसाद उनके नाम को आगे बढ़ाएंगे. लेकिन लालू प्रसाद भला खरगे के खिलाफ नीतीश को प्रस्तावित करने का साहस नहीं जुटा पाये. हालांकि लालू चाहते जरूर हैं कि नीतीश बिहार की राजनीति से निकल कर केंद्र की सियासत में रम जाएं तो तेजस्वी का रास्ता साफ हो जाएगा और यदि दुर्योग से तेजस्वी को जन्म स्थान में जाना पड़े तो वह अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना कर जाएं. लालू प्रसाद ने भी यही किया था. लेकिन ममता ने चिकोटी ऐसी जगह काट दी कि न दिखाने बन रहा है, न कराहने. इसका परिणाम यह हुआ कि लालू-नीतीश ने अगल-बगल बैठे होने के बावजूद भरे भवन में ''करत हौं नेनन ही सों बात'' की मुद्रा ओढ़ ली. फिर क्या था बैठक के बाद होने वाली प्रेस कांफ्रेंस से इन दोनों महानुभावों ने कन्नी काट ली. बैठक में एक बात और उठी. सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने खरगे से पूछ लिया कि क्या बसपा को भी इस गंठबंधन में लाने पर विचार हो रहा है. यदि हां, तो फिर इसमें सपा की कोई जरूरत नहीं है. इस पर खरगे ने कहा, बसपा से कोई बात नहीं हो रही है जबकि अंदरखाने कांग्रेस के कई नेता मायावती की टोह ले रहे हैं और सपा को उसकी औकात बताने के लिए बसपा से समझौते के पक्षधर हैं. इसकी भनक लगने के बाद ही राम गोपाल ने सवाल उठाया था. दूसरी घटना यह हुई कि जब तमिलनाडु के सीएम स्टालिन बोलने लगे और राजद सांसद मनोज झा उसका हिंदी अनुवाद करने लगे, तो नीतीश ने मनोज को डपट दिया और स्टालिन को सुझाव दे डाला कि हिंदी में भी बोलने की आदत डालिए. इसमें यह संकेत पढ़ा गया कि नीतीश की नजर में द्रमुक के हिंदी और सनातन विरोध का नुकसान गंठबंधन को उठाना पड़ेगा. बैठक खत्म होने के बाद भी ममता बनर्जी ने राहुल गांधी को फंसाने का उपक्रम रच दिया.

-शेष पेज 13 पर

झारखंड हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

जिस राज्य में जन्म हुआ, वहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

खास बातें

- हाईकोर्ट ने प्रार्थी रीना राणा की याचिका खारिज की
- कहा- पति के सर्टिफिकेट से नहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ

हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि कोई महिला बिहार या किसी दूसरे राज्य में आरक्षित श्रेणी में है, लेकिन उसकी शादी झारखंड में हुई है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा. कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि जिस राज्य में किसी का जन्म हुआ, उसे वहीं आरक्षण का लाभ मिलेगा. दरअसल 2016 में जेएसएससी ने नियुक्ति का विज्ञापन निकाला था. इसमें रीना राणा शामिल हुई थीं. मेंस में सफल होने के बाद प्रार्थी को इंटरव्यू व वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया. जहां उन्होंने अपने पति के कास्ट सर्टिफिकेट के आधार पर आरक्षण का दावा किया. लेकिन रीना को आरक्षण का लाभ देने से इन्कार कर दिया गया. जिसके बाद उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. सभी पक्षों को सुनने के बाद जस्टिस राजेश शंकर ने फैसला सुनाते हुए रीना की याचिका खारिज कर दी. प्रार्थी की ओर से अभिषेक श्रीवास्तव ने बहस की. वहीं सरकार की ओर से अधिवक्ता श्वेता शुक्ला ने अपना पक्ष रखा. जबकि जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजोय पिपरवाल ने बहस की.

पहली से आठवीं के 34, 93,402 बच्चों को दी जानी थी ड्रेस या ड्रेस की राशि

झारखंड के सरकारी स्कूलों के 6,36,785 बच्चों को अबतक नहीं मिली ड्रेस

सत्य शरण मिश्रा। रांची

शैक्षणिक सत्र 2023-24 के नौ महीने बीत चुते हैं, लेकिन अबतक राज्य के 6,36,785 बच्चों को ड्रेस नहीं मिली है. क्लास एक से 8 तक के 34,93,402 बच्चों को ड्रेस या ड्रेस की राशि उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने जुलाई 2023 में ही राशि उपलब्ध करा दी थी, लेकिन स्कूलों की लापरवाही से अबतक सिर्फ 28,56,617 बच्चों को ही स्कूल ड्रेस मिल पाई है.अब इस शैक्षणिक सत्र के सिर्फ तीन महीने ही बचे हुए हैं. स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने दावा किया है कि मार्च 2024 तक बचे हुए बच्चों को ड्रेस उपलब्ध करा दी जाएगी. मतलब पूरा सत्र खत्म होने के बाद बच्चे नई स्कूल ड्रेस पहन पाएंगे.

खास बातें

- 2023-24 सत्र के 28,56, 617 बच्चों को मिली पोशाक
- पूरा सत्र खत्म होने के बाद बच्चे पहन पाएंगे नई ड्रेस

लापरवाह पदाधिकारियों का वेतन रोका जा रहा है

बचे हुए बच्चों को जल्द से जल्द स्कूल ड्रेस दिलवाने के लिए शिक्षा विभाग सक्रिय हो गया है. लापरवाही करने वाले पदाधिकारियों और हेडमास्टरों पर कार्रवाई की जा रही है. सितंबर से ही शिक्षा विभाग सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों को इस संबंध में कई बार रिमाइंडर भेज चुका है, लेकिन फिर भी इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को ड्रेस नहीं मिली है. कई जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों ने हेडमास्टरों के वेतन पर रोक भी लगा दी है.

ड्रेस के लिए 600 और 750 रुपये दिए जाते हैं

क्लास 1 से 8 तक के बच्चों को स्वयं सहायता समूह, सखी मंडल और डीबीटी के माध्यम से स्कूल ड्रेस या ड्रेस की राशि दी जाती है. क्लास 1 और 2 के बच्चों का बैंक अकाउंट नहीं होने के कारण उन्हें विद्यालय प्रबंधन समिति के माध्यम से ड्रेस की राशि दी जाती है, जबकि क्लास 3 से 8 के बच्चों को डीबीटी के माध्यम से ड्रेस की राशि उनके खाते में दी जाती है. क्लास 1 से 5 तक के बच्चों को दो सेट स्कूल ड्रेस, एक स्वेटर और एक सेट जूता-मोजा के लिए 600 और क्लास 6 से 8 के बच्चों को 760 रुपये दी जाती है.

झारखंड शराब घोटाला : ईडी की पीसी पर कोर्ट ने लिया संज्ञान

रांची। झारखंड शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई. इस दौरान कोर्ट ने ईडी द्वारा दाखिल प्रॉसिक्यूशन कंप्लेन (पीसी) पर संज्ञान लिया है. रांची ईडी की टीम ने 16 दिसंबर को पीएमएलए की विशेष कोर्ट में पीसी दाखिल की थी. इस पीसी में ईडी ने योगेंद्र तिवारी के अलावा शराब का टेंडर मैनेज कर अवैध कमाई करने वाले लोगों की भी जानकारी दी है. साथ ही किस-किस को कितना हिस्सा मिलता था और किसकी क्या भूमिका थी, यह भी जानकारी पीसी में दी गयी है.

ब्रीफ खबरें

चाईबासा के उत्पाद निरीक्षक को शोकॉज

रांची । उत्पाद विभाग के संयुक्त सचिव गिरिजा शंकर प्रसाद ने चाईबासा के उत्पाद निरीक्षक अजय कुमार से स्पष्टीकरण मांगा है. उत्पाद आयुक्त के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है, उन्होंने पश्चिमी सिंहभूम के उत्पाद निरीक्षक से यह जवाब मांगा है कि वे कैसे बिना स्वीकृत अवकाश से अनधिकृत रूप से छुट्टी पर चले गये थे. इसको लेकर 12 दिसंबर 2023 को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त को अवकाश से संबंधित आवेदन दिया गया था, जिसकी सूचना मुख्यालय को नहीं दी गई थी.

एक जगह जमे अफसरों का हो तबादला : ईसीआई

रांची। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गया है. चुनाव से पहले ईसीआई ने मुख्य सचिव को पत्र लिख कर तीन साल से एक ही जगह जमे एडीजी से सब इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों का तबादला करने को कहा है. इलेक्शन कमीशन ने मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा है कि वैसे अधिकारी जिनका कार्यकाल 30 जून 2023 तक किसी भी जिले में तीन साल की अवधि का हो गया है, तो उनको हटाया जाए. आयोग ने जिन अधिकारियों के तबादले का निर्देश दिया है, उसमें एडीजी, आईजी, जैप, आईआरबी और एसआईआरबी के कमांडेंट, अलग-अलग जिलों में तैनात एसपी, एसएसपी, एएसपी, डीएसपी, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, सार्जेंट मेजर, इस रैंक के समकक्ष पदाधिकारी और स्पेशल ब्रांच में तैनात अधिकारी शामिल हैं.

अरुण उरांव ने दायर की जनहित याचिका

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय नेता और पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुण उरांव ने झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है. उन्होंने अपने अधिवक्ता अभय मिश्रा के माध्यम से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा है कि झारखंड में पिछले कुछ समय से केंद्रीय एजेंसी ईडी ने कई बड़ी कार्रवाई की है. इस कार्रवाई में मनी लॉन्ड्रिंग के कई मामले सामने आए हैं. ईडी ने अपनी जांच के दौरान राज्य सरकार के कई अफसरों के ऊपर कार्रवाई की भी अनुसंशा की लेकिन सरकार की ओर से कोई कठोर कार्रवाई नहीं की गई.

झारखंड में म्यूटेशन के 60456 केस पेंडिंग

रांची में सबसे अधिक 20,237 केस लंबित

रवि भारती। रांची

झारखंड में 23 दिसंबर 2023 तक 60456 केस लंबित हैं. इसमें सबसे अधिक राजधानी रांची में 20237 केस लंबित हैं. पूरे राज्य में कुल 228690 म्यूटेशन के केस आए, जिनमें 168234 केस का निष्पादन कर लिया गया. पूरे राज्य में म्यूटेशन केस के निष्पादन का प्रतिशत अब तक 73.56 फीसदी रहा है. रांची में सबसे अधिक 61816 म्यूटेशन के केस आए, जिसमें 41579 मामलों का निपटारा कर लिया गया.

झारखंड के नौ जिलों में म्यूटेशन के 80 फीसदी से अधिक मामले निष्पादित कर लिए गए हैं. इसमें सिमडेगा अव्वल रहा है. सिमडेगा में 97.91 फीसदी मामले निष्पादित कर लिए गए हैं. इसी तरह बोकारो में 89.84 फीसदी,गढ़वा में 86.24 फीसदी, गिरिडीह में 84.06 फीसदी,कोडरमा में 89.69 फीसदी,लातेहार में 81.33 फीसदी ,लोहरदगा में 89.62 फीसदी, पाकुड़ में 80.63 फीसदी और सिमडेगा में 97.91 फीसदी म्यूटेशन के केस निष्पादित कर दिए गए हैं.

किस जिले में कितने फीसदी केस निष्पादित

जिला	केस	निष्पादन
बोकारो	6671	5993
चतरा	7524	5853
देवघर	9117	6006
धनबाद	10598	6542
दुमका	7012	5187
पूर्वी सिंहभूम	7996	6271
गढ़वा	9160	7900
गिरिडीह	9232	7760
गोड्डा	5750	4105
गुमला	3807	2585
हजारीबाग	19895	14922
जामताड़ा	6512	2986
खूंटी	12444	9479
कोडरमा	4945	4435
लातेहार	4268	3471
पाकुड़	4673	3768
पलामू	6586	4645
रामगढ़	6867	4638
रांची	61816	41579
साहिबगंज	2815	1926
सरायकेला	6982	5727
सिमडेगा	5928	5804
पश्चिमी सिंहभूम	4777	3681

किस जिले में कितने केस पेंडिंग और प्रतिशत

जिला	पेंडिंग केस	पेंडिंग प्रतिशत
बोकारो	678	0.16
चतरा	1671	22.21
देवघर	3111	34.12
धनबाद	4056	38.27
दुमका	1825	26.03
पूर्वी सिंहभूम	1725	21.57
गढ़वा	1260	13.76
गिरिडीह	1472	15.94
गोड्डा	1645	28.61
गुमला	1222	32.10
हजारीबाग	4973	25.00
जामताड़ा	3226	54.15
खूंटी	2965	23.83
कोडरमा	510	10.31
लातेहार	797	8.67
लोहरदगा	344	10.38
पाकुड़	905	19.37
पलामू	1941	29.47
रामगढ़	2229	32.46
रांची	20237	32.74
साहिबगंज	889	31.58
सरायकेला	1255	17.97
सिमडेगा	124	2.09
पश्चिमी सिंहभूम	1096	22.94

आपकी बात

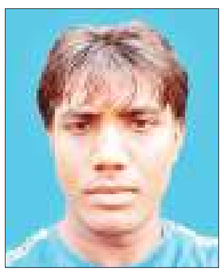

> समाजसेवा से बड़ा कोई परोपकार नहीं है. गरीब व जरूरतमंदों की मदद के लिए सक्षम लोगों को आगे आना चाहिए.

नाम : राम कुमार
पद : समाजसेवी
जन्मस्थल : जयनगर, कोडरमा
कार्यक्षेत्र : कोडरमा

राम कुमार लोगों के बीच सुपर हेल्थ हीरो के नाम से प्रसिद्ध हैं. उनका जन्म कोडरमा जिले के जयनगर गांव में हुआ था. बचपन से ही वह पढ़ाई में काफी होनहार थे. राम कुमार ने अपनी प्राथमिक पढ़ाई सरस्वती शिशु मंदिर जयनगर से की. वहीं आदर्श शिशु प्लस टू उच्च विद्यालय, बाघमारा से मैट्रि व इंटरमीडिएट की डिग्री हासिल की. इसके बाद कॉलेज की पढ़ाई के साथ-साथ समाजिक कार्यों में अपनी भूमिका निभाने लगे. रक्तदान के प्रति जागरूकता के साथ राम कुमार ने सरकारी अस्पताल में सुदृढ़ व्यवस्था, सरकारी योजनाओं को धरातल पर लाने आदि कार्य को लेकर मुखर रहे. सदर अस्पताल कोडरमा की व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए स्थानीय प्रशासन, सिविल सर्जन, सांसद और विधायक को पत्र लिख कर या बता कर सदैव आगाह करते हैं. वह झारखंड के सभी जिलों सहित अन्य राज्यों में भी रक्त की व्यवस्था निःशुल्क करवाते हैं. कोविड 19 की पहली लहर में उन्होंने राहगीरों की मदद की. इतना ही नहीं कोविड लहर में ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे मरीजों को ऑक्सीजन उपलब्ध करवाया. इसके लिए राम कुमार को कई सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है.

बोकारो सिख दंगा : गृह विभाग ने आवंटित की राशि

24 पीड़ितों को मिलेगा मुआवजा

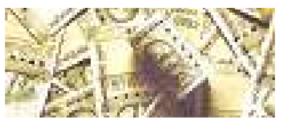

खास बातें

- 24 पीड़ितों को मिलेगा 1.20 करोड़ का मुआवजा
- आयोग की अनुशंसा के आधार पर लिया गया था निर्णय

संवाददाता । रांची

बोकारो सिख दंगे के 24 पीड़ितों को 1.20 करोड़ का मुआवजा मिलेगा. गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राशि आवंटित कर दी है. गौरतलब है कि बीते 22 नवंबर को सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में रांची के प्रोजेक्ट भवन में कैबिनेट की बैठक हुई थी. जिसमें सिख दंगे के पीड़ितों व आश्रितों के बीच 1.20 करोड़ से अधिक मुआवजा राशि देने के प्रस्ताव पर मुहर लगी थी. वित्तीय वर्ष 2023-24 में रिटायर्ड जस्टिस डीपी सिंह की अध्यक्षता वाले सिख विरोधी दंगा आयोग की अनुशंसा के आधार पर यह निर्णय लिया गया था.

जाने किनको कितना मिलेगा मुआवजा

अरविंद कौर	5.64 लाख
हरपाल सिंह	1.30 लाख
अजीत सिंह	5.00 लाख
हरजीत सिंह	3.00 लाख
सबरजीत सिंह	1.50 लाख
जगजीत सिंह	5.24 लाख
बलिंदर कौर	2.50 लाख
मुख्तार सिंह	2.90 लाख
जीत सिंह	2.00 लाख
सुरेन्द्र कौर	2.00 लाख
सुरजीत सिंह	10.00 लाख
भवनीत सिंह	49 हजार
अमरजीत कौर	6.00 लाख
मंजीत सिंह	2.00 लाख
जरनैल सिंह	90 लाख
बलदेव सिंह	03.00 लाख
दर्शन कौर	25 हजार
जोगेंद्र सिंह	18 हजार
नवजीत सिंह	01.00 लाख
सुरेंद्र सिंह	2.15 लाख
मंजीत कौर	03.00 लाख
बलविंदर कौर	25.00 लाख
चरणजीत कौर	25.00 लाख
बलविंदर कौर की दो बेटी	10 लाख
कुल	1.20 करोड़

आज की रैली पर रखें नजर

सामाजिक कार्यकर्ताओं व जन संगठनों का सरकार को पत्र

धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिश कर रहा जनजाति सुरक्षा मंच

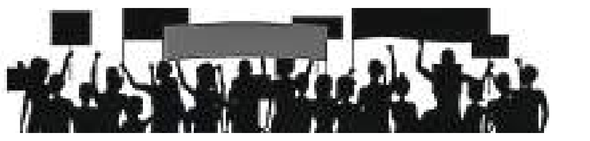

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में रविवार को जनजाति सुरक्षा मंच ईसाई व इस्लाम धर्म अपनानेवाले आदिवासियों को 'अनुसूचित जनजाति' की सूची से हटाने की मांग को लेकर रैली निकालेगा. इससे पहले सामाजिक कार्यकर्ताओं व जन संगठनों ने झारखंड सरकार के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, रांची डीसी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिख कर रैली पर कड़ी निगरानी रखने की मांग की है. साथ ही उन्होंने रैली में नफरती, सांप्रदायिक व भड़काऊ भाषण देने पर विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग की है.

नफरती, सांप्रदायिक व भड़काऊ भाषण देने पर कार्रवाई करने की मांग : सामाजिक कार्यकर्ताओं व जन संगठनों ने पत्र में लिखा कि अगर किसी भी परिस्थिति में रैली में नफरती, सांप्रदायिक व भड़काऊ भाषण दिया जाता है, तो "अश्विनी कुमार उपाध्याय बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एंड अदर्स" (रिट पेटीशन (सिविल) नंबर 943/2021) मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशनुसार दोषियों व आयोजकों के खिलाफ आईपीसी की धारा 153ए, 153बी, 295ए, 505(1) समेत अन्य संबंधित धाराओं के तहत बिना शिकायत के सुओ मोटो प्राथमिकी दर्ज कर न्यायसंगत कार्रवाई करने की गुहार लगायी है.

पत्र में लिखा है कि आदिवासियों को सरना-ईसाई के नाम पर आपस में लड़ाना, उनके जमीन को लूटना, आदिवासियों के स्वतंत्र अस्तित्व को खत्म करना और देश को हिंदू राष्ट्र बनाना ही जनजाति सुरक्षा मंच का उद्देश्य है. ईसाई व इस्लाम धर्म को अपनाने वाले आदिवासियों को 'अनुसूचित जनजाति' की सूची से हटाने की मांग तथ्यों से परे है. पत्र में लिखा कि संविधान की धारा 366 और 342 के मध्याम से ही किसी भी आदिवासी समूह को 'अनुसूचित जनजाति' माने जाने का स्पष्ट प्रावधान है. इन धाराओं में धर्म का कहीं कोई जिक्र नहीं है. झारखंड समेत देश के अधिकांश सरकारी उपक्रमों में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटे आधा से ज़्यादा खाली है. लेकिन जनजाति सुरक्षा मंच सोशल मीडिया व कार्यक्रमों में भ्रामक खबरों के जरिये आदिवासी समाज में धर्म के नाम व आरक्षण संबंधित तथ्यहीन बातों पर सांप्रदायिक विभाजन करने की कोशिश कर रहा है. लेकिन इनको रोकने के लिए प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है. क्रिसमस से एक दिन पहले जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा डीलिस्टिंग की मांग पर रैली का आयोजन करना आदिवासियों के बीच धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिश है. बता दें कि जनजाति सुरक्षा मंच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े वनवासी कल्याण आश्रम की पहल है.

CLASSIFIED

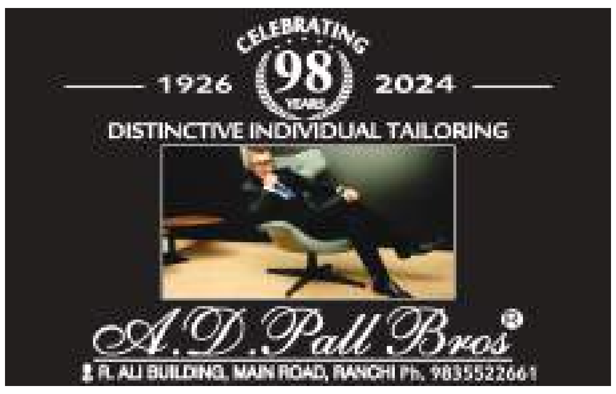

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रविवार, 24 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 246 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

ब्रीफ खबरें

लोक अदालत में 21 मामलों का निष्पादन

गिरिडीह। व्यवहार न्यायालय सभागार में शनिवार को आयोजित मासिक लोक अदालत में 21 मामलों का निष्पादन किया गया. साथ ही सुलह के आधार पर पक्षकारों से 47500 की वसूली भी हुई. इसके सफल संचालन के लिए चार बेंच का गठन किया गया था. 2 झालसा रांची के निर्देशानुसार इसकी सुनवाई प्रधान जिला एवं सत्र जज सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह के मार्गदर्शन में की गई. विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सौरव गौतम ने बताया कि लोक अदालत से लंबित सुलहनीय मामलों, सिविल वाद, क्लेम, बिजली, वन, उत्पाद, श्रम आदि के मामलों का निपटारा किया गया.

अस्पताल के प्रधान सहायक का निधन

गोविंदपुर। सरकारी अस्पताल गोविंदपुर के प्रधान सहायक निकूदिशुम हेंब्रम 58 वर्ष का निधन हृदयाघात से शुक्रवार रात हो गया. उनका पहले जगजीवन नगर केंद्रीय अस्पताल फिर सरकारी अस्पताल गोविंदपुर में इलाज कराया गया. उनके परिवार में पत्नी एवं तीन बेटियां हैं. वह मूल रूप से साहिबगंज के पतना, बरहरवा निवासी थे एवं नूतनडीह, सरायढेला में निवास करते थे. उनके निधन की खबर सुन कर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विशेश्वर कुमार, डॉ एच रहमान समेत अस्पताल की पूरी टीम उनका आवास गई. अस्पताल में उनके निधन पर मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई.

मधुमक्खियों के काटने से महिला की मौत

धनबाद। गोविंदपुर के सबलपुर के पास डिगारबांध तालाब स्थित पेड़ के पास शुक्रवार को मधुमक्खियों के हमले में 6 लोग घायल हो गए थे. 5 लोगों का इलाज नर्सिंग होम में किया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल फूलमनी को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच लाया गया, जहां इलाज के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई. मृत महिला के पोते पप्पू ने बताया कि तालाब किनारे पेड़ पर लगे छत्ते से निकल कर मधुमक्खियों ने वहां नहा रहे छह लोगों पर हमला कर दिया. गंभीर रूप से जख्मी दादी को एसएनएमएमसीएच ले आए, जहां शनिवार को सुबह उनकी मौत हो गई. पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार गांव में किया जाएगा.

ग्रामीण को वाहन ने मारा धक्का, मौत

गुमला। गुमला-पालकोट रोड में कार्तिक उरांव कॉलेज के समीप शनिवार की सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मॉर्निंग-वॉक कर रहे ग्रामीण बबलू नरेश टोप्पो उर्फ चारो की मौत हो गई. मृतक चारो पुगू पंचायत के ढावंठाटोली गांव का रहने वाला था. परिजनों के अनुसार प्रत्येक दिन सुबह में वह मॉर्निंग-वॉक में निकलता था. मॉर्निंग-वाक में निकले अन्य लोगों ने ही आसपास के लोगों के बेहोश पड़े ग्रामीण की जानकारी दी. लोगों ने मृतक की पहचान ढावंठाटोली निवासी चारो के रूप में की और उसके परिजनों को सूचना दी. देखते ही देखते लोगों की भीड़ जुट गई. पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव स्वजनों को सौंप दिया है.

एक लाख की पगार बीसीसीएल से, सेवा आउटसोर्सिंग कंपनी में

बीसीसीएल से डंपर ऑपरेटर एक साल से ले रहे वेतन, पदाधिकारियों से सेटिंग कर चला रहे प्राइवेट गाड़ी

संवाददाता। धनबाद

बीसीसीएल के सिजुआ एरिया पांच अंतर्गत निचितपुर कोलियरी में एक डंपर ऑपरेटर वरुण रवानी आउटसोर्सिंग कंपनी की गाड़ी चला रहा है. सूत्रों के अनुसार डंपर ऑपरेटर बीसीसीएल से हर माह एक लाख दस हजार रुपए वेतन लेता है, लेकिन अपनी ड्यूटी करने की बजाय निचितपुर कोलियरी में आउटसोर्सिंग कंपनी की गाड़ी चलाता है. वरुण रवानी बीसीसीएल प्रबंधन से मिलीभगत कर विभाग के साथ धोखाधड़ी कर रहा है. सिजुआ एरिया के वरीय पदाधिकारी से सेटिंग कर आउटसोर्सिंग कंपनी के ठेकेदार से मिल कर प्राइवेट कैंपर जीप चला रहा है. कंपनी से दो गाड़ी लेकर एक खुद चलाता और दूसरी अपने करीबी साथी से चलवाता है. इसकी एवज में कंपनी से 20 हजार रुपए लेता है. एक-दो बीसीसीएल कर्मी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि वरुणु रवानी बीसीसीएल के साथ-साथ आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन को भी धोखा दे रहा है. बीसीसीएल के अधीन 12 एरिया हैं. जिनमें बस्ताकोला, बरोरा, ब्लॉक-टू (बाघमारा), कुसुंडा, पीबी एरिया (पुटकी-बलिहारी), चांच विक्टोरिया, गोविंदपुर, कतरास, सिजुआ, ईजे व सीवी एरिया आदि हैं. सिजुआ के अलावा अन्य एरिया में भी कुछ डंपर ऑपरेटर बीसीसीएल से वेतन लेकर दूसरे कार्य कर रहे हैं. यह सबकुछ संबंधित एरिया के एक-दो पदाधिकारियों से सेटिंग कर हो रहा है. बीसीसीएल मुख्यालय से वरीय अधिकारी की ओर से जांच पड़ताल हो तो कई एरिया के पदाधिकारी फंस सकते हैं.

दूसरा डंपर ऑपरेटर दो महिला मजदूरों के साथ निचितपुर में चला रहा कैंटीन

सिजुआ एरिया 5 के अधीन निचितपुर कोलियरी में ही वर्कशॉप के पास वरुण का साथी दूसरा डंपर ऑपरेटर एक कैंटीन चला रहा है. जिस ठेकेदार से कैंटीन चलाने का जिम्मा मिला था, वह सही से चला नहीं पा रहा है. इसलिए उसने अपने साथी बीसीसीएल कर्मी को दे दिया है. डंपर ऑपरेटर खुद तो कैंटीन चला रहा है, साथ में दो महिला मजदूरों को भी अपने साथ में रखा है, जो कैंटीन में बर्तन धोने के साथ-साथ नाश्ता-खाना बनाने का काम करती हैं. महिला मजदूर भी बीसीसीएल से 50-50 हजार रुपए वेतन लेने के अलावा कैंटीन संचालक से 10-10 हजार रुपए वेतन ले रही हैं. बीसीसीएल में दर्जनों ऐसे पुरुष व महिला मजदूर हैं, जो पदाधिकारियों को सेट कर दोनों तरफ से वेतन ले रहे हैं. डंपर ऑपरेटर हों या फिर मजदूर हाजिरी बना कर चले जाते हैं और दूसरे अन्य कार्यों में लिप्त हो जाते हैं.

राज्य के 35 हजार स्कूलों से 15 जनवरी तक खेल सामग्री खरीदने का निर्देश

28.8 करोड़ स्वीकृत

शुभम किशोर। रांची

सरकारी स्कूलों में खेल को बढ़ावा देने के लिए राज्य के 35438 सरकारी स्कूलों के खेल सामग्री खरीदने का निर्देश झारखंड शिक्षा विभाग की राज्य परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी ने जारी किया है. उन्होंने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को पत्र जारी कर 15 जनवरी तक खेल सामग्री खरीदने का निर्देश दिया है. खेल सामग्री के लिए 28.88 करोड़ की राशि स्वीकृत हुई है. जारी पत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए खेल सामग्री खरीदने के लिए दिशा निर्देश दिए गए है. जारी पत्र में बताया गया है कि शिक्षा हेतु भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड (पीएबी) में खेल और शारीरिक शिक्षा के प्राथमिक विद्यालय और उच्च प्राथमिक विद्यालय मद में 22.15 करोड़ तथा माध्यमिक एवं सीनियर माध्यमिक मद में 6.72 करोड़ राशि स्वीकृत की गई है. जिसे राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में खेल सामग्री खरीदने के लिए ट्रांसफर किया जा चुका है.

रांची को सबसे अधिक 1.72 करोड़ और लोहरदगा को सबसे कम 44 लाख मिले

किस जिले को कितना आवंटन

जिले का नाम	आवंटन (करोड़ में)	जिले का नाम	आवंटन (करोड़ में)
बोकारो -	1.22	कोडरमा -	0.59
चतरा -	1.27	लातेहार -	0.86
देवघर -	1.52	लोहरदगा -	0.44
धनबाद -	1.37	पाकुड़ -	0.77
दुमका -	1.75	पलामू -	2.23
गढ़वा -	1.17	पश्चिमि सिंहभूम -	1.63
गिरिडीह -	2.47	पूर्वी सिंहभूम -	1.33
गोड्डा -	1.25	रामगढ़ -	0.55
गुमला -	1.11	रांची -	1.72
हजारीबाग -	1.25	साहेबगंज -	1.03
जामताड़ा -	0.83	सरायकेला खरसांवा -	1.15
खूंटी -	0.62	सिमडेगा -	0.63

किस स्कूल को कितनी राशि का आवंटन : राज्य के प्राथमिक विद्यालयों को 5 हजार, मध्य विद्यालयों को 10 हजार और माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को 25 हजार रुपए प्रति विद्यालय के दर से राशि का आवंटन किया गया है. बता दें कि राज्य में 21183 प्राथमिक विद्यालय, 11565 मध्य विद्यालय, 1705 माध्यमिक व 985 उच्चतर माध्यमिक सराकरी विद्यालय हैं, जिन्हें 28.88 करोड़ की राशि का आवंटन किया गया है. खेल सामग्रियों को खरीदने के लिए विद्यालय स्तर पर समिति का गठन भी किया गया है. जिसमें विद्यालय के प्रधानाध्यापक व प्रभारी प्रधानाध्यापक, अध्यक्ष, विद्यालय के शारीरिक शिक्षा के शिक्षक और विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्य शामिल किए गए हैं. गुणवत्तापूर्ण खेल सामग्रियों की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिले के 4 शारीरिक शिक्षा शिक्षकों का दी गई है.

हजारीबाग : बर्थडे पार्टी में तलवार गोद कर नाबालिग को दोस्तों ने ही मार डाला

हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है पुलिस

संवाददाता। हजारीबाग

शहर के लोहसिहना थाना क्षेत्र में झील के पास बर्थडे पार्टी मना रहे एक नाबालिग की उसके दो नाबालिग दोस्तों ने तलवार से गोद कर हत्या कर दी. वारदात को अंजाम देकर सभी दोस्त फरार हो गए. घटना शुक्रवार शाम की बतायी जा रही है. बर्थडे पार्टी में शामिल चचेरे भाई सलमान किसी तरह घायल सकीबुल पिता मो. इजहार को ई रिक्शा में लेकर हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचा. जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची या किसी बड़े अस्पताल में ले जाने की सलाह दी. परिजन आनन-फानन में उसे आरोग्यम अस्पताल ले गए. जहां डॉक्टरों ने सकीबुल को मृत घोषित कर दिया. लोहसिहना थाना प्रभारी विपिन कुमार यादव ने बताया कि पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है. इस घटना को अंजाम देने वाले नाबालिगों की तलाश की जा रही है.

जिस तलवार से काटा केक, उसी से छाती गोद डाली

पार्टी में शामिल मृतक के चचेरे भाई सलमान ने बताया कि बचपन के सात दोस्त बर्थडे सेलिब्रेट करने झील पर गए थे. वहां तलवार से केक काटा गया. फिर खाने-पीने की पार्टी चली. सभी दोस्त साउंड पर नाच रहे थे. इस दौरान देखा कि सकीबुल की छाती में तलवार से दो दोस्त गोद रहे हैं. वह भागा-भागा पास आकर देखा तो सकीबुल खून से लथपथ घायल पड़ा था. वहीं बाकी पांच दोस्त मौके से फरार हो गये. सलमान ने तुरंत फोन कर इसकी सूचना पहले अपने पिता और घर में दी. फिर सड़क पर आकर टोटो को रुकवा कर घायल सकीबुल को लेकर हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचा. वहां उसके परिजन भी पहुंच चुके थे. वहां से डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए किसी बड़े अस्पताल में ले जाने की सलाह दी. परिजन उसे अरोग्यम अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतक सकीबुल के पिता इजहार कहते हैं कि इस घटना की जानकारी उन्हें बड़े भाई ने दी. जब तक वह अस्पताल पहुंचे, तब तक उनका घर उजड़ चुका था.

जामताड़ा में वहशीपन

हत्या के बाद निकाली मृतक की आंखें, शव की शिनाख्त नहीं हुई

संवाददाता। जामताड़ा

जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के आसनबेड़िया पंचायत के पथराबाद गांव में शनिवार सुबह एक अज्ञात का शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई. क्षत-विक्षत हालत में मिले शव की आंखे निकाल ली गईं थीं. हालांकि, पुलिस का मानना है कि शव की आंखें जानवरों ने नोंची हैं. मृतक की शिनाख्त करने की पुलिस कोशिश कर रही है.

इस मामले में पुलिस की थ्योरी अलग ही है. पुलिस का कहना है कि जानवरों ने मृतक की आंखें नोंच ली हैं. बहरहाल, घटना की सच्चाई शव के पोस्टमार्टम के बाद ही सामने आ सकेगी. पुलिस ने एक अज्ञात का शव बरामद किया. लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच के दौरान यह पाया कि युवक की हत्या कर शव को यहां फेंक दिया गया है. उसके गले पर कटे हुए का निशान है. साथ ही उसकी आंखें भी निकाल ली गई हैं.

जानवरों ने नोंची हैं आंखें

इस वीभत्स हत्याकांड की वजह से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है. लाश की पहचान के लिए तमाम कवायद की जा रही है. उधर, इस मामले में एसपी अनिमेष नैथानी ने कहा की मृतक का दिमागी संतुलन ठीक नहीं था. रात को वो घर से बाहर था. उसकी मौत ठंड से हुई है और उसके बाद जानवरों ने उसके गले समेत अन्य भाग में जख्म पहुंचाए हैं. आंखें भी जानवरों ने ही निकाली है.

शिनाख्त करने में जुटी पुलिस : पुलिस युवक की पहचान करने की कोशिश कर रही है. इसी वजह से अभी तक हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है.

कोविड से निपटने के लिए झारखंड तैयार

रांची। झारखंड कोविड-19 मामलों में किसी भी तरह की बढ़ोतरी से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है, हालांकि फिलहाल हालात काबू में हैं. स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी. बताया कि 18 दिसंबर से राज्य में कोरोना वायरस का कोई नया मामला सामने नहीं आया है. 18 को जमशेदपुर में संक्रमण के दो मामले सामने आए थे. एनएचएम के निदेशक आलोक त्रिवेदी ने बताया, कुछ राज्यों में कोरोना मामलों में वृद्धि के मद्देनजर झारखंड पहले ही केंद्र के दिशा-निर्देशों के मुताबिक ऑक्सीजन संयंत्रों के कार्य करने, ऑक्सीजन युक्त और गैर ऑक्सीजन के बिस्तरों की संख्या की समीक्षा और आईसीयू को लेकर मॉक ड्रिल कर चुका है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक दिन में कोरोना संक्रमण के 752 नए मामले सामने हैं, जो इस साल 21 मई के बाद सबसे अधिक है. वहीं सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ कर 3,420 हो गई है. कुछ दिनों में झारखंड में कोई नया मामला सामने नहीं आया है.

एजी ने योजनाओं के डेटा बेस पर उठाए सवाल, जताई स्कॉलरशिप योजना पर आपत्ति

डीबीटी से चल रहीं 13 विभागों की 137 योजनाएं

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में 13 विभागों की कुल 137 योजनाओं में लाभुकों को डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) का लाभ मिल रहा है. लेकिन इनके डाटा बेस पर सवाल भी उठ रहे हैं.

पिछले दिनों एजी ने राज्य में स्कॉलरशिप के वितरण में की गई अनियमितता पर आपत्ति जताई थी. स्कॉलरशिप का वितरण डीबीटी से ही हो जा रहा है. इसके बाद भी छात्रवृति वितरण में भारी अनियमितता बरती गई. इसको लेकर अन्य योजनाओं के भी डाटा बेस पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

एजी ने क्या जताई आपत्ति : एजी ने ऑडिट रिपोर्ट में चतरा, हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम, गोड्डा, पलामू और रांची में स्कॉलरशिप योजना को ले ऑडिट किया था, जिसमें फर्जी राशि के वितरण की गड़बड़ी मिली थी. यह राशि डीबीटी से अपात्र लाभुकों को ट्रांसफर की गई. डीबीटी रैपिड रिएप्लीकेशन रोल ऑउट प्रोजेक्ट के तहत कार्य के दायरे के अनुसार एप्लिकेशन को ईकेवाइसी के साथ जोड़ा जाना चाहिए. ट्रेजरी और बैंक के साथ लिंकअप करना चाहिए. जबकि राज्य की अधिकांश योजनाओं में इस तरह के प्रावधान नहीं हैं. सरकार के कृषि, पशुपालन और सहकारिता की 27, एससी-एसटी अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की 22, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की 24, महिला, बाल विकास और समाज कल्याण की 25, स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार की 10, गृह, जेल और आपदा की 4, पेयजल और स्वच्छता की एक, पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल और युवा मामले की 7, वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन की 5, नगर विकास और आवास की तीन, श्रम विभाग की तीन, खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले की 2 योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्यम से दिया जा रहा है.

किस विभाग की कौन सी प्रमुख योजनाएं

- **कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग:** विभाग में कुल 27 योजनाओं चल रही हैं.
- **एससी-एसटी, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग:** विभाग की 22 योजनाओं में डीबीटी के माध्यम से लाभुकों को लाभ दिए जा रहे हैं.
- **स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग :** विभाग में कुल 24 योजनाओं में डीबीटी के माध्यम से लाभुकों को लाभ दिया जा रहा है.
- **महिला, बाल विकास और समाज कल्याण:** विभाग की 25 योजना का लाभ डीबीटी से दिया जा रहा है. जिसमें गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (40-79 वर्ष), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (40-79 वर्ष), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (80 वर्ष और अधिक), इंदिरा विकलांगता पेंशन योजना (18-79 वर्ष), राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, आदिम जन जाति पेंशन योजना, विधवा सम्मान पेंशन योजना के लिए राज्य पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना जैसी प्रमुख योजनाएं हैं.
- **स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार :** कुल 10 योजनाओं में डीबीटी का प्रयोग हो रहा है.
- **गृह, जेल और आपदा प्रबंधन:** विभाग में 4 योजना के लाभुकों को डीबीटी से लाभ दिया जा रहा है. जिसमें जय प्रकाश आंदोलनकारी//आश्रित को पेंशन/लाभ, झारखंड/ वनांचल आंदोलन/आश्रित को पेंशन, स्वतंत्रता सेनानियों/ आश्रितों को भत्ता, 1984 के सिख दंगा पीड़ितों को पेंशन प्रमुख हैं.
- **ग्रमीण विकास विभाग:** 4 योजनाएं मनरेगा, पीएम आवास, अम्बेडकर आदि डीबीटी से संचालित हो रही हैं.

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल | 12 महासचिव और 12 प्रभारी नियुक्त किए, प्रियंका गांधी से छिना यूपी का प्रभार

अविनाश पांडेय गये यूपी, मीर को मिला झारखंड का प्रभार

शुभम संदेश नेटवर्क। रांची

झारखंड के कांग्रेस प्रभारी बदल गये हैं. प्रभारी अविनाश पांडे को यूपी का प्रभारी बनाया गया है. वहीं गुलाम अहमद मीर को झारखंड की कमान सौंपी गई है. अविनाश पांडेय को यूपी और गुलाम अहमद मीर को झारखंड प्रभारी बनाने पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का आभार जताया है.

राजेश ठाकुर ने कहा कि पांडेय ने एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में यहां कांग्रेस को पंचायत स्तर तक पहुंचाने का काम किया. यह उसी का परिणाम है कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें यूपी जैसचे बड़े राज्य की जिम्मेवारी सौंपी है. वहीं झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के रूप में गुलाम अहमद मीर के मनोनयन पर राजेश ठाकुर ने हर्ष व्यक्त किया. ठाकुर ने कहा कि उनकी संगठनात्मक क्षमता का लाभ झारखंड कांग्रेस को मिलेगा. मीर एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में जाने जाते हैं. जम्मू कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष रहते उन्होंने संगठन को गांव तक ले जाने का काम किया. इनकी क्षमता झारखंड में भी देखने को मिलेगी.

प्रियंका गांधी पार्टी महासचिव बनी रहेंगी, सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ में बड़ी जिम्मेदारी

अजय माकन बने रहेंगे पार्टी के कोषाध्यक्ष

कांग्रेस की ओर से जारी की गई लिस्ट के मुताबिक, मुकुल वासनिक, गुजरात भेजे गए हैं, तो वहीं जितेंद्र सिंह को असम और मध्य प्रदेश का चार्ज सौंपा गया है. रणदीप सिंह सुरजेवाला कर्नाटक भेजे गए हैं और दीपक बाबरिया के हिस्से दिल्ली-हरियाणा का चार्ज आया है. वहीं कुमारी सैलजा उत्तराखंड भेजी गई हैं. संगठन में कम्यूनिकेशन देखने की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेता जयराम रमेश के हिस्से आई है और केसी वेणुगोपाल संगठन देखेंगे.

अजय कुमार को 3 राज्यों का प्रभार

इसके साथ ही साथ झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार को तीन राज्यों के प्रभारी बनाये गए हैं. बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को अपनी टीम में बड़ा बदलाव करते हुए 12 महासचिवों और 12 प्रदेश प्रभारियों की नियुक्ति की. पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से यह जानकारी दी गई है. जयराम रमेश भी पार्टी की संचार विभाग के प्रभारी की जिम्मेदारी निभाते रहेंगे.

नए महासचिवों को इन राज्यों की जिम्मेदारी

- रमेश चेन्निथलाः महाराष्ट्र
- मोहन प्रकाश :बिहार
- चेल्लाकुमार :मेघालय, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश
- डॉ अजय कुमारः ओडिशा के साथ तमिलनाडु व पुड्डुचेरी का भी अतिरिक्त प्रभार
- भरत सिंह सोलंकीः जम्मू कश्मीर
- राजीव शुक्लाः हिमाचल प्रदेश के साथ चंडीगढ़
- सुखजिंदर सिंह रंधावाः राजस्थान
- देवेंद्र यादवः पंजाब
- मानिक राव ठाकरेः गोवा, दमन एवं दियू, दादरनागर हवेली
- गिरीश चोंडाकर- त्रिपुरा, सिक्किम, मणिपुर और नगालैंड
- मानिक्कम टैगोर- आंध्र प्रदेश, अंडमान निकोबार
- रणदीप सूरजेवाला- कर्नाटक
- जितेंद्र सिंह-एमपी
- सचिन पायलट-छत्तीसगढ़
- सैलजा कुमारी-उत्तराखंड
- गुरदीप सिंह- सप्पल प्रशासनिक
- कोषाध्यक्ष- अजय माकन
- संयुक्त कोषाध्यक्ष -मिलिंद देवड़ा और विजय इंदर सिंगला

बोरा गोदाम में लगी भीषण आग

लाखों की संपत्ति राख

झरिया। झरिया थाना क्षेत्र के उषा टॉकीज स्थित एक बोरा गोदाम में शुक्रवार देर रात एक बजे भीषण आग लग गयी. आग लगने से गोदाम में रखे लाखों के सामान जल कर राख हो गये. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना कारोबारी श्रवण साव और फायर ब्रिगेड को फोन करके दी. जानकारी पाकर श्रवण साव और दमकल की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. हालांकि तब तक गोदाम में रखी 10 से 12 लाख की संपत्ति जल कर राख हो गयी.

विभावि : स्नातकोत्तर जंतु विज्ञान विभाग में पूर्ववर्ती छात्रों ने अपने-अपने अनुभवों को किया साझा

छात्रों की उपलब्धियों से ही विभाग की पहचान : डॉ. अजय

संवाददाता। हजारीबाग

एलुमीनी मीट

- पूर्ववर्ती छात्रों का अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर स्वागत
- विभाग ने किया शिक्षा को समग्र विकसित : डॉ. गुप्ता

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर जंतु विज्ञान विभाग में शनिवार को पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया. इसमें 34 पूर्ववर्ती छात्र शरीक हुए. विभागाध्यक्ष डॉ. बीके गुप्ता द्वारा इन सभी का स्वागत किया गया. मुख्य अतिथि डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन एक परिवार की तरह सभी पास आउट छात्रों को एक साथ जोड़ता है. छात्रों के द्वारा हासिल उपलब्धियों से ही विभाग की पहचान होती है.

विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के सीसीडीसी डॉ. केके गुप्ता ने कहा कि इस विभाग ने पढ़ाई के साथ-साथ शिक्षा को समग्र रूप से विकसित किया है और यहां के बच्चे अन्य क्षेत्रों में अपना हुनर का परिचय दे रहे हैं. बताया कि छात्र सभ्यता भूषण ने विधानसभा सभा में जलवायु परिवर्तन पर अपने विचार व सुझाव से प्रथम स्थान हासिल किया है. वहीं, विभाग की दो छात्राएं डॉ. सुषमा व प्रियंका प्रियदर्शी ने जेपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण कर आज एक्सक्यूटीव मैजिस्ट्रेट के पद पर कार्य कर रही हैं. डॉ. कनिका, प्रदीप सिसिलिया और मिथलेश भी जेपीएससी के माध्यम से सहायक प्रोफेसर के पद को सुशोभित कर रहे हैं.

इससे पूर्व अतिथियों एवं पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. सभ्यता भूषण ने स्वरचित नूतन और पुराने वर्ष पर आधारित कविता का पाठ किया. सभी एलुमिनी को अंग वस्त्र तथा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया. सभी ने अपने उद्गार व्यक्त किए. एल्यूमनी अध्यक्ष के अनुपस्थित रहने के कारण उनके संदेश को पढ़ कर सुनाया गया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनोज ने किया.

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. राजेंद्र मिस्त्री तथा उनकी टीम के छात्रों का काफी योगदान रहा. प्रथम व तृतीय सत्र के छात्र सूरज, नीरज मोहसिना, शिया, खुशबू व शोधकर्ता आकाश की अहम भूमिका रही. अंत में राष्ट्र गान के साथ यह आयोजन संपन्न हो गया.

हड़ताल की सफलता के लिए 25 को जुटेंगे डीलर

कोडरमा। नगर पंचायत पीडीएस डीलर संघ की शनिवार को बैठक हुई. इस मौके पर के जिला अध्यक्ष गोपाल कुमार गुतुल ने कहा कि ऑल इंडिया फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार नाथ झा एवं प्रधान सचिव संजय कुंडू एवं प्रदेश के सभी पदाधिकारी के आह्वान पर एक जनवरी से अनाज वितरण व्यवस्था बंद रहेगी. जब तक सरकार हमारे सभी मांगे नहीं मानेगी, तब तक सभी डीलर, महिला ग्रुप अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे. हड़ताल को सफल बनाने के लिए 25 दिसंबर को जिले के संघ के पदाधिकारी, सभी प्रखंड अध्यक्ष, कमेटी सदस्य एवं महिला ग्रुप से ध्वजाधारी आश्रम के प्रांगण में दिन के 11 बजे पहुंचने कहा गया है. इस बैठक का संचालक पवन पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन अरविंद कुमार ने किया.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- वनस्पति घी के निर्माण में कौनसी गैस प्रयुक्त होती है – **हाइड्रोजन**
- सांची के स्तूप का निर्माण किसने करवाया था – **अशोक**
- बंग्लादेश का राष्ट्रगान – **आमार सोनार बांग्ला**
- विश्व की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री – **वेलेंटाइना तेरेश्कोवा**
- फलों को पकाने में कौन सी गैस उपयोग होती है – **ऐथिलीन**
- हैदराबाद किस नदी पर बसा है – **मूसी**
- पृथ्वी दिवस कब मनाया जाता है – **22 अप्रैल**
- स्वेज नहर किन दो सागरों को जोड़ती है – **भूमध्यसागर व लाल सागर**
- कोशिका का पावरहाउस किसे कहा जाता है – **माइटोकॉंड्रिया**
- योजना आयोग का अध्यक्ष कौन होता है – **प्रधानमंत्री**

कोडरमा का मौसम

- **न्यूनतम तापमान :** 10 डिग्री सेल्सियस
- **अधिकतम तापमान :** 24 डिग्री सेल्सियस
- **बादल की स्थिति :** 60% छाए रहेंगे
- **हवा की रफ्तार :** 15 किमी प्रति घंटे

ब्रीफ खबरें

बस स्टैंड में खड़ी पिकअप वैन में लगी आग

झुमरी तिलैया। तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत बस स्टैंड में खड़ी एक पिकअप वैन में बीती देर रात आग लगने से का मामला सामने आया है. इस बाबत पिकअप मालिक बसंत यादव ने तिलैया थाना में आवेदन दिया है. उन्होंने कहा है कि अपने पिकअप वैन (जेएच 05 बीवाई 9751) को बीती रात 11 बजे बस स्टैंड में खड़ा कर वह घर आ गए थे. इस बीच देर रात करीब एक बजे प्रशासन द्वारा फोन कर बताया गया कि आपकी गाड़ी में आग लगी है. जब तक बस स्टैंड पहुंचे, तब तक प्रशासन आग बुझा चुका था. आग लगने से गाड़ी को बहुत नुकसान पहुंचा है.

योग्य लाभुकों को मिला योजनाओं का लाभ

कोडरमा। आपकी योजना-आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जिले के सतगावां प्रखंड की खुट्टा, डोमचांच प्रखंड की मधुबन, कोडरमा प्रखंड की चाराडीह और जयनगर प्रखंड की कटहाडीह पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे. काफी संख्या में ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन दिए. संबंधित बीडीओ व सीओ द्वारा लाभुकों के बीच कंबल और राशन व पेंशन का स्वीकृति पत्र दिया. वहीं, जेएसएलपीएस समूह की महिलाओं को ऋण भी दिया गया.

बाबा साहेब की प्रतिमा लगाने का लिया निर्णय

जयनगर। प्रखंड के पुराना ब्लॉक के सामने राजेंद्र दास की अध्यक्षता में बैठक हुई. इस दौरान ब्लॉक परिसर में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया गया. प्रतिमा के निर्माण हेतु बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर प्रतिमा निर्माण समिति का गठन किया गया. बैठक में मुखिया राजकुमार यादव, इरफान अंसारी, पंसस बलराम यादव, सहदेव रविदास, धनेश्वर राम, विनोद कुमार रविदास, नंदकिशोर पासवान, दशरथ दास, अजय कुमार, देवनारायण यादव, सहदेव पासवान, संजय पासवान, जनक देव राम, विपिन दास, विजय पासवान, रंजीत कुमार दास, राजेंद्र यादव, अनूप कुमार दास, जगदीश राम, मंसूर आलम, लखन दास आदि थे.

अभाविप ने किया ग्रैंड फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

हजारीबाग। अभाविप की जिला इकाई के द्वारा संत कोलंबा कॉलेज में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया. छात्र-छात्राओं ने संगीत, नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए. कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेश सह मंत्री व विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष रितेश यादव, विभाग संयोजक सोनू राज, जिला संयोजक प्रभात कुमार, साकेत सिंह, संत कोलंबा महाविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनीश सिंह, प्रो. राजकुमार चोबे, प्रो. एल पी मिश्रा, प्रो. मुकेश सर, प्रो रवि सर, प्रो जयप्रकाश, प्रो मुकेश ने विधिवत रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर और मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की.

सीएम हेमंत ने किसान, श्रमिक, महिला व नौजवान को सशक्त करने पर दिया जोर

रामगढ़ को 148 करोड़ की सौगात

संवाददाता। रामगढ़

सरकार आपके द्वार

- 49.95 करोड़ रुपए की 48 योजनाओं का उद्घाटन
- 98.94 करोड़ रुपए की 124 योजनाओं का शिलान्यास
- विभिन्न विभागों में 92 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

गोला को डिग्री कॉलेज का उपहार जल्द मिलेगा. कॉलेज के निर्माण हेतु आने वाले दिनों में आधारशिला रखी जाएगी. रामगढ़ जिला में आवागमन को बेहतर करने के उद्देश्य से 250 करोड़ रुपए की लागत से 400 किमी ग्रामीण सड़कों एवं 450 करोड़ रुपए की लागत से 250 किमी उच्च स्तरीय सड़कों का निर्माण किया जा रहा है. इससे आवागमन काफी सुगम हो जाएगा. उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कही.

जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत चाड़ी पंचायत के तिरला मैदान में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बोल रहे थे. सीएम हेमंत सोरेन ने 49 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से 48 योजनाओं का उद्घाटन एवं 98 करोड़ 94 लाख रुपए की लागत से 124 योजनाओं का शिलान्यास किया. मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया. वहीं, डीएमएफटी के तहत स्वास्थ्य में 67, श्रम नियोजन में 23 एवं 2 अन्य मिला कर कुल 92 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया गया.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सरकारी, गैर सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अलावा स्वरोजगार के लिए कार्य किया जा रहा है. लगातार नियुक्ति निकाली जा रही है. राज्य के युवाओं को नौकरी से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिले का पतरातु प्रखंड पर्यटन स्थल है. यहां के युवा दर्शनीय स्थल में स्वरोजगार के लिए रोजगार सृजन योजना का लाभ लेकर आर्थिक स्वावलंबन की ओर अग्रसर हो सकते हैं. इस कार्य में सरकार आपकी मदद करेगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव-गांव पंचायत पंचायत शिविर का आयोजन हो रहा है. यह अभियान बेहतर ढंग से संचालित हो रहा है या नहीं, इसका आकलन करने के लिए आपके बीच आता हूं.

कार्यक्रम में श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण व कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोक्ता, कृषि मंत्री, पशुपालन व सहकारिता बादल पत्रलेख, बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, पूर्व विधायक सह राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त योगेंद्र महतो, राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त फागू बेसरा, पूर्व विधायक ममता देवी, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, उपायुक्त चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय के अलावा जिला के पदाधिकारी, हजारों की संख्या में ग्रामीण व छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

मुख्यमंत्री ने बच्चियों के साथ फोटो खिंचवाई

मुख्यमंत्री कार्यक्रम समाप्ति के बाद जब जाने लगे तब उनकी नजर गोला के यूएसएच बरियातु स्कूल में पढ़ाई कर रही अफसाना एवं राखी पर पड़ी. दोनों बच्चियां मुख्यमंत्री की तस्वीर थामे हुई थी. मुख्यमंत्री सीधे उन बच्चियों के पास गए और उसके साथ फोटो खिंचवाया. मुख्यमंत्री ने बच्चियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी. पदाधिकारियों से कहा कोई भी जरूरतमंद पेंशन के लाभ से वंचित ना रहे, इसका ध्यान दें.

पूर्व की सरकारों ने विकास से रखा वंचित

उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 से ऐसे शिविरों का आयोजन कर सरकार आपके दरवाजे पर दस्तक दे रही है. इन शिविरों से प्राप्त आवेदन से ज्ञात हुआ कि अगर पूर्व की सरकारों में कुछ अच्छा कार्य हुआ होता, तो इतने सारे आवेदन प्राप्त नहीं होते. 2019 से पूर्व सामान्य जीवन रहने के बाद भी कार्य नहीं किया गया. जबकि, वर्तमान सरकार गठन के उपरांत कोरोना संक्रमण ने झारखंड समेत पूरी दुनिया को अपने चपेट में ले लिया. इस महामारी की धुंध छटने के बाद सरकार ने आपके दरवाजे तक पदाधिकारियों को भेजना शुरू किया.

गांवों को सशक्त करने का किया जा रहा कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव के किसान, श्रमिक, महिला और नौजवान सशक्त होंगे, तभी राज्य मजबूत होगा. आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से गांव और ग्रामीणों को सशक्त करने के लिए लोगों को योजनाओं का लाभ देने का कार्य किया जा रहा है. आज अधिकारी आपके दरवाजे को खटखटा कर आप तक योजनाओं को पहुंचा रहे हैं. अब लोगों को जिला और प्रखंड मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा. अब पंचायतों में ही लोगों को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा.

नई पीढ़ी को बेहतर शिक्षा देने का कर रहे हैं प्रयास

सीएम सोरेन ने यह भी कहा कि आने वाली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के उदेश्य से 80 उत्कृष्ट विद्यालय का संचालन प्रारंभिक चरण में हो चुका है. आने वाले वर्षों में राज्य भर में पांच हजार उत्कृष्ट विद्यालय प्रारंभ करने की योजना है. सरकार सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के जरिए किशोरियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है. साथ ही राज्य के बच्चों को उच्च शिक्षा समेत डॉक्टर, इंजिनियरिंग, लॉ, मास कम्युनिकेशन एवं गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के जरिए आर्थिक सहायता प्रदान करेगी.

सरकार को बदनाम करने के लिए नहीं दे रहे डिग्री : चंदन

संवाददाता। हजारीबाग

लगाए आरोप

- झामुमो छात्र नेता ने विभावि की कार्यशैली पर उठाए सवाल
- कहा– 6 महीने से नियमित कुलपति की नियुक्ति नहीं की गई

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में छात्रों को सर्टिफिकेट नहीं देने का मामला अब राजनीतिक रंग लेने लगा है. झामुमो के छात्र नेता चंदन सिंह ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए छात्रों को सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है. उनका कहना है कि छह महीना बीत जाने के बाद भी विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति राजभवन नहीं कर पाया है. कहीं ना कहीं यह राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा प्रतीत होता है.

चंदन सिंह ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों से पांच वर्ष पूर्व डिग्री के लिए पैसे ले लेता है. मगर, सैकड़ों छात्र विश्वविद्यालय में सुबह से रात तक अपनी वर्षों से अर्जित उपाधि लेने के लिए खड़े रहते हैं. इसका जवाब प्रबंधन को देना चाहिए. कुलपति के नहीं होने से डिग्रियों में हस्ताक्षर नहीं हो पा रहे हैं. वहीं, परीक्षा विभाग की नाकामी भी छात्रों की परेशानी का कारण बना हुआ है. झामुमो छात्र नेता ने कहा कि ऑटोमेशन के नाम पर छात्रों का पैसा लेने वाले को बख्शा नहीं जाएगा. सरकार को जानकारी दी जाएगी.

पथलडीहा में 3.5 किमी पथ के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास

संवाददाता। कोडरमा

स्थानीय भाजपा विधायक सह पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. नीरा यादव ने अनुशंसित एवं ग्रामीण कार्य विभाग से स्वीकृत सड़क का शनिवार को शिलान्यास किया. कोडरमा प्रखंड की पथलडीहा पंचायत में कई गांवों को जोड़ने वाली सड़क कारीघाट नदी भाया गिरधराटांड तक 3.50 किमी पथ के सुदृढ़ीकरण का कार्य होगा. इसकी लागत राशि 99 लाख 94 हजार 962 रुपये है.

इस दौरान डॉ. नीरा यादव ने कहा कि ग्रामीणों की सुविधाओं के लिए बिजली, पानी और सड़क मुहैया कराई जाएगी. जन सुविधाओं के लिए वह हमेशा संघर्षरत रही हैं और आगे भी रहेंगी. मौके पर विभाग के जेई अशोक गुप्ता, कनीय अभियंता शैलेश कुमार, विधायक प्रतिनिधि विजय सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश सिंह, बैजंती देवी, सदानंद यादव, मनोरंजन सिंह, मिथिलेश सिंह, दिलीप सिंह, काशी पंडित, सुरेंद्र सिंह, महेंद्र यादव, द्वारिका साव, महेश यादव, मंटू राणा, सन्नी राणा व द्वारिका सिंह समेत कई लोग थे.

राज इंटरनेशनल में मना क्रिसमस

संवाददाता। कोडरमा

सांस्कृतिक कार्यक्रम

- सांता क्लॉज ने बच्चों को टॉफियां और उपहार बांटे
- बच्चों ने किया प्रभु यीशू के जन्म पर नाटक का मंचन

न्यू कॉलोनी स्थित राज इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को क्रिसमस त्योहार धूमधाम से मनाया गया. बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी. इस क्रम में प्रभु यीशू के जन्म से संबंधित कई नाटक का मंचन किया. इस मौके पर सांता क्लॉज के रूप में सजे छोटे-छोटे बच्चों ने सभी का मन मोह लिया. सांता क्लॉज ने बच्चों के बीच टॉफियां और कई उपहार भी बांटे.

स्कूल के प्रधानाचार्य राहुल घोष ने बच्चों को प्रभु यीशू के जन्म से जुड़े प्रसंगों को सुनाया. वहीं, विद्यालय प्रांगण को विशाल क्रिसमस ट्री और स्नो मैन से सजाया गया था. स्कूल की निदेशक संपा सिंह ने सभी का आभार जताया. सचिव सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि प्रभु यीशू ने जीवन पर्यंत मानवता की सेवा की. मानवता की रक्षा के लिए उन्होंने अपना जीवन बलिदान दे दिया. ऐसे प्रभु से हर किसी को शिक्षा लेनी चाहिए. मौके पर एके लाल, आशीष भुजेल, सुरेंद्र नोनिया समेत स्कूल के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे.

आमंत्रण के लिए विहिप की पंचायत कमेठी गठित

जयनगर। प्रखंड अंतर्गत घरौंजा पंचायत अंतर्गत ग्राम घुरमुंडा में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा आमंत्रण कार्य के हेतु पदाधिकारियों के चयन के लिए बैठक की गई. अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष विनोद कुमार बर्णवाल ने किया. इस दौरान जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद मोदी ने कहा कि सनातन की रक्षा के लिए हमें एक होना होगा. इस दौरान घरौंजा पंचायत अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, उपाध्यक्ष लखन दास, मंत्री विनोद यादव, बजरंग दल संयोजक विकास सिंह, गो रक्षा प्रमुख पिंटु कुमार यादव, सत्संग प्रमुख नागेश्वर राणा, मातृ शक्ति प्रमुख उर्मिला देवी, दुर्गा वाहिनी संयोजिका यमुना देवी और सदस्य मनोज चौधरी व महेश रजक आदि को बनाया गया. वहीं रुपायडीह पंचायत के राधा-कृष्ण मंदिर प्रांगण में विश्व हिंदू परिषद की बैठक हुई.

सदर अस्पताल में अनुपस्थित मिले चिकित्सक और चिकित्सा कर्मी

डीसी ने दिया शो-कॉज का निर्देश

संवाददाता। कोडरमा

औचक निरीक्षण

- डीसी ने भर्ती मरीजों से सुविधाओं की ली जानकारी
- कर्मियों को कार्यशैली में सुधार लाने का दिया निर्देश

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने शनिवार को कोडरमा सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान कई चिकित्सक एवं चिकित्सा कर्मी अनुपस्थित पाए गए. वहीं चिकित्सक एवं चिकित्सा कर्मियों के विलंब से अस्पताल पहुंचने की शिकायत प्राप्त हुई. इस पर नारजगी व्यक्त करते हुए अनुपस्थित चिकित्सक एवं कर्मियों से स्पष्टीकरण पूछ कर उनके विरूद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया.

उपायुक्त ने सभी चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों को समय से अस्पताल पहुंचने का निर्देश दिया. सदर अस्पताल में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को कहा. उपायुक्त ने वार्डों के निरीक्षण के दौरान भर्ती मरीजों से भी बात की और उनके स्वास्थ की जानकारी ली. अस्पताल में चिकित्सक द्वारा इलाज व अस्पताल में मिल रही सुविधाओं के संदर्भ में पूछा.

इसके अलावा उपायुक्त ने अनुमंडल कार्यालय, जिला खनन कार्यालय सहित समाहरणालय परिसर में अवस्थित सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान अनुपस्थित पाए जाने वाले कर्मियों से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया.

फौरी राहत : देर रात रेलवे स्टेशन, झुमरी तिलैया बस स्टैंड, महतो आहर व अन्य क्षेत्रों का किया भ्रमण

डीसी ने गरीब व जरूरतमंदों को बांटे कंबल, जाना हाल

संवाददाता। कोडरमा

प्रशासनिक कवायद

- वृद्ध महिला–पुरुष को वृद्धाश्रम शिफ्ट करने का दिया निर्देश
- बेसहारा लोगों को रैन बसेरा में शिफ्ट कराने को कहा गया

बढ़ती ठंड का असर जिले में भी देखने मिल रहा है. कंपकंपाती ठंड से लोग परेशान हैं. सड़क किनारे अपनी जिंदगी गुजर बसर करने वाले लोगों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है. जिला प्रशासन उनकी मदद के लिए आगे आया है. उपायुक्त मेघा भारद्वाज बीती देर रात पदाधिकारी और कर्मियों के साथ कड़ाके की ठंड में झुमरी तिलैया शहर का जायजा लेने निकलीं.

उन्होंने शहर और आसपास के क्षेत्र के रेलवे स्टेशन, झुमरी तिलैया बस स्टैंड, महतो आहर व अन्य क्षेत्रों का भ्रमण किया. इस दौरान उपायुक्त ने झुमरी तिलैया शहर अंतर्गत रेलवे स्टेशन के पास गरीब व जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण किया और उनका हालचाल जाना. साथ ही पदाधिकारियों को वृद्ध महिला व पुरुष को वृद्ध आश्रम में शिफ्ट करने को कहा. उन्होंने बेसहारा लोगों को रैन बसेरा में शिफ्ट करने का निर्देश झुमरी तिलैया नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को दिया.

अलाव की भी की जा रही व्यवस्था : उपायुक्त मेघा भारद्वाज विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर गरीब व जरूरतमंद के बीच कंबल का वितरण किया. उपायुक्त ने कहा कि ठंड बढ़ गयी है, इसलिए सतर्क रहें. बढ़ती ठंड को देखते हुए जिले के प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नियमित रूप से अलाव की व्यवस्था की जा रही है. प्रशासन जरूरतमंद लोगों को कंबल भी मुहैया करा रहा है.

बिरहोरों के बीच शाल व स्वेटर का वितरण

झुमरी तिलैया। आदर्श फाउंडेशन की पहल पर परिवार साड़ी सेंटर के संचालक राजेंद्र प्रसाद द्वारा नया स्वेटर एवं ऊनी सॉल उपलब्ध करवाया गया था. फाउंडेशन की टीम ने शनिवार को ग्राम पंचायत गझंडी स्थित बिरहोर कॉलोनी गझंडी में बच्चों एवं मातृशक्तियों के बीच इसका वितरण करवाया. आदर्श फाउंडेशन के सचिव सुरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बच्चों एवं मातृशक्तियों के लिए स्वेटर एवं ऊनी साल उपलब्ध करवाने वाले प्रतिष्ठान परिवार साड़ी सेंटर के संचालक राजेंद्र प्रसाद का आभार व्यक्त किया है.

स्कूल से एल्यूमीनियम केबल और हैलोजन लाइट की चोरी

संवाददाता। मरकच्चो

चोर बेखौफ

- दो शातिरों ने बीती रात वारदात को दिया अंजाम
- विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में वारदात कैद

थाना क्षेत्र के महुगाई पंचायत अंतर्गत बरवाडीह में संचालित वनांचल शिशु उच्च विद्यालय में बीते शुक्रवार रात चोरी की घटना हुई है. चोरों ने विद्यालय परिसर मे लगे एल्यूमीनियम केबल और दो हैलोजन लाइट पर हािा साफ कर दिया. चोरी किए गए केबल की अनुमानित कीमत 15 हजार रुपये बताई गई है. वारदात को अंजाम देने के दौरान चोरों ने स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया.

हालांकि, चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गई है. विद्यालय के निदेशक गंगाधर कुमार ने बताया कि शनिवार सुबह विद्यालय पहुंचने पर चोरी की घटना का पता तब चला. उन्होंने पुलिस को सूचना देते हुए विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगाला, तो पाया कि बीती रात करीब साढ़े आठ बजे दो युवक बाइक से विद्यालय आए और कुछ देर के बाद वापस चले गए. फिर वही दोनों युवक रात लगभग साढ़े नौ बजे आए. एक के हाथ ने टॉर्च तथा दूसरे के हाथ बड़ा सा हथोड़ा था. उसके बाद उन दोनों ने मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया. पुलिस ने पड़ताल शुरू कर दी है.

विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए सदर विधायक, केंद्र सरकार योजनाओं से कराया अवगत

विकास योजनाओं का उठाएं लाभ : मनीष जायसवाल

संवाददाता। हजारीबाग

विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम प्रभारी के रूप में शनिवार को सदर विधायक मनीष जायसवाल शामिल हुए. विधायक ने बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के कांडतरी पंचायत भवन व आंगो पंचायत भवन में पहुंच कर उपस्थित सैकड़ों पंचायतवासियों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीब, लाचार, किसान व महिलाओं के उत्थान के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं.

उन्होंने लोगों से इन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की. जायसवाल ने जरूरतमंद महिलाओं के बीच गैस चूल्हा व गैस सिलेंडर का भी वितरण किया. मौके पर विधायक के हाथों नई तकनीक से निर्मित ड्रोन उपकरण के तहत कांडतरी गांव के खेतों में यूरिया का छिड़काव कार्य का भी शुभारंभ किया गया. उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर से उलिहातू की धरती से प्रधानमंत्री ने संकल्प भारत यात्रा की शुरुआत की थी. 25 जनवरी तक देश के कोने-कोने तक यह रथ पहुंच कर लोगों को केंद्र की विकास योजनाओं के प्रति जागरूक करेगा. इस कार्यक्रम में लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर मुफ्त में दवाइयां भी दी गईं. विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि पीएम मोदी के आने के बाद देश में हुए व्यापक बदलाव आधुनिक भारत के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय है.

मौके पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, भाजपा नेता जयनारायण मेहता, भाजपा मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, सांसद प्रतिनिधि बेचन साव, श्रीकांत निराला, उपाध्यक्ष अशोक साव, किशोर राम, महामंत्री इंद्र भूषण राम, सुमन गिरी, कांडतरी मुखिया पारसनाथ प्रसाद, बचनदेव कुमार, उपेंद्र प्रसाद कुशवाहा, सुरेंद्र महतो, स्वरूप नारायण, मनीष पांडेय, शिबू मेहता, आंगों पंचायत के नीलम मिंज, हीरालाल साव, राजेश कुमार, शोभा देवी, शांति देवी, कविता देवी, द्रौपदी देवी, अर्चना कुमारी, राधा कुमारी, पूनम कुमारी, आशा देवी, पुष्पा देवी, सुलेखा देवी, किरण देवी, बीना देवी, प्रतिमा कुमारी, गुलची कुमारी, सविता देवी, मंजू कुमारी, प्रतिमा हांसदा, मुनिया देवी, बंधनी देवी, सोनिया देवी, अनीता देवी, कवित्री देवी सहित अन्य सैकड़ों लोग मौजूद रहे.

विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हजारीबाग विधायक व ग्रामीण.

विकास रथ
- ड्रोन से खेतों में यूरिया छिड़काव का किया शुभारंभ
- महिलाओं के बीच गैस चूल्हा व सिलिंडर का वितरण

डीटीओ ने चलाया विशेष वाहन चेकिंग अभियान

दारू। डीटीओ ने शनिवार को दारू थाना के समीप विशेष वाहन जांच अभियान चलाया. इस क्रम में दुपहिया, तीन पहिया और चारपाहिया वाहनों के कागजातों की जांच के साथ-साथ दुपहिया वाहन चालकों के हेलमेट की जांच की गई. इस अभियान में दर्जनों वाहनों से करीब 76 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया. इस संबंध में डीटीओ बैजनाथ कामटी ने बताया कि अभी सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है. बताया कि सभी स्कूल प्रबंधन के साथ बैठक कर स्कूल में चलने वालों वाहनों के कागजात दुरुस्त करने का निर्देश दिया है, अन्यथा उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी. वहीं, दारू क्षेत्र के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिया गया है कि बिना हेलमेट पहने अपनी बाइक में पेट्रोल लेने वालों को पेट्रोल नहीं दें, अन्यथा पेट्रोल पंप संचालक के खिलाफ कार्रवाई होगी.

प्रॉपर्टी बाजार

लोकेशन- वार्ड नं. 08, महावीर मोहल्ला, कोडरमा बाजार

- **जमीन की दर** : 25-30लाख रुपए प्रति डिसमिल
- **बस स्टैंड से दूरी** : 500 मीटर
- **रेलवे स्टेशन से दूरी** : 2 किलोमीटर
- **आवागमन का साधन** : ऑटो, रिक्शा, बाइक, कार
- **आसपास के स्कूल** : सरकारी विद्यालय व एक निजी विद्यालय
- **पास का सब्जी बाजार** : 500 मीटर पर गांधी चौक के पास बाजार

हेल्थ अलर्ट

अस्पताल का नाम- होप क्लीनिक, बाइपास रोड, झुमरी तिलैया

- **कुल बेड** : 40
- **आईसीयू** : नहीं
- **एंबुलेंस** : हां
- **साफ-सफाई** : बेहतर
- **पार्किंग स्थल** : हां
- **चिकित्सक** : डॉ. सुजीत कुमार राज (ऑर्थोपेडिक सर्जन)
- **सुविधाएं** : सर्जरी, ओटी समेत अन्य सुविधाएं

सदर अस्पताल हजारीबाग

विभाग — डॉक्टर का नाम

- **मेडिसिन :** डॉ. सोमा उरांव
- **मनोचिकित्सा विभाग :** डॉ. मो. एस. जाफर
- **त्वचा रोग :** डॉ. एसएस चौधरी
- **शिशु रोग :** डॉ. क्षितिज आनंद
- **इएनटी :** डॉ. राखी कुमारी
- **डेंटल :** डॉ. कोएना मिश्रा

ट्रामा सेंटर : सुबह 8 बजे से अपराह्न 2 बजे तक
- **सर्जन :** डॉ. विवेक
- **मेडिसीन :** डॉ. रेफॉर्ड

अपराह्न 2 से रात 10 बजे तक
- **सर्जन :** डॉ. अमरेंद्र
- **मेडिसिन :** डॉ. आरके सिंह

रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक
- **आॅर्थो विभाग :** डॉ. रामकृष्ण
- **मेडिसिन :** डॉ. अहमद

हजारीबाग का मौसम

- **न्यूनतम तापमान :** 12 डिग्री सेल्सियस
- **अधिकतम तापमान :** 24 डिग्री सेल्सियस
- **बादल की स्थिति :** 25 % छाए रहेंगे
- **हवा की रफ्तार :** पांच किमी प्रति घंटे

ब्रीफ खबरें

अवैध बालू लदा 3 ट्रैक्टर जब्त, चालक हिरासत में

झुमरी तिलैया। जिले के वरीय अधिकारियों के निर्देश पर तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत गोशाला रोड से अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टर को पकड़ा गया है. सदर प्रखंड के सीओ कमल किशोर सिंह और तिलैया थाना प्रभारी विनोद कुमार ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर कार्रवाई की. वहीं, बिना ड्राइविंग लाइसेंस के ट्रैक्टर चला रहे चालक को पकड़कर थाना ले गई. जानकारी के अनुसार पुलिस ने तीनों ट्रैक्टरों जब्त करते हुए तीनों के चालक को हिरासत में लिया है. वहीं, खनन विभाग को सूचित कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

मेहता लॉज से साइबर अपराधी गिरफ्तार

हजारीबाग। कोर्रा थाना पुलिस ने जबरा स्थित मेहता लॉज में छापेमारी कर एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान बोकारो जिले के करोखुर्द निवासी पवन कुमार के रूप में की गई है. कोर्रा थाना प्रभारी निशि कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी पवन कुमार को जबरा स्थित मेहता लॉज से गिरफ्तार किया गया है. उसके पास से साइबर ठगी करने में प्रयुक्त एक मोबाइल भी जब्त किया गया है. आरोपी के विरुद्ध कोर्रा थाना मे आईपीसी और आईटी एक्ट के तहत उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में पौराणिक ज्ञान पद्धति पर गहन मंथन

भारतीय ज्ञान पद्धति जरूरी: डॉ. सिद्दीकी

संवाददाता। हजारीबाग

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज में आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का समापन शनिवार को राष्ट्रगान के साथ हो गया. इन दो दिनों में देश के कई विद्वतजनों ने मैराथन चिंतन और मंथन किया. वक्ताओं ने कहा कि भारतीय परंपरा के संवर्द्धन में उच्च शिक्षा संस्थानों की अहम भूमिका है. उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में नई विचार धाराएं और पौराणिक ज्ञान पद्धति की ओर लौटने पर शोध जरूरी है.

समापन समारोह के मुख्य अतिथि विभावि के सेवानिवृत्त रजिस्ट्रार और बॉटनी के रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ. इनाम नबी सिद्दीकी थे. उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रमों में अतिप्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को समाहित करने जरूरत है. उन्होंने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से इंडियन नॉलेज सिस्टम की रूप-रेखा का विस्तार से वर्णन किया. साथ ही बताया कि अंग्रेजियत की गुलामी मानसिकता से खुद को आजाद कर भारत की मूल भाषा संस्कृत की ओर मुखातिब होना होगा. गुजरे जमाने में समृद्ध भारत की अतिप्राचीन ज्ञान पद्धति की ओर लौटना होगा.

उन्होंने इसे स्कूल की प्रारंभिक पढ़ाई से लेकर विश्वविद्यालय तक के अध्ययन में लाने पर जोर दिया. कॉलेज के विवेकानंद सभागार में आयोजित सेमिनार की अध्यक्षता जेएनयू के स्कूल ऑफ संस्कृत और इंडिक स्टडीज के डीन प्रोफेसर डॉ. संतोष कुमार शुक्ल ने की. वहीं, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. बसुंधरा कुमारी ने मंच संचालन किया. अतिथि परिचय और विषय प्रवेश कराते हुए गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि ज्ञान से ही ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है. ऐसे में भारतीय ज्ञान परंपरा के संवर्द्धन में शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों को बेहतर भूमिका निभाने की जरूरत है. सेमिनार में मंचासीन अतिथियों को शॉल व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया.

इससे पहले अतिथियों ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. सेमिनार में उज्ज्वल भारत ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अजय सिंह, मार्खम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्राध्यापक डॉ गजेंद्र सिंह, रिटायर्ड एडीएम जामुनीकांत, राजकीय बालिका उच्च विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक डॉ. राम इकबाल यादव, वरिष्ठ पत्रकार डॉ पी. मिश्र, आईबीसीएन के कार्यकर्ता डॉ. मुरारी सिंह, कॉलेज प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष मनोज कुमार, सचिव मिथिलेश मिश्र, प्राचार्य डॉ अरविंद कुमार यादव, कुमारी अंजलि, सहायक प्राध्यापिका डॉ. पुष्पा कुमारी, डॉ दीपमाला, रचना कुमारी समेत कॉलेज के सभी प्रशिक्षु मौजूद थे.

ज्ञान परंपरा त्याग आधारित : डॉ. योगेंद्र

आक्यूएसी की ओर से आयोजित नेशनल सेमिनार के टेक्नीकल सेशन में बीएचयू फैकल्टी ऑफ एजुकेशन के प्रो. डॉ. योगेंद्र पांडेय ने कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा काफी समृद्ध रही है. इसे फिर से प्राप्त करना ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य है. यह बड़ी चुनौती है. हमें गुरुकुल शिक्षा पद्धति को अपनाना होगा, जो कालांतर से हम भूलते चले जा रहे हैं. पाश्चात्य की ज्ञान अवधारणा कभी स्पष्ट नहीं रही है क्योंकि वह उपभोग आधारित शिक्षा रही है. भारतीय ज्ञान परंपरा त्याग आधारित शिक्षा है. ज्ञान के सृजन के लिए अंग्रेजी और दूसरों का अनुकरण छोड़ संस्कृत भाषा की ओर लौटना होगा. एनईपी-2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाना है, लेकिन इसे सार्थक करना बड़ी चुनौती भी है.

भारत ने विश्व को दिया ज्ञान : डॉ. रुखैयार

विभावि के पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. बंशीधर प्रसाद रूखैयार ने कहा कि दुनिया का पहला विश्वविद्यालय तक्षशीला भारत में ही था. भारत ने सदियों पहले विश्व को हर क्षेत्र में ज्ञान दिया. लेकिन, विदेशी शासकों ने उस ज्ञान को खत्म कर दिया. हमें उस खोए हुए ज्ञान को प्राप्त कर पुनः विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर होना होगा. इसमें उच्च शिक्षा संस्थानों को अग्रणी भूमिका निभाने की जरूरत है. उन्होंने भारतीय इतिहास के कई अनछुए पहलुओं को अपने वक्तव्यों में समाहित किया. साथ ही कहा कि एनईपी को जमीनी अमलीजामा पहनाने में हर भारतीय को सहयोग करने की जरूरत है. पूरी दुनिया को भारत की उस अतीत परंपरा से अवगत कराना होगा. डॉ. रुखैयार ने गुरु-शिष्य के पौराणिक संबंधों को वर्तमान में फलीभूत करने पर भी बल दिया.

नेशनल सेमिनार
- विद्वतजनों ने दो दिनों तक किया गहन चिंतन, रखे विचार
- पौराणिक ज्ञान पद्धति की ओर लौटने पर शोध पर जोर

संस्कृत में विज्ञान भाषा समाहित : डॉ. मृत्युंजय

विभावि डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन के डॉ. मृत्युंजय प्रसाद ने कहा कि भारत की अतिप्राचीन परंपरा और उसमें समाहित ज्ञान-विज्ञान के प्रति फैलाई गई भ्रांतियों को खत्म करना होगा. वेद-पुराण धार्मिक ग्रंथ नहीं, विज्ञान हैं. इसे समझना और दुनिया को भी समझाना होगा. अंग्रेजों की ओर से कुंठित कर दी गई मानसिकता को बदल भारत के गौरव ज्ञान को पूरी विश्वसनीयता के साथ संपूर्ण विश्व में बिखेरना होगा. संस्कृत में विज्ञान की भाषा समाहित है, इसे स्वीकार करना होगा. उन्होंने यह भी कहा कि खत्म हो चुकी भारतीय प्राचीन परंपरा की चेतना को जागृत कर उसे भावी पीढ़ी के ज्ञान में समाहित करना होगा. इसमें शिक्षण संस्थानों को भी अपनी भूमिका तलाशनी होगी, तभी भारत एक बार फिर से जगत गुरु बन सकता है.

घूमें-फिरें

स्थल का नाम : रजौली घाटी, कोडरमा

- **शहर से कितनी दूर** : कोडरमा से 10 किमी दूर
- **शहर में कहां है** : कोडरमा-पटना रोड में
- **कैसे पहुंचेंगे** : बाइक, कार, बस, ऑटो आदि से
- **पहुंचने का रूट क्या है** : कोडरमा से नवादा की ओर
- **क्या-क्या है खास** : प्राकृतिक नजारे, मनारेम वादियां, घाटी में कई मंदिर, झरने, पहाड़ी और वन का दृश्य

खान-पान

रेस्टूरेंट का नाम : ग्रीन हील

- **किस स्थान पर है** : बागी टांड, कोडरमा
- **नाश्ते में क्या** : सभी तरह के पराठे, पकोड़े
- **दिन व रात का भोजन में क्या** : वेज व नॉन वेज थाली, हर तरह की सब्जी, फ्राइड राइस, दाल मखानी, रायता, चिकेन व मटन, हर तरह की चिल्ली
- **खास क्या है** : चिकेन काली मिर्च, चिकेन हांडी, मशरूम मसाला
- **वेज या नॉनवेज** : दोनों
- **चाइनीज आइटम** : हां
- **पार्सल की व्यवस्था है** : हां
- **होम डिलिवरी देते हैं** : हां
- संचालक का कहना है कि हमारे यहां फ्राइड राइस, मशरूम मसाला और चिकेन हांडी बेहद खास है. कोडरमा के सभी जगहों से लोग यहां आते हैं. साफ-सफाई के साथ-साथ ताजा खाना खिलाना हमारी प्राथमिकता है.

विष्णुगढ़ थाना के छोटा बाबू को एसीबी ने घूस लेते दबोचा

संवाददाता। हजारीबाग

विष्णुगढ़ थाना के छोटा बाबू मनोज कुमार को एसीबी की टीम ने शनिवार को 6000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया. वादी हेठली बोदरा गांव निवासी ललिता देवी ने छोटा बाबू मनोज कुमार पर केस मैनेज करने के नाम पर घूस मांगने की शिकायत एसीबी से की थी. एसीबी ने मामले का सत्यापन कराने के बाद रणनीति बनाई. एक टीम गठित कर मनोज कुमार को घूस लेते गिरफ्तार कर लिया.

आवेदन में बताया था कि उनके पति बदरी यादव के नाम पर विष्णुगढ़ थाना में केस हुआ है. विष्णुगढ़ थाना के छोटा बाबू मनोज कुमार ने घर आकर केस मैनेज करने के लिए 10,000 रुपये की मांग की. नहीं देने पर पति को जेल भेज देने की बात कही. काफी मिन्नत के बाद 6 हजार रुपये में सौदा तय हुआ है. एसीबी की टीम ने पहले मामले का सत्यापन कराया. इसके बाद जाल बिछाकर एसआई मनोज कुमार को रंगेहाथ धर दबोच लिया.

एसीबी कार्रवाई
- केस मैनेज करने के नाम पर 6000 रुपये ले रहे थे घूस
- ललिता देवी के आवेदन पर एसीबी ने किया गिरफ्तार

4 अभियुक्तों को 14 वर्ष कारावास

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग व्यवहार न्यायालय में शनिवार को ब्राउन शुगर के कारोबार में गिरफ्तार हुए चार कारोबारियों के विरुद्ध सुनवाई की गई. मामले के पूर्ण विचारण के बाद कोर्ट ने सभी को दोषी पाते हुए 14 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा के साथ डेढ़ लाख जुर्माना भी लगाया है. जुर्माना की राशि नहीं चुकाने पर छह माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी.

एडीजे सप्तम बीके पांडेय के न्यायालय में सुनवाई के बाद सजा का ऐलान किया गया. सजा पानेवालों में कटकमसांडी थाना क्षेत्र के जोरदाग निवासी राजदीप प्रसाद, बाझा निवासी माशूक सिंह, लोहसिंघना थाना क्षेत्र के शिवपुरी निवासी इंद्रजीत सिंह और पेलावल ओपी क्षेत्र के पेलावल मस्जिद के पास रहने वाला मो. शाहिद शामिल है. इस मामले की सुनवाई न्यायालय में रिकॉर्ड एक साल के अंदर पूरी हुई. बताया गया कि उक्त चारों लोगों को 2 दिसंबर 2022 को सदर एसडीपीओ महेश प्रजापति और कोर्रा थाना के तत्कालीन थाना प्रभारी उत्तम तिवारी की टीम ने 280 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया था. साथ ही इस कारोबार में प्रयुक्त एक बेलेनो कार भी जब्त किया गया था.

सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक शशिकांत ओझा ने बहस किया. कुल छह गवाह का बयान दर्ज कराया गया और एफएसएल की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई. वहीं, बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता मनोज कुमार सिन्हा,अजय कुमार और महेश प्रसाद केस की पैरवी कर रहे थे.

कोर्ट फैसला
- 280 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़े गए थे चारों कारोबारी
- 1.5 लाख जुर्माना भी लगा, नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा

शहर की गतिविधियां

- **फहीमा अकादमी में लगा रक्तदान शिविर, 13 यूनिट रक्त संग्रह :** फहीमा अकादमी में शनिवार को विद्यालय के संस्थापक मरहूम रफीक अंसारी की 11वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्य फरहा फातमी सहित कई समाजसेवियों द्वारा किया गया. शिविर में 13 लोगों ने रक्तदान कर मानवता का संदेश दिया. वहीं, विद्यालय परिसर में 110 बच्चियों को नर्सरी से 12वीं कक्षा तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के दृष्टिकोण से रजिस्ट्रेशन प्रारंभ किया गया. रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आगामी 30 जनवरी तक चलेगी. विद्यालय प्रबंधन के द्वारा गरीब, जरूरतमंदों तथा विधवा महिलाओं के बीच कंबल का वितरण किया गया. साथ ही छोटे बच्चों को गर्म टोपी प्रदान की गई. रक्तदान करने वालों में मो. सिल्लू, अफाक अहमद, राहुल कुमार यादव, मो. अजहर, सोमनाथ कुमार, मो. शहाबुद्दीन खान, दीपक कुमार रजक, मो. सलाउद्दीन, पांडु मुंडा सहित अन्य लोग शामिल थे. प्राचार्य फरहा फातमी ने कहा कि अपने दादा मरहूम रफीक अंसारी के दिखाए गए मार्गों पर हम सभी चल रहे हैं. उन्होंने विद्यालय परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले लोगों का आभार प्रकट किया. उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के साथ समाजसेवा में योगदान देना हमारा पहला कर्तव्य है.

सांसद जयंत सिन्हा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की मुलाकात, लोस क्षेत्र में रेल सेवा कार्यों को बढ़ावा देने पर चर्चा

बरकाकाना जंक्शन पर राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग

संवाददाता। हजारीबाग

सांसद सह अध्यक्ष वित्त संबंधी संसदीय स्थायी समिति जयंत सिन्हा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से नई दिल्ली में मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने हजारीबाग लोकसभा के रेल विषयों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की. सांसद ने कहा कि जयंत सिन्हा ने कहा कि हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के लोग जहां पहले सड़क यात्रा पर आश्रित थे, वहीं अब वे रेल सेवाओं का भी अत्यधिक प्रयोग कर रहे हैं.

उन्होंने कहा कि पूर्व में रांची-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन गुरुवार व रविवार को वाया बरकाकाना जंक्शन जाती थी. वर्तमान में इसका रूट लोहरदगा-टोरी होकर कर दिया गया है. इससे हजारों यात्रियों को असुविधा हो रही है. सांसद ने बरकाकाना जंक्शन होकर इसके परिचालन की मांग की. उन्होंने रेल मंत्री से न्यू गिरिडीह-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस के बरही रेलवे स्टेशन पर ठहराव की भी मांग की. सांसद ने कहा कि संबलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस व रांची-बनारस इंटरसिटी एक्सप्रेस का कोरोना काल से पतरातू स्टेशन पर ठहराव बंद है. इससे हजारों लोगों को असुविधा हो रही है. वहीं, जम्मूतवी इंटरसिटी व स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस का गोला रोड स्टेशन पर ठहराव अत्यंत आवश्यक है. ऐसा होने से लाखों भक्तों के लिए रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर से जम्मू स्थित माता वैष्णो देवी धाम तक की यात्रा बेहद सुलभ हो जाएगी. उन्होंने गरीब रथ एक्सप्रेस के पतरातू रेलवे स्टेशन व गोला रोड रेलवे स्टेशन पर कम से कम एक मिनट के ठहराव और शक्तिपुंज एक्सप्रेस की चैनपुर स्टेशन पर ठहराव की मांग की.

रखी मांगें
- जम्मूतवी इंटरसिटी का गोला रोड स्टेशन पर हो ठहराव
- गरीब रथ का पतरातू रेलवे स्टेशन पर ठहराव का आग्रह

कोच अनुरक्षण डिपो का निर्माण कराने की मांग

सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के लोग लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए वर्षों से प्रतीक्षारत हैं. इसे साकार करने के लिए वर्ष 2019 में हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर 28 करोड़ की लागत से बनने वाले कोच अनुरक्षण डिपो को स्वीकृति दी गई थी. लेकिन फंड के अभाव में यह कार्य रुका हुआ है. हजारीबाग से दिल्ली और कोलकाता के लिए ट्रेनों का परिचालन शुरू करवाना अत्यंत जरूरी है. इससे उद्योग, पर्यटन समेत रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा.

मालगाड़ियों के ढके नहीं रहने से वायु प्रदूषण

सांसद ने रेल मंत्री से कहा कि हजारीबाग में कोयला परिवहन रेलवे साइडिंग हैं. अधिकतर मालगाड़ियों के ढके नहीं होने के कारण वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है और क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य को खतरा हो रहा है. उन्होंने गोला रोड स्टेशन पर आधुनिक वेटिंग हॉल, टिकट काउंटर व कैंटीन का निर्माण और पेयजल की व्यवस्था कराने मांग की. पतरातू रेलवे फाटक से पतरातू स्टेशन तक और पतरातू के सरैया टोला रेलवे फाटक से लोको मार्केट होते हुए डीजल शेड तक सड़क का निर्माण कराने का आग्रह किया.

सदर विधायक ने 3.81 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी

संवाददाता। हजारीबाग

सदर विधायक मनीष जायसवाल ने कटकमदाग वासियों को 3 करोड़ 81 लाख रुपए के विकास कार्य की सौगात दी है. उन्होंने शनिवार को क्षेत्र के 4.32 किमी. ग्रामीण पथों के निर्माण कार्य की आधारशिला रखी. विधायक ने अपने दौरे की शुरुआत कटकमदाग प्रखंड क्षेत्र के पंचशील कॉलोनी में पथ निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास के साथ किया.

इस पथ की कुल लंबाई 2.63 किमी है. निर्माण कार्य करीब 1 करोड़ 57 लाख रुपए की लागत से होगा. वहीं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुधारीकरण योजना अंतर्गत कुंडलीबागी चौक से मरहंड मोड़ तक पथ के विशेष मरम्मति कार्य की आधारशिला रखी. इस पथ की कुल लंबाई 1.70 किमी है और कुल 2 करोड़ 24 लाख रुपए की राशि से इसका कायाकल्प होगा. मौके पर विधायक ने कहा कि हजारीबाग विधानसभा में विकास का काम रुके नहीं और हजारीबाग कभी झुके नहीं, इस दिशा में उनका सकारात्मक प्रयास रहेगा.

विकास कार्य
- 4.32 किमी ग्रामीण पथों के निर्माण कार्य की रखी नींव
- कहा-विकास कार्य को लेकर रहेगा सकारात्मक प्रयास

जमशेदपुर के शाहबाज समेत 8 संदिग्धों से हो रही पूछताछ

सौरभ सिंह। रांची

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) आतंकी संगठन आईएसआईएस बल्लारी मॉड्यूल मामले की जांच कर रही है. इस मामले में एनआईए जमशेदपुर के जुगसलाई निवासी मो. शाहबाज उर्फ जुल्फिकार समेत आठ संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ कर रही है. गौरतलब है कि बीते दिन झारखंड समेत चार राज्यों के 19 ठिकानों पर एनआईए ने छापा मारा था. एनआईए की टीम ने झारखंड के बोकारो और जमशेदपुर में छापेमारी की थी. वहीं कर्नाटक के बल्लारी व बेंगलुरु में भी छापा मारा था. इस छापेमारी के दौरान एनआईए ने बल्लारी मॉड्यूल के नेता मिनाज सहित आठ आरोपित को गिरफ्तार किया था. सभी आईएसआईएस आतंकी संगठन के समर्थन में आतंकी गतिविधियों को संचालित कर रहे थे. उनका नेतृत्व मिनाज उर्फ सुलेमान कर रहा था.

आईएसआईएस बल्लारी मॉड्यूल मामला

जमशेदपुर समेत कई शहरों से हुई थी गिरफ्तारी

एनआईए ने बल्लारी से मिनाज उर्फ सुलेमान और सैयद समीर, मुंबई से अनस इकबाल शेख, बेंगलुरु से मुनिरुद्दीन, सईद समिउल्लाह उर्फ समी और मुजम्मिल, दिल्ली से शयन रहमान उर्फ हुसैन और जमशेदपुर से शहबाज उर्फ जुल्फिकार उर्फ गुड्डु को गिरफ्तार किया था. छापेमारी के दौरान एनआईए को इन ठिकानों से विस्फोटक सामग्री (सल्फर, पोटेशियम नाइट्रेट, चारकोल, गनपाउडर, सुगर व इथेनाल), तेज धारदार हथियार, अनगिनत नकदी, आपत्तिजनक दस्तावेज, स्मार्टफोन व अन्य डिजिटल उपकरण मिले थे. इस छापेमारी में एनआईए ने कर्नाटक, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली पुलिस का सहयोग लिया था.

एक-दूसरे से एनक्रिप्टेड एप के माध्यम से जुड़े थे सभी आरोपी

एनआईए को जांच में जानकारी मिली है कि सभी आरोपित विस्फोटक सामग्री से आईईडी बनाने वाले थे, जिससे वे आतंकी गतिविधियों को संचालित करते. सभी एनक्रिप्टेड ऐप के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े थे. हिंसा, जिहाद, खिलाफत व आईएसआईएस की आतंकी गतिविधियों का संचालन इसी ऐप के माध्यम से एक-दूसरे से करते थे. उनके निशाने पर कॉलेज छात्र थे, जिन्हें वे अपने समूह से जोड़ने के लिए प्रयासरत थे. वे छात्रों के बीच जिहाद के उद्देश्य से मुजाहिदीन से जुड़े दस्तावेज भी प्रसारित करते थे.

आओ जानें

किस जिले में कितने मामले अनुसंधान के लिए है लंबित

रांची	10143	चतरा	1513
खूंटी	367	गिरिडीह	2026
गुमला	610	धनबाद	4004
सिमडेगा	193	बोकारो	2290
लोहरदगा	525	दुमका	1085
चाईबासा	806	गोड्डा	709
सराइकेला	964	जामताड़ा	463
जमशेदपुर	1930	देवघर	2630
पलामू	1991	साहेबगंज	1572
लातेहार	927	पाकुड़	421
गढ़वा	1652	रेल धनबाद	340
हजारीबाग	3703	रेल जमशेदपुर	87
रामगढ़	524	कुल	41919
कोडरमा	444		

ब्रीफ खबरें

बाइक चोरी करते चोर सीसीटीवी में कैद हुए

धनबाद । धनबाद थाना क्षेत्र के हीरापुर इलाके से जेसी मल्लिक रोड निवासी वीरेंद्र यादव की बाइक चोरी हो गई. वीरेंद्र ने अपनी बाइक जिला परिषद और डॉ. संगीता करण अस्पताल के बीच में शाम करीब सात बजे लगाई थी. कुछ मिनटों बाद लौटने पर वीरेंद्र ने देखा कि बाइक नहीं है. वहीं आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखने पर एक युवक को बाइक चुराते देखा गया है. पुलिस को उक्त फुटेज दिया गया है.

धुरकी में तालाब में डूबने से युवक की मौत

धुरकी। धुरकी थाना क्षेत्र के बाजार टोला निवासी स्व. घुरबिगन राम के 35 वर्षीय पुत्र चंदन राम की मौत तालाब में डूबने से हो गई. जानकारी के अनुसार मृतक चंदन राम उर्फ पुलर की पिछले कई दिनों से मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी. धुरकी मुखिया महबूब अंसारी ने बताया कि शाम में चंदन घर से निकला था. सुबह घर नहीं आने पर परिजन खोजबीन करने लगे तो पता चला कि तालाब के ऊपर चप्पल व गमछी रखा हुआ है.उसी के निशानदेही पर तालाब में खोजा गया तो शव पानी के अंदर मिला.

पत्थर लदा ट्रक पलटा यातायात बाधित रहा

निरसा । निरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालगंज मोड़ के समीप एनएच मुख्य मार्ग पर शनिवार को एक विशेष प्रकार का पत्थर लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया. जिससे ट्रक पर लदे पत्थर पूरे सड़क पर बिखर गया और कुछ देर के लिए कोलकाता लेन पर आवाजाही पूरी तरह से ठप हो गयी. मौके पर पहुंची निरसा थाना गश्ती दल ने तत्काल इसकी सूचना एनएच पेट्रोलिंग दल को दी. इसके बाद मौके पर पहुंचे एनएच कर्मियों ने तत्काल रोड को साफ कराया और परिचालन शुरू करवाया.

लूट की घटना का उद्भेदन करने का किया आग्रह

धनबाद। बाजार समिति चैंबर ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को सिटी एसपी अजीत कुमार से मिला और पिछले दिनों बाजार समिति के व्यापारियों के साथ हुई लूट की घटना का विस्तार पूर्वक बताकर जल्द उद्भेदन की मांग की. विदित हो कि इसी महीने बाजार समिति के व्यापारी प्रकाश साव के कर्मचारी से लोयाबाद थाना क्षेत्र में लूट की घटना हुई थी उसके पश्चात व्यापारी शिवकुमार यादव से धनसार थाना क्षेत्र में लूट की घटना हुई.

वृद्ध की गला रेत कर हत्या, शव डैम में फेंका

चक्रधरपुर। पश्चिमी सिंहभूम जिला की सोनुआ थाना क्षेत्र के पनसुआं डैम से निकले नहर में शनिवार को एक वृद्ध व्यक्ति का शव मिला. शव का गला रेता हुआ है. शव को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि किसी ने वृद्ध व्यक्ति की गला रेतकर पहले हत्या की फिर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को एक बोरे में भरकर पनसुआं डैम में फेंक दिया. बताया जाता है कि शनिवार को जब कुछ ग्रामीण डैम से मछली पकड़ने के लिए पनसुआं डैम पहुंचे तो पाइप में शव को फंसा देखा.

10 हजार का धान और पुआल जलकर राख

(गिरिडीह) । तिसरी प्रखंड के बेलावाना पंचायत के गोलगो में एक किसान के खलिहान में रखा धान और पुआल शनिवार की सुबह जलकर राख हो गया. जानकारी के अनुसार गोलगो गांव के शमशीर आलम अपने खलिहान में पुआल और धान दोनों रखे हुए थे. तभी पास में ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे अचानक खलिहान में आग लग गया. इसके बाद देखते ही देखते आग धान में भी पकड़ लिया. जब तक गांव वाले ने मिलकर बुझाया, तब तक 10 हजार का धान और पुआल दोनों जल गया.

स्कूटी से गिरकर युवती घायल हुई

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर झरझरा मुख्य मार्ग के बांझीकुसुम केरा सड़क मार्ग के जारकी शिव मंदिर के समीप सड़क दुर्घटना में चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय की कंप्यूटर ऑपरेटर पल्लवी बोस स्कूटी से गिरकर घायल हो गई. बताया जाता है कि कंप्यूटर ऑपरेटर पल्लवी बोस शनिवार को चक्रधरपुर के होयहातु पंचायत में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार शिविर में अपनी एक महिला सहकर्मी इशा हेंब्रम के साथ होयहातु गांव जा रही थी.

शुक्रवार रात पूर्व पंचायत समिति सदस्य के पति को मार दी थी गोली

गुमला में गुस्साए ग्रामीणों ने एनएच-23 पर लगाया जाम

संवाददाता। गुमला

भरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत सुपा वन गांव में शुक्रवार रात पूर्व पंचायत समिति सदस्य के पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इसके विरोध में स्थानीय ग्रामीणों ने शनिवार सुबह एनएच-23 पर जाम लगा दिया. सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गईं. आक्रोशित ग्रामीण हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. बताया जाता है कि अपराधी बाइक पर सवार दो अपराधी विजय की दुकान पर आये और उससे पेट्रोल, चॉकलेट, गुटखा खरीदा. इसके बाद पेयकस मांगा. इसी दौरान अपराधियों ने पीछे से विजय उरांव की पीठ में गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई.

घटना की सूचना पर भरनो थाना प्रभारी कृष्णा कुमार तिवारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन की. बाद में एसडीपीओ मनीष चंद्र लाल भी मौके पर पहुंचे. इस संबंध में गुमला के एसपी एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि बाइक सवार दो अपराधी मुंह ढंककर पूर्व पंचायत समिति सदस्य के दुकान पहुंचे थे. दुकान पहुंचते ही पेट्रोल लिया. इसके बाद कुछ अन्य सामान भी खरीदे. अंत में बाइक खराब होने के नाम पर पेयकस मांगी. विजय उरांव ने बेटे से पेयकस लाने को कहा. इस बीच अपराधियों ने पीछे से गोली मार दी. अपराधियों के बारे में कुछ जानकारी मिली है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

हाथी के कुचलने से महिला की मौत, बच्ची घायल

गढ़वा (रंका)। गढ़वा के रंका अनुमंडल के सीमावर्ती गांव गोदरमाना चमारटोली में शुक्रवार की रात जंगली हाथी ने एक महिला को कुचलकर मार डाला. वहीं, उसकी तीन वर्षीय बच्ची घायल हो गयी. महिला की पहचान 22 वर्षीय ममता देवी के रूप में हुई है. आवाज सुनकर आस-पास के लोग वहां जुट गये. लोगों ने लुकारी जलाकर हाथी को भगाया. इसके बाद बच्ची को पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गये, जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद उसको परिजन को सौंप दिया. घटना के बाद जंगलों के आस-पास रहने वाले किसानों में भय का माहौल है.

हाथी को देख बच्चे को लेकर भाग रही थी महिला : जानकारी के अनुसार, हाथी ममता देवी के घर के पास लगे पौधे को खा रहा था. हाथी को देखकर वो अपने बच्चे को लेकर भागने लगी. तभी हाथी ने महिला को उठाकर पटक दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी. जबकि उसकी बच्ची झाड़ी में गिरने की वजह से घायल हो गयी. आसपास के लोगों ने बताया कि महिला अकेले अपनी 3 वर्षीय बेटी के साथ रहती थी. उसका पति पलामू जिले के रेहला गांव में मजदूरी करता है.

परिजनों ने चार लाख मुआवजे की मांग की

घटना की जानकारी मिलते ही वनकर्मी घटनास्थल पर पहुंच गये हैं. पीड़ित परिवार ने वन प्रमंडल पदाधिकारी शशि कुमार से चार लाख की मुआवजा राशि की मांग की है. पंचायत की मुखिया गीता देवी और मुखिया पति शंभू प्रसाद गुप्ता घटनास्थल पर पहुंचे हैं. इधर, घटना के बाद ग्रामीणों में भी काफी आक्रोश है. वे सड़क जाम करने की तैयारी में हैं. बता दें कि आये दिन वन प्रमंडल क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं. लेकिन वन विभाग जंगली हाथियों को भगाने के लिए कोई पहल नहीं कर रही है.

धनवार के मजदूर की कोलकाता में करंट से मौत, घर में मचा कोहराम

धनवार (गिरिडीह)। धनवार थाना क्षेत्र के बालकीडीह गांव के प्रवासी मजदूर की मौत बुधवार को कोलकाता में हो गया. बताया जाता है धनवार थाना क्षेत्र के गोरहन्द पंचायत के बालकीडीह निवासी महावीर यादव का 45 वर्षीय पुत्र नारायण यादव कोलकाता में भवन निर्माण में एक मजदूर के रूप में काम करता था. बुधवार को कार्य करने के दौरान बिजली के चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई. इस दुखद घटना की सूचना मिलने के बाद समाजसेवी मोहन यादव, माले नेता रामेश्वर चौधरी, मुखिया प्रतिनिधि भीखी पासवान एवं पूर्व मुखिया संजय साव के अथक प्रयास पर तीन दिन के बाद मृतक के शव को पैतृक गांव लाया गया. मृतक का शव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया. मृतक की पत्नी सावित्री देवी व 10 वर्षीय पुत्री शीतल कुमारी शव को देखते ही चीत्कार कर रोने लगी, बार-बार बेहोश हो रही थी.

हत्या के आरोपी फरार, पुलिस ने घर पर चिपकाया इश्तेहार

- 16 वर्षीय किशोर की अपहरण कर की थी हत्या

संवाददाता। रांची

16 वर्षीय लड़के का अपहरण कर हत्या करने के आरोपियों के घर पुलिस ने शनिवार को इश्तेहार चिपकाया है. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पंडरा ओपी की पुलिस टीम ने हत्या के आरोपी राहुल दयाल और बिन्नी दयाल के टेंडर ग्राम स्थित घर पहुंचे और इश्तेहार चिपकाया. गौरतलब है कि बीते एक मई 2018 को पंडरा ओपी क्षेत्र के हेसल जतरा टांड़ से रोशन नाम के लड़के का अपहरण किया गया था. इसके बाद झिरी टेंडर ग्राम ले जाकर उसकी गोली मार हत्या कर दी गयी थी. फिर आरोपियों ने उसके शव को चौपारण के जंगल में ले जाकर पेट्रोल डालकर जला दिया गया था. काफी जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने शव बरामद किया था. अनुसंधान के दौरान पाया गया था कि घटनास्थल पर कुछ ही लोगों को देखा गया था.

क्या है मामला

पंडरा ओपी क्षेत्र के रहने वाले फागू कुजूर का 16 वर्षीय पुत्र रोशन कुजूर 25 अप्रैल 2018 को रहस्यमय ढंग से गायब हो गया था. परिजनों ने पुलिस को गायब होने की सूचना दी थी. लेकिन पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई. इसके बाद एक मई 2018 को पता चला कि आरोपियों ने उसे गोली मारकर हत्या कर दी है.

व्हाट्सएप के माध्यम से लड़की को प्रेम जाल में फंसाया था

नाबालिग से किया यौन शोषण, जेल

संवाददाता। तरहसी (पलामू)

व्हाट्सएप के माध्यम से एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को प्रेम जाल में फंसा कर उसका छह माह से यौन शोषण करने का मामला सामने आया है. 22 वर्षीय युवक शादी का प्रलोभन देकर किशोरी का यौन शोषण कर रहा था. मामले में जिले के तरहसी थाना में मामला दर्ज कराए जाने के 24 घंटे के भीतर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. उसके खिलाफ तरहसी थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया. प्राथमिकी अभियुक्त की पहचान धीरज मेहता, उम्र 22 वर्ष, पिता सुदेश्वर मेहता, ग्राम बसु, थाना पड़वा, जिला, पलामू के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार 6 माह पहले डालटनगंज में इंटर की पढ़ाई करने के दौरान तरहसी थाना क्षेत्र के सोनपुर पंचायत क्षेत्र की 15 वर्षीय छात्रा को धीरज मेहता ने व्हाट्सएप के माध्यम से प्रेम जाल में फंसाया और फिर शादी का झांसा देकर 6 माह तक यौन शोषण किया.

पोक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

बेंगाबाद (गिरिडीह)। बेंगाबाद थाना क्षेत्र के जेरुआडीह से पोक्सो एक्ट के आरोपी किशोर मेहरा उर्फ किशोर कुमार दास को मुफस्सिल थाना पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. आरोपी के विरुद्ध मुफस्सिल थाना में 15 दिसंबर 2023 को केस दर्ज किया गया था. केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी किशोर कुमार दास को उसके घर जेरुआडीह से गिरफ्तार किया.

ठंड बढ़ते ही कोयलांचल में बढ़ीं चोरी की घटनाएं

झरिया में एक ही रात डॉक्टर सहित 4 के घरों में लाखों की चोरी

संवाददाता। झरिया

ठंड बढ़ते ही कोयलांचल में चोरों का आतंक बढ़ गया है. झरिया में शुक्रवार की देर रात चोरों ने कोयरीबांध में एक डॉक्टर समेत चार घरों में नकदी समेत लाखों रुपये के आभूषण व कीमती सामान पर हाथ साफ किया. सुबह सोकर उठने पर परिवार के लोगों को घटना की जानकारी हुई. झरिया थाना के एसआई कामता प्रसाद यादव ने दल-बल के साथ मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की. चोरों ने डॉ सुनील गुप्ता, संजीव साव, कृष्णा केसरी और धीरन प्रसाद केसरी के घरों में घटना को अंजाम दिया. डॉ. सुनील गुप्ता ने बताया कि चोर पीछे की तरफ से छत पर चढ़कर घर में घुसे. बेटा रात में पढ़ाई कर रहा था. इसी बीच उसे नींद लग गई और मेन दरवाजा खुला रह गया. चोर घर में रखे 15 हजार रुपए नकद, मोबाइल, स्मार्ट वॉच, कपड़े समेत करीब 30 हजार रुपए के समान ले गए हैं.

चोरों ने संजीव साव के घर से दो सोने के लॉकेट, दो मोबाइल व 8 हजार रुपए नकद समेत करीब 50 हजार के सामान चोरी कर ली. इसी तरह धीरन प्रसाद केसरी और कृष्णा केसरी के घर से चोरों ने कीमती सामान पर हाथ साफ किया और चलते बने. झरिया थाना के एसआई कामता प्रसाद यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है.

गुमला में वाहन के धक्के से ग्रामीण की हुई मौत

गुमला । गुमला-पालकोट रोड में कार्तिक उरांव कॉलेज गुमला के समीप शनिवार की सुबह अज्ञात वाहन के चपेट में आने से मार्निंग-वॉक पर निकले ग्रामीण बबलू नरेश टोप्पो उर्फ चारो की मौत हो गई. मृतक चारो पुगू पंचायत के ढावंटाटोली गांव का रहने वाला था. परिजनों के अनुसार प्रत्येक दिन सुबह में वह मार्निंग-वाक में निकलता था. मार्निंग-वाक में निकले अन्य लोगों ने ही ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी. मृतक की पहचान ढावंटाटोली निवासी चारो के रूप में पहचान की और उसके परिजनों को सूचना दी. घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई. घटना स्थल पर बोलेरो का कुछ पार्ट्स गिरा हुआ था जिससे संभावना व्यक्त किया जा रहा है कि मार्निंग-वाक कर रहे चारो को अज्ञात वाहन ने धक्का मारते हुए भाग गया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

जामताड़ा के सहरपुरा पंचायत के जोड़भीठा गांव की घटना

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता। जामताड़ा

जामताड़ा सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत सहरपुरा पंचायत के जोड़भीठा गांव के बोनपाड़ा जंगल में एक युवक का शव बरामद हुआ है. ग्रामीणों ने शनिवार की सुबह युवक का शव पेड़ पर लटकता पाया. जिसके बाद जामताड़ा थाना को घटना की जानकारी दी. सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर और शव को अपने कब्जे में लेकर जामताड़ा सदर अस्पताल भेज दिया. पुलिस शव की शिनाख्त करने में जुटी है.

शव की शिनाख्त में जुटी है पुलिस : जामताड़ा थाना में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर रौशन कुमार ने कहा कि अज्ञात युवक का शव पेड़ से झूलता बरामद हुआ है. युवक की हत्या की गयी है या फिर उसने आत्महत्या की है, पुलिस दोनों बिंदुओं की जांच कर रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पायेगा. बताया कि पुलिस शव की शिनाख्त में जुटी है.

गोविंदपुर में युवक का गला रेता, गंभीर

धनबाद। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के रामनगर में शनिवार को जमीन विवाद को लेकर चाकूबाजी की घटना में एक व्यक्ति बुरी तरह लहू-लुहान हो गया है, उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. बताया जाता है कि रामनगर निवासी नंदू कुमार का जमीन विवाद में कुछ अज्ञात लोगों ने गला रेत दिया. इसके बाद आनन-फानन में परिजन उन्हें इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच अस्पताल ले गए. जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने जालान अस्पताल रेफर कर दिया है. घटना की सूचना गोविंदपुर पुलिस को दे दी गई है.

पोड़ैयाहाट में पत्थर से कूच कर अधेड़ की हत्या

गोड्डा । गोड्डा जिले के पोड़ैयाहाट थाना के डहुपहार गांव के बाहरी हिस्से में शनिवार की सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का मिलने से ग्रामीणों में कोहराम मच गया. शव देखने से प्रतीत होता है कि व्यक्ति की हत्या पत्थर से कूच कर की गई है. चेहरा कुचलने से शव की पहचान नहीं हो पा रही थी. बाद में उसकी पहचान डुपद गांव निवासी गिरधारी यादव के रूप में हुई. जिला मुख्यालय से एसडीपीओ जेपीएन चौधरी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया. सदर अस्पताल में ही इस बात का खुलासा हुआ कि शव गिरधारी यादव का है. सूचना मिलते ही डुपद गांव से परिजन अस्पताल पहुंचे और शव की पहचान की. गिरधारी यादव अपने मां-बाप का इकलौता बेटा था. उसकी हत्या कर शव दूसरे गांव डहुपहार के बाहर खेत में फेंक दिया गया.

हादसा मैथन ओपी क्षेत्र के ईसीएल मुगमा एरिया के बरमुड़ी ओसीपी में हुआ हादसा

अवैध खनन के दौरान चट्टान गिरा, एक की हालत गंभीर

संवाददाता। मैथन

मैथन ओपी क्षेत्र के ईसीएल मुगमा एरिया के बरमुड़ी ओसीपी में शनिवार को सुबह करीब दस बजे अवैध खनन के दौरान बड़ा चट्टान गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. कोयला चोरों ने आनन फानन में उसे उठाकर स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है. मैथन पुलिस ऐसी किसी घटना से इनकार कर रही है.

घटना के संबंध में बताया जाता है कि रोजाना की तरह शनिवार को भी बरमुड़ी ओसीपी के बंद पड़े इनकलाइन में दर्जनों की संख्या में लोग कोयला काटने के लिए अवैध मुहाने में घुसे थे. कोयला काटने के दौरान एक बड़ा चट्टान युवक के हाथ के ऊपर आ गिरा, जिससे उसका हाथ शरीर से अलग हो गया. इसके बाद वहां अफरा तफरी का माहौल हो गया. आनन फानन में कोयला चोरों ने घायल युवक को वहां से लेकर फरार हो गए और चुपचाप तरीके से स्थानीय हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है. घायल युवक चिरकुंडा थाना क्षेत्र के नदी धौड़ा का बताया जा रहा है. बताया जाता है कि लंबे समय से यहां कोयला चोरी अवैध खनन किया जा रहा है. अवैध खनित कोयले को इकट्ठा कर ट्रैक्टर के माध्यम से स्थानीय भट्ठा में कोयला खपाया जाता है. फिर यहां से फर्जी कागजातों के माध्यम से अवैध कोयला को बंगाल, बिहार, यूपी आदि राज्यों में भेज दिया जाता है. यह सारा गोरखधंधा ईसीएल प्रबंधन एवं स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से कोयला चोरों द्वारा अंजाम दिया जाता है. इस घटना के बाद कोयला चोरों द्वारा अवैध मुहाने को ढक दिया गया है. जब इस पूरे मामले में मैथन ओपी प्रभारी विकाश कुमार यादव ने ऐसी किसी घटना से साफ इनकार करते हुए कहा कि उन्हें ऐसी घटना की कोई सूचना नहीं है.

खास बातें

- पुलिस ने घटना से किया इनकार, कहा-जानकारी नहीं
- आनन-फानन कोयला चोर घायल को लेकर भाग निकला

बीसीसीएल कर्मी के घर के पीछे धमाका, बम विस्फोट का शक

संवाददाता। सिंदरी

सिंदरी थाना क्षेत्र के डोमगढ़ स्थित एफसीआईएल आवास संख्या डीएल्यू 41 निवासी शंकर भुईया के घर के पीछे शुक्रवार की देर रात दरवाजे के नजदीक संभावित बम फटने की घटना प्रकाश में आई है. शंकर भुईयां गोपालीचक स्थित बीसीसीएल कोलियरी में कार्यरत है. सूचना के आधार पर सिंदरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी प्राप्त की. भुईया के पुत्र विजय कुमार भुईया ने बताया कि शुक्रवार की रात लगभग बारह बजे घर के पीछे जोरदार आवाज हुई. उसने बताया कि देर रात वह पढ़ाई कर रहा था और आवाज के बाद बाहर आकर देखा तो घर के पीछे दरवाजे के नजदीक दीवार के किनारे यह आवाज हुई थी. इसके कारण जमीन में गड्ढा हो गया था और ऊपर लगे एस्बेस्टस शीट टूट गए थे. गड्ढे के नजदीक रखे पानी के पाइप के चिथड़े उड़ गए थे. पड़ोसियों ने बताया कि आवाज इतनी जोरदार थी कि इसकी गूंज लगभग आधे किलोमीटर दूर तक सुनाई दी. स्थानीय लोगों ने मछली मारनेवाले डायनामाइट के फटने की आशंका भी जताई. सिंदरी थाना प्रभारी प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि घटना संज्ञान में है और जांच चल रही है. लिखित शिकायत आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धन भाव में चंद्रमा है. क्रोध से बचें. कारोबारी बड़ा लाभ होने के योग हैं. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. कोई धनहानि हो सकती है, सावधानी रखें. रोजगार प्राप्ति के प्रयास भरपूर करें. कार्य होगा और सफलता प्राप्त होगी.

वृषभ पैतृक संपत्ति में कोई विभाजन हो सकता है. समय अनुकूल है. लगन व उत्साह से कार्य कर पाएंगे. रचनात्मक कार्यों में रुचि रहेगी. धन प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. इत्र का प्रयोग करें.

मिथुन मंगल कुछ विवाद का कारण बन सकता है. स्वास्थ्य के संबंध में लापरवाही न करें. कोई बुरी खबर मिल सकती है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. दुष्टजनों से सावधान रहें. हानि पहुंचा सकते हैं. भावना में बहकर कोई निर्णय न लें.

कर्क समय बहुत ही अच्छा है. चंद्र उच्च के हैं. मान-सम्मान मिलेगा. खोई हुई वस्तु प्राप्त हो सकती है. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे. निवेश शुभ रहेगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

सिंह पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. नौकरी में मातहतों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा. किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी. सूर्य को अर्घ्य दें.

कन्या भाग्य का साथ मिलेगा. रोजगार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. विवाद में विजय प्राप्त होगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. अप्रत्याशित लाभ की संभावना है. व्यापार अच्छा चलेगा.

तुला किसी से कोई विवाद हो सकता है. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी होने की आशंका है. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है. इंद्र गायत्री का जाप करें.

वृश्चिक व्यापार में लाभ होगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. संतान पक्ष से अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता का वातावरण बन सकता है. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. हनुमानजी का ध्यान पूजन करें.

धनु खून संबंधित कोई रोग हो सकता है. सावधानी आवश्यक है. आर्थिक उन्नति के लिए योजना बनेगी. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. रुके कार्य पूर्ण होंगे. मित्रों तथा रिश्तेदारों में सुधार होगा. मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगे.

मकर शिक्षा में कोई नया बदलाव हो सकता है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. धर्म-कर्म में रुचि रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. कोर्ट-कचहरी व सरकारी कार्यालयों में लंबित कार्य अनुकूल होंगे. व्यस्तता रहेगी. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

कुंभ किसी से विवाद से मानहानि हो सकती है. लापरवाही न करें, विशेषकर गृहिणियां सावधान रहें. वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. आय में निश्चितता रहेगी. शनि को खुश करें.

मीन पराक्रम से राजयोग बनेगा, पर कुछ राजभय रहेगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. कोर्ट-कचहरी के कार्य गति पकड़ेंगे. धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. शनि को खुश करें.

लोक अदालत में 16 मामलों का निष्पादन

पाकुड़ । जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से न्याय सदन पाकुड़ में शनिवार को इस साल की अंतिम मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया. लोक अदालत में कुल पांच बेंच का गठन कर वादों की सुनवाई की गई. अपर जिला सत्र न्यायाधीश प्रथम राकेश कुमार व जिला न्यायाधीश विशाल मांझी की उपस्थिति में सुलह के आधार पर 16 वादों का निष्पादन किया गया. साथ ही 17 लाख दो हजार रुपए की वसूली भी की गई.

शेक्सपियर के नाटक का हुआ मंचन

धनबाद। एसएसएलएनटी महिला कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के छात्रों ने 23 दिसंबर को वार्षिक आयोजन के रूप में विलियम शेक्सपियर द्वारा लिखित नाटक द मर्चेंट ऑफ वेनिस का मंचन किया. सेमेस्टर फाइव की छात्राएं साक्षी, किरण, मीनल, अनु प्रिया, श्रेया, पूजा सिंह, शिल्पी सरकार, महक परवीन और सेमेस्टर थ्री की छात्राएं दीपिका ओजस्वी, रोमा कर्मकार, पूजा कुमारी, आलिया हसन, सावित्री कुमारी, स्नेहा सिंह ने नाटक में भाग लिया. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ शर्मिला रानी, प्रो प्रभारी डॉ सुमिता तिवारी, विभागाध्यक्ष वाणिज्य बिमल मिंज, विभागाध्यक्ष अंग्रेजी डॉ. कविता धीरहे, डॉ. प्रिया मधुलिका एक्का, डॉ प्रिया आराध्या एक्का, निरजा एंजेला ज़ाक्सा, बिनीता सोरेंग, डॉ. मीता मालखंडी, डॉ. धीरज कुमार मिश्रा आदि उपस्थित थे.

तारगा में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

महुदा। सरकार आपके द्वारा अभियान के तहत शनिवार को बाघमारा प्रखंड अंतर्गत तारगा पंचायत सचिवालय में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए. कार्यक्रम का उद्घाटन अंचल अधिकारी रवि भूषण प्रसाद, मुखिया पिंकी देवी, पंसस रूपदेव रवानी, उप मुखिया लखीराम महली, मुखिया प्रतिनिधि कैलाश रवानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. तत्पश्चात सभी विभागों में आवेदन पत्र जमा करना शुरू किया. इस दौरान लोगों ने भारी मात्रा में अबुआ आवास रोजगार गारंटी कानून के तहत जॉब कार्ड, राशन कार्ड, छात्रों के लिए भी गुरुजी क्रेडिट कार्ड का फार्म जमा किये. शिविर में शमीम शेख, एलएस मंजु कुमारी, कृष्णा कुमारी, बीईईओ अशोक कुमार पाल, वार्ड सदस्य यमुना देवी,आदि मौजूद थे.

चिंताजनक : सरकारी अस्पतालों व स्वास्थ्य केंद्रों के लिए नई गाइडलाइन जारी, पिकनिक स्पॉट से लेकर रिसॉर्ट, मॉल और होटलों में भीड़ का बढ़ना तय

क्रिसमस और नववर्ष उत्सव की धूम में कहीं कोरोना न बना ले पैठ

संवाददाता । धनबाद

कोरोना के केस देश में हर दिन बढ रहे हैं. इस बीच लगातार केंद्र सरकार अलर्ट रहने की बात कह रही है. वहीं क्रिसमस और नववर्ष उत्सव में धूम मचाने की भी तैयारी है. पिकनिक स्पॉट से लेकर रिसॉर्ट, मॉल और होटलों में भीड़ बढना तय है. इसे लेकर सरकार भी चिंतित है. इसे लेकर सभी जिले के आला अधिकारियों और सिविल सर्जन को विशेष निर्देश दिए गए हैं. उधर, आईडीएसपी सेल भी लगातार नजर बनाए हुए है. सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रताप ने जिले के सभी निजी व सरकारी अस्पतालों के अलावा स्वास्थ्य केंद्रों के लिए नयी गाइडलाइन जारी की है. बताते चलें कि केरल में कोरोना के नये वेरिएंट जेएन वन के मरीज पाये जाने के बाद देशभर के सभी जिलों को अलर्ट जारी किया गया है.

धनबाद जिले में कोरोना जांच की व्यवस्था नहीं

कोरोना का नया वेरिएंट अपना पांव पसार चुका है लेकिन जिले में अब तक जांच की व्यवस्था शुरू नहीं की गई है . एक तरफ विभाग के पास रैपिड कीट नहीं है तो वहीं आरटीपीसीआर जांच के लिए उपयोग में आने वाले कीट भी नहीं हैं . ऐसे में जांच की व्यवस्था ठप है . क्रीसमस और न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए बाहर से लोग झारखंड आते हैं . इसके लिए ट्रेन, बस और फ्लाइट माध्यम है . लेकिन ट्रेन और बस से आने वाले लोगों की जांच शुरू नहीं किया गया है . ऐसे में अगर एक भी कोविड संक्रमित मरीज का जिले में प्रवेश होता है तो संक्रमण का खतरा बढ जाएगा . विभाग का कहना है कि जांच के लिए मुख्यालय से कीट की मांग की गई है .

आईडीएसपी को गंभीर मरीजों की रिपोर्ट देना अनिवार्य

सिविल सर्जन डॉ सीबी प्रतापन ने बताया कि कोरोना को लेकर सभी निजी और सरकारी अस्पतालों को विशेष निगाह बनाकर रखने का निर्देश दिया गया है . खासकर वैसे मरीज जिन्हें श्वसन संबंधी परेशानी हो, इंफ्लूएंजा लाइक इलनेस और ऑक्सीजन की कमी हो, वैसे मरीजों की रिपोर्ट आइडीएसपी को उपलब्ध कराना है . साथ ही ऐसे मरीजों का आरटीपीसीआर जांच कराने का निर्देश दिया गया है . पॉजिटिव मरीजों को आइसोलेट करने का निर्देश मुख्यालय से मिला है . आईडीएसपी सेल के नोडल पदाधिकारी डॉ राजकुमार सिंह ने बताया िकि आइएलआइ और एसएआरआइ की चपेट में बच्चे और बुजुर्ग जल्द आते है . हालांकि, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने से युवा भी चपेट में आ सकते हैं . फ्लू से निमोनिया के साथ सांस लेने में दिक्कत होती है . अपने और अपने परिवार की बचाव करना जरुरी है .

सियासत : सभी तैयारियां पूरी, जुटेंगे देश भर के जनजाति समाज के लोग

जनजाति सुरक्षा मंच की उलगुलान आदिवासी डिलिस्टिंग महारैली आज

संवाददाता। रांची

जनजाति सुरक्षा मंच के बैनर तले उलगुलान आदिवासी डिलिस्टिंग महारैली में देश भर के जनजाति समाज के लोग जुटेंगे. 24 दिसंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में होने वाली इस महारैली की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है. जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेशराम भगत (पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़) ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि इस महारैली में हजारों की संख्या में जनजाति समाज के लोग राज्य के विभिन्न जिलों से शिरकत करेंगे. अपनी मांगों को सरकार के समक्ष रखने का आह्वान करेंगे.

गणेशराम भगत ने बताया कि धर्मान्तरित व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति के आरक्षण का लाभ नहीं मिले यही मंच का प्रमुख मुद्दा रहेगा. इस मुद्दे को स्वर्गीय कार्तिक उरांव की संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष रखा था. ताकि जिसने जनजाति परंपरा तथा विश्वासों का परित्याग कर दिया है और ईसाई या इस्लाम धर्म अपना लिया है. उसे अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जायेगा और उसे अनुसूचित जनजाति का आरक्षण नहीं मिलेगा. देश के 700 से अधिक जनजातियों के विकास एवं उन्नति के लिये संविधान निर्माताओं ने आरक्षण एवं अन्य सुविधाओं का प्रावधान किया था, लेकिन इन सुविधाओं का लाभ अधिकतर वे लोग उठा रहे हैं, जो अपनी रूढ़ि प्रथा छोड़कर ईसाई या मुस्लिम बन गए हैं. इन सुविधाओं का 80 फीसदी लाभ मूल जनजाति समुदाय से छीन रहे हैं.

मीडिया को जानकारी देते जनजाति सुरक्षा मंच के संयोजक गणेश राम भगत

आरक्षित सीट पर धर्मान्तरित व्यक्ति को नहीं दें टिकट

गणेशराम भगत ने कहा कि राजनीतिक दल भी अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित सीट पर धर्मान्तरित व्यक्ति को टिकट नहीं दें . जनजाति वर्ग के लिये आरक्षित सरकारी नौकरियों को हथियाने वाले ऐसे गलत एवं षड्यंत्रकारी धर्मान्तरित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए आगे आएं . केंद्र एवं राज्य सरकारों में ऊंचे पदों पर बैठे अफसरों से भी यह अपेक्षा है कि वे समाज के अंतिम छोर पर खड़े इस जनजातीय समुदाय की आवाज बनें . और धर्मान्तरित व्यक्तियों को अनुचित लाभ देने से खुद को रोकें . भारत के प्रत्येक संसद एवं विधानसभा सदस्य से अपेक्षा की जाती है कि वे जनजातियों को उनका हक दिलाने में अपनी ओर से व्यक्तिगत रुचि लेकर पहल करें और धर्मान्तरित व्यक्तियों को बेनकाब करें . प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक राजकिशोर हांसदा, प्रकाश सिंह उईके (पूर्व न्यायाधीश, मध्य प्रदेश), क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव, प्रांत संयोजक हिन्दुवा उरांव, केन्द्रीय टोली सदस्य मेघा उरांव मौजूद थे .

सांप्रदायिक एजेंडा है डिलिस्टिंग की मांग

रांची। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने कहा है कि डिलिस्टिंग किये जाने की मांग आरएसएस-भाजपा का सांप्रदायिक एजेंडा है. माकपा का यह मानना है कि आदिवासी देश व दुनिया के विभिन्न देशों में एथनिक रूप से आदिवासी हैं, जिनका धर्म चाहे कुछ भी हो उनकी जाति नहीं बदलती है. हमारा संविधान धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए आदिवासी भी कोई धर्म अपना सकते हैं. राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा है माकपा ईसाई या इस्लाम धर्म अपनाए आदिवासियों को जनजाति की सूची से बाहर करने की मांग का कड़ा विरोध करती है. जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा आयोजित रैली आदिवासियों को धर्म के आधार पर विभाजित करने की सोची-समझी साजिश है. माकपा राज्य की लोकतंत्र पसंद जनता और आदिवासियों से अपील करती है कि वे एकजुट होकर भाजपा-आरएसएस की नफरत व सांप्रदायिक आधार पर बांटने की राजनीति का विरोध करें और उसे परास्त करें.

डिलिस्टिंग से क्या होगा

- झारखंड में 26 .21 प्रतिशत में से 14 प्रतिशत से अधिक ईसाई आदिवासी हैं . इससे 14 प्रतिशत ईसाई आदिवासियों की जमीन सामान्य हो जाएगी . यानि जमीन का हस्तांतरण या लूट होगी .
- **14 प्रतिशत ईसाई आदिवासियों को सामान्य मानने से कई पंचायत, प्रखंड जिला के पंचायत, नगर निकाय और एमएलए व एमपी की एसटी सीटें घटेंगी, जिसकी परिणति आदिवासी जनता के खिलाफ नीति-कानून बनने के रूप में होगी .**
- 14 प्रतिशत ईसाई आदिवासियों को सामान्य मानने से राज्य में पांचवीं अनुसूची के संवैधानिक व्यवस्था पर खतरा उत्पन्न हो जाएगा .

डिलिस्टिंग महारैली पर कड़ी निगरानी की मांग

रांची। राज्य के विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता और संगठन के प्रतिनिधि ने शनिवार को पुलिस प्रशासन से डीलिस्टिंग महारैली पर कड़ी नजर रखने की मांग की है, क्योंकि ईसाई और इस्लाम धर्म को अपनाने वाले आदिवासियों को जनजाति की श्रेणी से हटाने की मांग 24 दिसम्बर को मोरहाबादी मैदान से किया जाएगा . लिखित आवेदन में कहा गया है कि जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा आदिवासियों को सरना ईसाई के नाम पर लड़ाना, आदिवासियों की जमीन को लूटना, आदिवासियों के स्वतंत्र अस्तित्व को खत्म करना और देश को हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर रैली बुलायी गयी है .आदिवासियों के धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिश है .

प्रभु यीशु प्रेम एवं शांति के प्रतीक : डॉ. रामेश्वर उरांव

क्रिसमस के मौके पर लोगों को बधाई देते वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव

संवाददाता। लोहरदगा

झारखंड सरकार के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने शनिवार को विभिन्न विद्यालयों एवं गिरजाघरों में जा कर क्रिसमस की बधाई दी. इस क्रम में वे उर्सुलाइन बीएड कॉलेज , उर्सुलाईन गर्ल्स हाई स्कूल, संत उर्सुला हॉस्पिटल, जीईएल एवं एनडब्लू जीईएल चर्च, लीवेंस एकेडमी, आगमन, सीएनआई चर्च लोहरदगा,आरसी चर्च पेरिस पहुंच कर मसीही समुदाय से मिले. उनका कुशलक्षेम जाना और क्रिसमस पर्व की शुभकामनाएं दीं. डॉ. उरांव ने कहा कि प्रभु यीशु प्रेम और शांति के प्रतीक हैं. पूरे विश्व में अहिंसा, सत्य और सेवा का संदेश फैलाया. उसी तर्ज पर आज मिशनरी भाई बहन मानव धर्म की सेवा शिक्षा ,स्वास्थ्य, भाषाओं का संरक्षण एवं कल्याणकारी कार्य हर एक क्षेत्र में कर रहे हैं. हमें अपने जीवन में मसीह यीशु को आदर्श बनाकर चलने की जरूरत है. उन्होंने सभी राज्य वासियों को क्रिसमस एवं नववर्ष की शुभकामनाएं दीं. इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, विशाल डुंगडुंग, अनुराग टोप्पो, सिस्टर शीला, सिस्टर बसंती, सिस्टर आश्रिता, डॉ आइलिन, नेम्हस तिर्की, विश्राम केरकेट्टा, जॉर्ज कुजूर, नेलशन तिर्की, ऊषा मिंज, शांति तोपनो, अमर मिंज, होसियाना तिर्की, असलम अंसारी, सुशीला मिंज, रश्मि तिर्की, लोतेम डुंगडुंग, शबनम तिर्की, पादरी संजय लकड़ा, संदीप किस्पोटा, सत्यवती कुजूर, फादर वीरेंद्र खलखो, संजय लकड़ा, राजू कुजूर, संगीता कुजूर, जेवियर लकड़ा, फादर थॉमस, फादर अजय सोरेन आदि उपस्थित थे.

सर्वधर्म सामूहिक विवाह 17 जनवरी को, तैयारियों पर चर्चा

संवाददाता। धनबाद

सर्व धर्म सामुहिक विवाह समिति के द्वारा शनिवार को महिला विंग की बैठक हिरापुर स्थित वेडिंग विल्स मैरेज गार्डन में हुई.जिसमे 17 जनवरी 2024 को होने वाले सामुहिक विवाह की तैयारी पर चर्चा की गई .बैठक में महिला विंग की सदस्यों ने बताया कि समिति के तरफ से लगातार 10 वे वर्ष सफल सामूहिक विवाह समारोह किया जा रहा है, जिसमें महिला विंग समितियों का भी अहम योगदान होगा. 12 जनवरी को सभी जोड़ों को एक जैसे शादी के जोड़े धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में दिये जाएगे. बैठक में जया सिंह, पिंकी गुप्ता, रमा सिन्हा, पिंकी सिंह, डाक्टर सुनीता सिंह, अर्पिता, मीनु अग्रवाल, रिमा, बिन्दी पाठक, मधु सिन्हा, वर्षा, पुष्पा, कंचन, रूबी, अन्नु, संगीता जयसवाल, अर्चना, बबिता सिंह, काजल, मनिषा, दीपाली आदि ने भाग लिया.

कर्मचारी कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संवाददाता । जमशेदपुर

स्थानीय आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में कर्मचारियों के लिए चल रहे कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हुआ. कार्यक्रम के पांचवें व अंतिम माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के अन्तर्गत सिखाये गये सभी सॉफ्टवेयर टूल्स के लिए सभी कर्मचारियों का एक टेस्ट लिया गया. आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के आईक्यूएसी सेल की ओर से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार तिवारी ने प्रमाणपत्र वितरण किए. कार्यक्रम में प्राचार्य के अलावा आईक्यूएसी के सदस्य प्रो शैलेंद्र कुमार प्रसाद, प्रो कृष्ण मुरारी, प्रो शरद चंद्र महतो, डॉ शमशीर आलम, प्रो हेमंत कुमार महतो एवं डॉ सुरजीत कुमार आदि उपस्थित थे.

आकर्षण का केंद्र बना अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन गो ग्राम कुंभ

संवाददाता। धनबाद

एकल अभियान धनबाद द्वारा शनिवार को तीन दिवसीय गो ग्राम कुम्भ का आयोजन धनबाद के न्यू टाउन हॉल में किया गया, जिसमें देश-विदेश से लगभग 1000 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम की शुरुआत गो-ग्राम योजना की केंद्रीय उपाध्यक्ष मीना अग्रवाल द्वारा अखंड ज्योत प्रज्वलित कर किया गया. इसके बाद देशभर से आए सैकड़ों प्रतिनिधियों, गो-पालकों, गो-सेवकों, एकल सेवाव्रती कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में भारत माता की आरती की गई .उद्घाटन सत्र के उपरांत देश विदेश से जुटे एकल

अभियान के प्रतिनिधि व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख आलोक ने धनबाद के 100 सुदूर गांवों की गोग्राम वनयात्रा के माध्यम से भ्रमण किया. इसके बाद ग्रामोत्थान की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया, जिसमें गांव के युवाओं और महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के दिशा में प्रदर्शन देखने को मिला. इसके पश्चात उत्तरखण्ड के बच्चों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया.

10,000 किसानों का जुटान आज : गोल्फ ग्राउंड में 24 दिसंबर को करीब 10,000 किसानों का जुटान होगा, जहां एकल अभियान एवं संघ के वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा. इसके पश्चात रात्रि में अंतरराष्ट्रीय स्तर के सुर ताल के कलाकारों द्वारा न्यू टॉउन हॉल में कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा, और 25 दिसंबर को तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा. एकल अभियान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केदार मित्तल ने कहा कि एकल अभियान का यह अधिवेशन उन किसानों को समर्पित है जो हमारे अन्नदाता हैं, जो वास्तव में गोवंशों की रक्षा कर रहे हैं.

निरीक्षण केंद्रीय संयुक्त सचिव ने की आकांक्षी जिला के अंतर्गत इंडीकेटर्स की समीक्षा

रजिस्टर्ड महिलाओं का संस्थागत प्रसव सुनिश्चित हो : सोन

संवाददाता। लोहरदगा

भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के संयुक्त सचिव कमल किशोर सोन ने शनिवार को यहां जिला परिषद कार्यालय के सभाकक्ष में आकांक्षी जिला अंतर्गत इंडीकेटर्स की समीक्षा की. बैठक में सर्वप्रथम पिछली बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की गई. सर्वप्रथम शिक्षा विभाग अंतर्गत विद्यालय भवन निर्माण व उसकी उपयोगिता सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया गया. विद्यालय भवनों के बिजली बिल का भुगतान सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया गया, ताकि बिजली की आपूर्ति बाधित नहीं हो. विद्यालयों में शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु निर्देश दिया

लोहरदगा जिला परिषद के प्रांगण में लगे स्टॉल का निरीक्षण करते केके सोन.

गया. जिला के विभिन्न प्रखण्डों में निर्माणाधीन पांच एकलव्य आवासीय विद्यालयों में से मार्च 2024 तक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने पर उक्त विद्यालयों में पठन-पाठन कार्य प्रारंभ कराने हेतु कार्ययोजना बनाकर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे जाने का निर्देश दिया गया. साथ ही, आकांक्षा परीक्षा में आवासीय विद्यालयों की छात्र छात्राओं को अवसर प्रदान करने हेतु वैसे बच्चों को चिह्नित कर लोहरदगा जिला में ही तैयारी कराये जाने का निर्देश दिया गया. इसके लिए आकांक्षा परीक्षा के लिए पढ़ाने वाले शिक्षकों से संपर्क कर शिक्षकों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया. परीक्षा से पहले ओरिएंटेशन कराये जाने का निर्देश दिया गया. सिविल सर्जन लोहरदगा द्वारा जिला में आयुष्मान कार्ड से आच्छादन की समीक्षा की गई. जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों और राशन कार्डधारियों को सौ फीसदी आयुष्मान कार्ड से आच्छादित किये जाने का निर्देश दिया गया. तीन माह में छूटे हुए लाभुकों को सौ फीसदी आच्छादन का निर्देश दिया गया. श्रम अधीक्षक के द्वारा जिला में निबंधित मजदूरों की जानकारी दी गई. इसमें सभी मजदूरों का आयुष्मान कार्ड में आच्छादन का निर्देश दिया गया.

स्टॉल का भी निरीक्षण

बैठक के पश्चात् जिला परिषद कार्यालय प्रांगण, लोहरदगा में विभिन्न उत्पादक समूह द्वारा लगाये गये स्टॉल का निरीक्षण संयुक्त सचिव द्वारा किया गयाऔर बातचीत की गई . संयुक्त सचिव द्वारा जिला प्रशासन की ओर से मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराने के लिए स्थापित संस्थान होमी जे . भाभा कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया गया . संयुक्त सचिव ने वहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से बातचीत की गई और टिप्स दिये . बैठक में उप विकास आयुक्त जय ज्योति सामंता, अपर समाहर्ता सौरभ प्रसाद, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे .

शहीद पांडेय गणपत राय की 215 वीं जयंती समारोह 17 जनवरी को

लोहरदगा । 1857 के क्रांतिवीर शहीद पाण्डेय गणपत राय की 215वीं जयन्ती समारोह सह विकास मेला का आयोजन आगामी 17 जनवरी को पूर्वाह्न 11:00 बजे से भंडरा के ग्राम-भौरो में आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी जिलावासी सादर आमंत्रित हैं. उक्त जानकारी शनिवार को शहीद पाण्डेय गणपत राय की प्रपौत्री सह शहीद पाण्डेय गणपत राय स्मारक समिति की अध्यक्ष डॉ वंदना राय ने दी. उन्होंने कहा कि शहीद पाण्डेय गणपत राय के जन्मदिवस एवं शहादत दिवस को झारखण्ड सरकार राजकीय समारोह के रूप में मना रही है. उन्होंने निवेदन किया है कि उक्त जयंती समारोह सह विकास मेला में पधार कर श्रद्धासुमन अर्पित करें. मौके पर राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक गणेश लाल, दिलीप पटनायक आदि मौजूद थे.

बागबेड़ा राजेंद्र मध्य विद्यालय को किया जाएगा अपग्रेड : विधायक

संवाददाता । जमशेदपुर

बागबेड़ा कॉलोनी स्थित राजेंद्र मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय में अपग्रेड करने की मांग को लेकर पोटका के विधायक संजीव सरदार ने विधानसभा के पटल में आवाज उठाई थी. इस पहल के लिए शनिवार को स्थानीय लोगों ने विधायक को अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया. विधानसभा सत्र समाप्त होने के पश्चात अपने आवास पर आते ही विधायक ने बताया कि बहुत जल्द राजेंद्र उच्च विद्यालय को अपग्रेड करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी. उपायुक्त एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी से जल्द ही सारी प्रक्रिया पूरी कर उच्च विद्यालय के कार्य को प्रारंभ करने का आश्वासन प्रतिनिधिमंडल को दिया. पंचायत

समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने कहा कि विधायक संजीव सरदार इसी तरह क्षेत्र के जनहित से संबंधित समस्याओं को उठाकर समाधान करने की पहल करते रहेंगे. इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों ने उन्हें धन्यवाद भी दिया. इस मौके पर झामुमो जमशेदपुर प्रखंड अध्यक्ष बहादुर किस्कू, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि राकेश सिंह, समाजसेवी रंजन सिंह, राहुल प्रजापति, राजू सहित कई लोगों उपस्थित थे.

जो सदियों से यहां हैं, उनके बच्चों के बारे में भी सोचे सरकार

विधानसभा में पारित 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति बिल पर मिली-जुली प्रतिक्रिया

ज्यादातर लोगों ने समर्थन किया, हेमंत सरकार को बधाई और शुभकामनाएं दी, कहा- अब मिली है असली पहचान

1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति विधेयक के विधानसभा में पारित होने की मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है. हालांकि ज्यादातर लोगों ने इस विधेयक को झारखंड के लिए लाभकारी बताते हुए समर्थन किया है और राज्य सरकार के प्रति आभार जताया है. उनका कहना है कि झारखंडियों के हितों की रक्षा के लिए यह नीति बहुत जरुरी थी. इसे जल्द लागू किया जाना चाहिए. लेकिन बहुत से लोगों ने इस विधेयक को एक तरफा बताया हुए मौलिक अधिकारों का हनन बताया है. कहा गया है कि यह विधेयक संपूर्ण झारखंडवासियों हितों की रक्षा करने में सक्षम नहीं है. उनका तर्क है कि वैसे बहुत से लोग यहां पिछले सौ सालों से अधिक समय से नौकरी के सिलसिले में यहां निवास करते रहे हैं. पर उनके पास 1932 का खतियान नहीं है. इस विधेयक में उनके बच्चों के भविष्य को लेकर कोई बात नहीं की गई है. सरकार को चाहिए कि वैसे लोग जो लंबे समय से इस क्षेत्र में अपनी सेवा देते आए हैं, उनके बच्चों के बारे में भी सरकार को सोचना चाहिए. लोगों की प्रतिक्रिया में यह बात भी सामने आई है कि झारखंड गठन के करीब 23 साल होने को है. पर किसी भी सरकार ने स्थानीय या नियोजन नीति के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई. यही वजह से कि ये नीतियां आज तक धरातल पर नहीं आ पाई. वे मानते हैं कि यह नीति राजनीति के पचड़े में फंस गई है और राज्य सरकार आगामी चुनाव को देखते हुए स्थानीय नीति की मार्फत माइलेज लेना चाहती है. शुभम संदेश की टीम ने इस संदर्भ में विभिन्न जिलों में लोगों की राय जानी है. पेश है रिपोर्ट...

लोगों ने सवाल भी उठाए

- यह बिल पूरे झारखंड वासियों के हित की रक्षा करने में सक्षम नहीं
- इस बिल से मौलिक अधिकारों का हो रहा हनन, पुनर्विचार करे सरकार
- पारित बिल राजनीति से प्रेरित, आगामी चुनाव के मद्देनजर यह बिल लाया गया
- 1964 के सर्वे को भी आधार क्यों नहीं बनाती है सरकार

आदित्यपुर

सीएम को पुनर्विचार करना चाहिए : बैजू

बैजू यादव (छात्र) का कहना है कि झारखंड विधानसभा ने फिर से 1932 आधारित स्थानीय नीति विधेयक को पास कर दिया है. यह राज्य के लाखों युवाओं के लिए घातक है जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर नौकरी के सपने संजोए हैं. उनके लिए सरकार ने नियोजन के द्वार बंद कर दिए हैं. इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पुनर्विचार करना चाहिए. इस समय राज्य में बेरोजगारी चरम पर है. इस नीति के कारण कुछ को नौकरी मिलेगी,पर कुछ को नहीं .ऐसे में सभी युवाओं को उनका हक नहीं मिल पाएगा.

पारित नीति का चौतरफा विरोध हो : राजू कुमार

राजू कुमार (छात्र) कहते हैं कि राज्य सरकार वोट की राजनीति करते हुए राज्य में एक बार पुन: 1932 आधारित खतियान या उससे पहले के सर्वेक्षण में दर्ज खतियान धारकों को स्थानीय निवासी मानते हुए उनके लिए नियोजन की व्यवस्था का विधेयक पारित किया है. यह राज्य के लाखों लोगों के नाइंसाफी है. सरकार ने इस विधेयक में थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी में 1932 के खतियानधारियों के लिए आरक्षित कर दिया है. इससे कुल आबादी का 60 फीसदी आबादी इससे वंचित हो जाएंगे. इसका चौतरफा विरोध होना चाहिए.

अधिकांश आबादी वंचित रह जाएगी : ललित यादव

ललित यादव (छात्र) का कहना है कि1932 आधारित खतियान का विरोध शुरू से किया जा रहा है फिर क्या सोचकर सरकार ने इस विधेयक को पारित किया है यह समझ से परे है. इस विधेयक से राज्य की अधिकांश आबादी स्थानीय नौकरियों से वंचित रह जाएंगी. विधेयक में यह व्यवस्था की गई है कि भूमिहीन व्यक्तियों के मामले में स्थानीय व्यक्ति की पहचान ग्राम सभा करेगी. इसमें भी घालमेल होगा. ग्रामसभा की मनमर्जी चलेगी. यह उचित नहीं है.

1932 से परिभाषित किया जाना बिल्कुल गलत है : श्वेतांक सिंह

श्वेतांक सिंह राठौड़ (छात्र) का कहना है कि राज्य की स्थानीय नीति को 1932 आधारित खतियान से परिभाषित किया जाना बिल्कुल गलत है. इस विधेयक के तहत परिभाषित व्यक्ति राज्य में सामाजिक सुरक्षा, सामाजीक बीमा और रोजगार के प्रमुख हकदार होंगे. विधेयक के तहत परिभाषित व्यक्ति राज्य के स्थानीय वाणिज्यिक और सांस्कृतिक उपक्रमों जैसे झीलों, नदियों, मत्स्य पालन के भी हकदार होंगे. इस फैसले से ज्यादातर आबादी को उनके हक और हुकूक़ से वंचित कर दिया गया है. मेरी राय में सरकार को बड़ी आबादी के बारे भी सोचना चाहिए.

मनोहरपुर

आदिवासियों के लिए कुछ नहीं : आशा देवी

आशा देवी कहती है कि 1932 के खतियान नीति द्वारा झारखंड की वर्तमान सरकार आने वाले चुनाव में बस अपनी पकड़ बनाना चाहती है. यह समझ नहीं आता कि इतने दिनों से हेमंत सरकार ने आदिवासियों व मूलवासियों के लिए कुछ नहीं किया और आज अचानक उनकी हितेषी कैसे हो गई. अमित शाह ने ठीक ही कहा था "इस नीति द्वारा राज्य सरकार झारखंड को दो भागों में बांट रही है" मेरा भी मानना कुछ यही है. अगर यह नीति लागू करनी थी तो इसमें एक पेंच था कि 1932 के खतियान लिस्ट से बाहर रहने वाले लोगों के लिए यह समाधान होना चाहिए कि उनका जन्म झारखंड में होना चाहिए या 2000 से जब झारखंड एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था तब से जो यहां नौकरी कर रहे हैं. उन्हें भी स्थानीय मान जाना चाहिए. क्योंकि लिस्ट से जो बाहर हैं उनकी स्थानीयता खतरे में है.

दिग्भ्रमित कर रही है सरकार : सुमित डागा

प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे उन छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है.सुमित डागा का कहना है कि स्थानीय का मतलब यह नहीं कि जिसके पास 1932 का खतियान है, जो यहां रह रहे हैं वह भी स्थानीय हैं. यह फैसला एक तरह से मौलिक अधिकारों का हनन ही नहीं बल्कि स्थानीय नीति के नाम पर लोगों को दिग्भ्रमित किया जा रहा है .वर्ष 2000 को झारखंड के साथ ही छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी एक साथ अलग हुए हैं. जबकि छत्तीसगढ़ एवं उतराखंड दोनों ही राज्यों में स्थानीय नीति वर्ष 2000 को ही परिभाषित कर लागू किया जा चुका है .वहीं 1932 का खतियान लागू होने से एक बार फिर से झारखंड में विकट समस्या उत्पन्न होगी .वहीं कई लोगों के पास तो सर्वे और खतियान की कापी भी नहीं होगी. इसका सीधा असर युवाओं पर पड़ेगा.

सभी के हित की रक्षा हो : चंद्रशेखर चौधरी

शिक्षाकर्मी चंद्रशेखर चौधरी ने कहा कि सरकार – के स्थानीय नीति में झारखंड के हर वर्ग के हितों की रक्षा होनी चाहिए. चूंकि झारखंड राज्य में भी छत्तीसगढ और उत्तराखंड राज्य के तर्ज पर स्थानीय नीति लागू होनी चाहिए थी .पर ऐसा न होना दुर्भाग्यपूर्ण है .जबकि ये तीनों राज्य एक साथ ही अलग राज्य के रूप् में अस्तित्व में आए हैं .यह सही है कि झारखंड में झारखंड के आदवासियों एवं मूल निवासियों को उनका हक और अधिक से अधिक मिलना चाहिए. उनके पूर्वज पुरखों से यहां रह रहे हैं, लेकिन जो लोग बिहार से अलग होने के बाद यहां बस गये, उनके बच्चों का यहां जन्म हुआ. यहां उन्होंने पढ़ाई लिखाई की. उनके बच्चों के लिए स्थानीय नीति में प्रावधान किया जाना चाहिए, ताकि वे भी सम्मान के साथ झारखंड में रह सकें.

बहुत से आदिवासी,मूलवासी के पास भी दस्तावेज नहीं : शुभम पटेल

शुभम पटेल का कहना है कि यह एक अनुचित निर्णय है इस निर्णय का प्रभाव स्थानीय लोगों को तो मिल जाएगा. लेकिन उनका क्या जो वर्षों से यहां रह रहे हैं जिन्होंने अपने जीवन का पूरा समय इस भूमि को योगदान दिया है. उनसे उनका यह अधिकार छीनने के बराबर है. जो लोग अलग झारखंड राज्य में बिहार राज्य के समय से ही यहां निवास कर रहें है.उन लोगों के साथ बेमानी है.दोनों राज्यों का अलग हो जाना यह उनके हाथ में नहीं था. ऐसे में कई लोगों को इसका लाभ नहीं मिलेगा. क्योंकि कई लोग झारखंड में बाहर से ही आकर बसे हैं.

पारित स्थानीय नीति छात्रों के लिए छलावा है : गोवर्धन ठाकुर

छात्र नेता गोवर्धन ठाकुर का कहना है कि जब तक वर्तमान सरकार इस खतियान आधारित नीति को संकल्प पारित कर लागू नहीं करती है तब तक हम झारखंडी छात्रों के लिए 1932 आधारित स्थानीय नीति मात्र एक छलावा है . इससे थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नोकरियों में हम झारखंडी छात्रों को कोई फायदा मिलने वाला नहीं है. यह मात्र एक चुनावी स्टंट और समय की बर्बादी है. जिसमें हम छात्र फंसने वाले नहीं है. आने वाले वर्ष 2024 के चुनाव में हम झारखंडी छात्र सरकार बदलने का काम करेंगे.

चक्रधरपुर

झारखंड के स्थानीय को मिलेगा लाभ :रविन्द्र

चक्रधरपुर निवासी रविन्द्र महतो ने कहा कि झारखंड विधानसभा में लंबे इंतेजार के बाद 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति पारित हुई है. इससे झारखंड के स्थानीय युवाओं को लाभ मिलेगा. स्थानीय नीति पारित नहीं होने के कारण क्षेत्र के युवाओं को अपने ही प्रदेश में नौकरी नहीं मिल पा रही थी. अब स्थानीय युवकों को सरकारी नौकरी मिलने में आसानी होगी. इस नीति को बहुत पहले ही पारित किया जाना चाहिए था .राज्य के मूलवासियों के लिए यह बेहद जरुरी था. इस निर्णय का राज्य के मूलवासी युवा स्वागत करते हैं.

बहाली प्रक्रिया में तेजी लाएं : राफेल बांकिरा

चक्रधरपुर निवासी जवाहर लाल नेहरु कॉलेज के छात्र राफेल बांकिरा ने कहा कि झारखंड में खतियान आधारित स्थानीय नीति पारित तो हो गई है, लेकिन नौकरी की बहाली प्रक्रिया में विलंब नहीं होना चाहिए. बेरोजगार युवा लंबे समय से नौकरी का इंतजार कर रहे हैं. सरकारी नौकरी की परीक्षा की तैयारी करते हुए कई युवाओं के अब उम्र भी अधिक हो चले हैं, राज्य सरकार अगर झारखंड से बेरोजगारी दूर करना चाहती है तो युवाओं को नौकरी से जोड़ना होगा, अन्यथा पूर्व की तरह पलायन जारी रहेगा.

सरकार बेरोजगारी दूर करे : अभिजीत कुमार

चक्रधरपुर निवासी कम्प्यूटर विषय के शिक्षक अभिजीत जयसवाल ने कहा कि राज्य सरकार को बेरोजगारी दूर करने के उपाय ढूंढने की आवश्यकता है .क्षेत्र में रोजगार नहीं होने के कारण आए दिन रोजाना बड़ी संख्या में युवा दूसरे राज्य का रुख कर रहे हैं. सिर्फ स्थानीय नीति लागू करने से बेरोजगारी दूर नहीं होगी. सरकार सभी के लिए एक बराबर है, इसलिए राज्य सरकार सभी के हित को ध्यान में रखे. झारखंड में पढ़ाई पूरी करने वाले युवाओं को सरकारी नौकरी में प्राथमिकता मिलनी चाहिए.

बहरागोड़ा

बेरोजगारों के हित में है नीति : राकेश भोल

शिक्षक राकेश भोल का कहना है झारखंड का 23 साल बीत जाने के बाद भी सही और कठोर स्थानीय नीति न बन पाने पर यहां के बेरोजगार युवाओं को अपने हक से वंचित रहना पड़ रहा है. पिछली सरकार को अभिलंब खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए. जिससे यहां के युवाओं को अधिक से अधिक तृतीय तथा चतुर्थ वर्ग में नौकरी मिल पाए.

युवाओं की उम्र सीमा हो रही खत्म : सुब्रत

झारखंड सरकार द्वारा निकलने वाली वैकेंसी का तैयारी कर रहे विद्यार्थी सुब्रत कुमार घोष का कहना है कि सरकार बिना समय गंवाए जल्द से जल्द स्थानीय नीति लागू कर सरकारी नियुक्तियों में झारखंड के आदिवासी तथा मूल वासी को अपना अधिकार दे. साथ ही नियोजन नीति को भी स्थानीय नीति के साथ जोड़ा जाए.

खतियान आधारित नीति बने: सौरभ कुमार

झारखंड के मूल निवासी सौरभ कुमार का कहना है कि सरकार को झारखंड के बेरोजगारी को देखते हुए अभिलंब एक तय समय सीमा निर्धारित कर खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करना चाहिए. तत्पश्चात ही सरकार द्वारा वैकेंसी निकल कर बहाली करनी चाहिए. जिससे कि यहां के लोग अधिक से अधिक लाभांवित हो सके.

जमशेदपुर

जल्द ही इसका असर दिखने लगेगा :मोईन

मानगो निवासी मोईन कहते हैं कि जब देश के हर राज्य का अपना डोमिसाइल नियम है तो झारखंड में क्यों नहीं. इसके लागू होने के बाद झारखंड में कई सारे बदलाव आएंगे. जो झारखंड के मूलवासी हैं उसके पूर्वजों के नाम 1932 के सर्वेक्षण में तो दर्ज होगा ही. इस नियम को तो काफी पहले ही लागू कर देना चाहिए था. लेकिन झारखंड बनने के 23 सालों बाद इसे लागू किया जा रहा है. नियम के लागू होने के बाद जल्द ही इसका असर जमीनी स्तर पर देखने को मिलेगा.

सरकार चुनावी मुद्दा बना रही है : राहुल

राहुल विश्वकर्मा कहते हैं कि वे बिहार के मूल निवासी हैं पर कई सालों से जमशेदपुर में आकर बसे हैं. फिलहाल उसकी तीसरी पीढ़ी जमशेदपुर में है. इस नीति के लागू होने से उन्हें झारखंड के मूलवासी होने का दर्जा नहीं मिल पाएगा. जिससे काफी समस्या हो सकती है. सरकार इसे चुनावी मुद्दा बना रही है जिससे लोग आकर्शित हो और अगली सरकार भी उन्हीं की बने. सरकार स्थानीय लोगों के साथ धोखा कर रही है. राज्या में स्थानीय नीति के प्रावधान की सख्त जरुरत है.

मूल वासियों को ही नौकरी : श्याम सुंदर

कदमा निवासी श्याम सुंदर कहते हैं कि काफी लंबे समय के बाद स्थानीय नीति लागू हुई है. सरकार इसे पहले भी लागू करने का प्रस्ताव भेज चुकी थी. झारखंड में स्थानीय नीति लागू नहीं होने से कई ऐसे युवा जो स्थानीय हैं उन्हें भी नौकरी के लिए राज्य से पलायन करना पड़ रहा था. अब स्थानीय नीति लागू होने से राज्य के मूल वासियों को राज्य में ही नौकरी मिल सकेगी. इसके लागू होने के बाद सरकार जल्द ही रिक्त पदों को भरने के लिए बहाली निकाले ताकि जल्द से जल्द बेरोजगारी दूर हो सके.

साहिबगंज

नीति राज्य वासियों के लिए वरदान साबित होगी : निरंजन मरांडी

हाविद्यालय के सेमेस्टर 2 के छात्र निरंजन मरांडी का कहाना है कि राज्य सरकार ने 1932 का खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करना चाह रही है . यह स्थानीय नीति राज्य वासियों के लिए एक वरदान साबित होगा .वहीं झारखंड में कई सरकारें आई लेकिन स्थानीय नीति लागू नहीं कर पाई .वहीं झारखंड के हेमंत सोरेन की सरकार ने इस दिशा में एक कारगर पहल शुरू की है. उन्होंने यह भी कहा कि इस विधेयक से झारखंड के युवा वर्ग को रोजगार के लिए दूसरे राज्य में पलायन नहीं करना होगा, क्योंकि इस विधेयक के तहत स्थानीय युवाओं को तृतीय एवं चतुर्थ वर्गीय रोजगार में आरक्षण दिया जाएगा और जिन आकांक्षाओं से झारखंड अलग राज्य का निर्माण हुआ था वह पूरा होगा.

नीति अभी तक लागू नहीं हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण है : प्रशांत पासवान

साहिबगंज,महाविद्यालय के छात्र सेमेस्टर 3 प्रशांत पासवान ने बताया कि स्थानीय नीति झारखंड राज्य के युवाओं के लिए जरूरी है, क्योंकि इस नीति के तहत ही युवाओं का भविष्य निर्भर करता है. झारखंड गठन के 23 साल बीत जाने के बाद भी इस महत्वपूर्ण नीति का अभी तक नहीं बन पाना यहां के मूल निवासियों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. वहीं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही सरकार ने कई बार 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति का विधेयक विधानसभा से पास तो कर रही है, लेकिन बार बार राज्यपाल इसे लौटा रहे हैं. यह समझ से परे है. किसी भी हाल में 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति बनना जरूरी है. राज्य सरकार द्वारा जो विधेयक पास किया गया है. उसमें झारखंडी मूलनिवासियों को हक़ दिलाने की बात की गई है.

धनबाद

प्रदेश की वर्तमान सरकार विधेयक के बहाने दोनों हाथों में लड्डू रखना चाहती है : बनखण्डी मिश्र

धनबाद हाउसिंग कॉलोनी के रहने वाले वरिष्ठ पत्रकार बनखण्डी मिश्र के कहा कि 1932 का खतियान विशुद्ध रूप से राजनीतिक मुद्दा है. प्रदेश की वर्तमान सरकार इस बहाने दोनों हाथों में लड्डू रखना चाहती है. यदि केंद्र सरकार इसे नौवीं अनुसूची में सूचीबद्ध करेगी तब सोरेन सरकार इसे अपनी उपलब्धि के रूप में भुनाएगी. और अगर केंद्र सरकार ऐसा नहीं करती है तो झारखंड की मौजूदा सरकार मोदी सरकार पर दोष मढ़ देगी और 1932 के खतियान को विरोधी के रूप में जनता के सामने पेश करेगी.

सरकार का फैसला स्वागत योग्य,पर सिर्फ एक तबके के लिए है : प्रोफेसर आशुतोष कुमार

धनबाद सिंदरी डीएवी के प्रोफेसर आशुतोष कुमार ने कहा कि 1932 आधारित स्थानीय नीति विधेयक स्वागत योग्य है . लेकिन जो झारखंड में देश के विभिन्न राज्यों से आ कर लगभग 100 वर्षों से विभिन्न पदों में रहकर राज्य के विकास के लिए अपनी सेवा दी है, उनके बच्चों के हित के लिए सरकार ने नहीं सोचा .सरकार का यह फैसला एक तबके के लिए है .झारखंड सरकार को इसके अतिरिक्त बिल पास करना चाहिए .क्योंकि सरकार का काम कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का है.

देश आजाद होने से पहले का खतियान कहीं से सही नहीं लगता, फिर सोचे सरकार : शौरभ मिश्रा

धनबाद हीरापुर के रहने वाले शौरभ मिश्रा ने कहा कि देश आजाद होने से पहले का खतियान कहीं से सही नहीं है. सरकार को इस पर पुन: विचार करना चाहिए .क्योंकि झारखंड में बिहार सहित विभिन्न राज्यो के लोग भी लगभग 50 वर्षों से रह रहे है .जिनके बच्चे झारखंड में ही शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं .ऐसे में 1932 आधारित विधेयक पास करना कहीं से सही नहीं है. इससे छात्रों का मनोबल तोड़ने टूट जाएगा .

सरकार का यह फैसला चुनावी मुद्दा है : जयंत कुमार

धनबाद हीरापुर स्थित तेली पाडा के रहने वाले जयंत कुमार ने कहा कि सरकार का यह फैसला चुनावी मुद्दा है .खतियानी युवाओं को बरगलाने की साजिश है .उन छात्रों के लिए धोखा है जो झारखंड में बिना खतियान के वर्षों से पढ़ाई कर नौकरी हासिल करना चाहते थे .सरकार को इस फैसले पर संसोधन करने की जरूरत है.

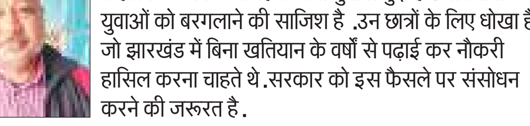

किरीबुरु

प्रतिभा किसी आरक्षण की मोहताज नहीं होती है: राजकुमार गुप्ता

राजकुमार गुप्ता ने कहा कि प्रतिभा किसी तरह के आरक्षण की मोहताज नहीं होती है. 1932 का खतियान वालों को हीं तृतीय व चतुर्थ श्रेणी में रोजगार व अन्य सुविधा देने की बात सरकार के वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा है. सरकार पहले झारखंड में रोजगार का सृजन करे, तब स्थानीय को रोजगार देने की बात करे. शिक्षित जनत बेवकूफ नहीं है. सरकार के इस फैसले से पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम आदि जिलों के लाखों लोग, खासकर सारंडा के हजारों शिक्षित बेरोजगार व परिवारों को इसका लाभ नहीं मिल पायेगा. क्योंकि यहां किसी के पास 1932 का खतियान नहीं है. सारंडा की तमाम प्राइवेट खदानों को बंद कर पहले हीं सरकार हजारों को बेरोजगार कर दी है. अब जले पर नमक छिड़कने का कार्य कर रही है. सारंडा से पलायन चरम पर है.

आरक्षण देश व किसी राज्य के विकास के लिये अभिशाप : अब्दुल रफीक

अब्दुल रफीक ने कहा कि तमाम प्रकार के आरक्षण देश व किसी राज्य के विकास के लिये अभिशाप है. हम इसी धरती पर जन्म लिये, शिक्षा लिये लेकिन आज हम हीं सरकारी लाभ से वंचित होंगे. यह सरकार की कैसी नीति है. हमारे पूर्वज विभिन्न राज्यों से यहां आकर जंगलों में विकट परिस्थिति में रहकर उद्योगों का इन्फ्रास्ट्रक्चर व अन्य संस्थाओं का निर्माण कर विकसित देश अथवा राज्य की निर्माण के लिए कदम बढाय़ा. सरकार को तकनीकी व गुणवता आधारित बेहतर शिक्षण संस्थानों को खोलने का कार्य करना चाहिये, जहां से बेहतर पढाई कर सभी वर्ग के युवा देश अथवा विदेशों में अपनी काबिलियत के बल पर रोजगार पा सके. कहते हैं कि किसी जरुरतमंद को कुछ पैसा देकर मदद करने से अच्छा बेहतर तालीम व हुनर सिखा दें, ताकि वह कहीं भी भूख से मरे नहीं. लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर 1932 का खतियान जैसे मुद्दे लाकर लोगों की आपसी भाईचारा को खत्म करना एवं मुख्य मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाना चाह रही है. पिछले दिनों सरकार ने प्राइवेट रोजगार के लिए नियुक्ति पत्र बांटा.

पश्चिम सिंहभूम व सारंडा के लोगों को नहीं मिल पायेगा लाभ : सोनु सिरका

सोनु सिरका ने कहा कि 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति का लाभ पश्चिम सिंहभूम व सारंडा के लोगों को नहीं मिल पायेगा. उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज का सेटेलमेंट 1964 में हुआ है. इसके अलावे सारंडा एवं सेल, टाटा स्टील की टाउनशिप क्षेत्र में निवास करने वाले हजारों लोगों के पास कोई कागजात नहीं है. हजारों लोग सेल व टाटा स्टील की खदानों को बनाने विभिन्न राज्यों से आये एवं अपना गांव व जमीन छोड़ यहीं परिवार के साथ बस गये हैं. ऐसे में सभी झारखंड सरकार की नौकरियों व योजनाओं का लाभ लेने से वंचित हो जायेंगे. अब तो ऐसा ही लग रहा है कि झारखंड के मूल निवासी होने के बावजूद हम रिफ्यूजी की तरह रह जायेंगे और सरकारी लाभ से वांचित होंगे. सरकार की यह नीति गलत है, इस पर फिर से विचार करने की जरुरत है.

लातेहार

नीति में सब का रखें ख्याल: आदर्श कुमार

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे आर्दश कुमार ने कहा कि सरकार ने 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति का लाया है. इसका स्वागत करना चाहिए. उनके बच्चों को झारखंड के सरकारी नौकरियों के तृतीय व चतुर्थ वर्गीय पदों पर उनके लिए आरक्षण होगा .हालांकि जो लोग लंबे समय से झारखंड में रह रहे हैं, उनके लिए भी स्थानीय नीति में प्रावधान किया जाना चाहिए. आखिर वे भी झारखंड के ही निवासी हैं .इनके बारे में भी सोचने की जरुरत है.

हितों कमी रक्षा जरुरी: अनूप कुमार

अध्यापक अनूप कुमार ने कहा कि झारखंड के हितों की रक्षा आवश्यक है. झारखंड के मूल निवासी जिनके पूरखे पूर्वज यहां पीढ़ी दर पीढ़ी रह रहे हैं, उनके हितों की रक्षा आवश्यक है .झारखंड के मूल निवासियों को उनका हक और अधिक अधिक मिलना चाहिए. लेकिन झारखंड अलग होने के बाद जो लोग नौकरी के कारण बिहार नहीं जा सके, उनके बच्चों का जन्म व पढ़ाई झारखंड में हुआ, उनके बच्चों के लिए स्थानीय नीति में प्रावधान किया जाना चाहिए.

मूलवासियों को हक मिले : अनिल उरांव

कार्यकर्ता अनिल उरांव ने कहा कि सरकार ने स्थानीय नीति में 1932 के खतियान को आधार बना कर झारखंड के जंगल, पहाड़ में रहने वाले मूल निवासियों को उनका हक व अधिकार देने का प्रयास किया है. झारखंड के मूलवासियों को उनका असली हक व अधिकार मिलना चाहिए. जिनके पूर्वज पीढ़ी दर पीढ़ी झारखंड में रह रहे हैं, उनके बच्चों को स्थानीय नीति में प्राथमिकता देनी चाहिए. झारखंड के सरकारी नौकरियों में अब उनके लिए तृतीय व चतुर्थ वर्ग के पद आरक्षित होगें.

सभी को मिले जगह : प्रिंस कुमार

ग्रामीण डाक सेवक प्रिंस कुमार ने कहा कि स्थानीय नीति में समाज के हर वर्ग के लोगों को जगह मिलनी चाहिए. यह सही है कि झारखंड के मूल वासियों को स्थानीय नीति का लाभ सबसे अधिक मिलना चाहिए. सरकार ने 1932 का खतियान आधारित स्थानीय नीति बनाना चाह रही है. लेकिन जो जोग झारखंड बनने से पहले यहां रहे हैं, उनके लिए भी स्थानीय नीति में प्रावधान होना चाहिए. आखिर ऐसे लोगों के बच्चे कहां जायेगें.

हित का फैसला: लालमोहन सिंह

आरटीआई कार्यकर्ता लाल मोहन सिंह ने कहा कि सरकार ने 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति ला कर झारखंड के हित का एक अहम फैसला लिया है. इससे झारखंडियों को उनका असली हक व अधिकार मिल सकेगा. झारखंड के जंगलों व पहाड़ों में रहने वाले मूल निवासी बहुत पहले से ही इसकी मांग कर रहे थे. सरकार को चाहिए कि इसे अब लागू करे. तभी सरकार की मंशा साफ हो सकेगी.

बोकारो

नीति के बगैर भविष्य बर्बाद : रवि कुमार

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के धधकिया निवासी युवा रवि कुमार ने बताया कि स्थानीय नीति बनाने को लेकर झारखंड में पक्ष और विपक्ष सभी को एकजुट होना चाहिए. जब हर राज्य का अपना डोमिसाइल नीति है तो झारखंड में अगर नहीं बना है, तो सदन में इस पर बहस होनी चाहिए. आखिर थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी में इस नीति से यहां के मूल निवासियों को आरक्षण तो मिलेगा. उन्होंने बताया कि स्थानीय नीति के बगैर यहां के युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है.

बिल स्वागत योग्य : प्रसून सारंग

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के बाराडीह निवासी प्रसून सारंग ने बताया कि हमारे राज्य के निर्माण के 23 वर्ष हो गए, फिर भी आज तक कितनी पार्टियां सरकार में आई गई लेकिन कोई सरकार अभी तक हमारे राज्य झारखंड की स्थानीय नीति व नियोजन नीति परिभाषित नहीं कर पाई. वर्तमान सरकार ने 1932 के खतियान को मानक मानते हुए एक विधेयक तैयार किया है, जो स्वागत योग्य है.

हमारे सहयोगी Lagatar पर मिलीं टिप्पणियां

झारखंड के शहरों में अन्य राज्य के लोग ज्यादा संख्या बस गये हैं ,झारखंड मे बसे अन्य राज्य के लोगों का जुड़ाव अभी भी उनके मूल राज्य से है ,ऐसे लोग दोनों राज्यों मे लाभ ले रहें हैं. झारखंड के मूल लोग को सरकारी कार्यालयों में भी यहां की लोकल भाषा नहीं होने के कारण यहां मूल लोग विकास कार्यों में उत्साह से शामिल नहीं हो पाते हैं. झारखंड के मूल लोग अन्य राज्यों की अपेक्षाकृत सदियों से झारखंड में उच्च शिक्षण संस्थान नहीं होने के कारण तुलनात्मक रूप से झारखंड के लोग शिक्षा में भी पिछडे हैं.
जितेन्द्र कुमार, बोकारो

मेरी राय में 1932 का खतियान सही है. साथ ही झारखंड में यह भी हो सकता है कि इसमें सिर्फ और सिर्फ झारखंड के लोगों की ही नौकरी होनी चाहिए. जैसा कि ओडिशा के मूल निवासी हैं तो वहीं के निवासी की नौकरी वहां हो सकती है. दूसरे राज्यों के निवासियों का नहीं हो सकता है. इसी तरह यहां भी होगा.
नितेश रजक, धनबाद

पहले स्थाई लोगों की नौकरी के लिए ग्रुप सी और ग्रुप डी में आरक्षण तय किया जाए. इससे सभी को लाभ होगा.
नकुल ठाकुर, हजारीबाग

1932 वाला खतियान लागू नहीं होना चाहिए. क्योंकि जिसके पास जमीन नहीं थी उस समय या जिसके पास खतियान नहीं है . उसका क्या होगा . वह कहां जाएगा या जो बचपन से झारखंड में रह रहा है उसका क्या होगा.
कुमार शैलेंद्र ,देवघर

झारखंड के स्थानीय लोगों के लिए राज्य सरकार ने बहुत ही अच्छा कदम उठाया है.
शिशुपाल लोहार, रांची

बहुत ही सुंदर काम किया है इस सरकार ने, बधाई
भानु प्रताप सिंह, हजारीबाग

झारखंड मुक्ति मोर्चा फिर कभी भी सत्ता में नहीं आएगा, यह एक खतियानी का श्राप है. उसने अपने मेनिफेस्टो का कोई भी वादा पूरा नहीं किया.
कुनाल कुमार महतो, धनबाद

1932 आधारित स्थानीय नीति किसी भी प्रकार से हितकारी नही है. इसमें कानूनी बहुत सी खामियां हैं. न्यायालय/केन्द्र के पटल पर ये मामला बिल्कुल टिक नही पाएगा. हेमंत सरकार सिर्फ इस मुद्दे का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है.
प्रमोद यादव,रामगढ़

उपरोक्त बातें अच्छी बात है, लेकिन आवासियों का राजनीतिकरण न किया जाएगा तो झारखंड प्रदेश नित्य आगे बढ़ता रहेगा.
अजय कुमार, सिंदरी

मेरा जन्म झारखंड में हुआ. मेरी ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई झारखंड में हुई. मैं वोट देता हूं जेएमएम को. लेकिन जेएमएम ने ही मुझे यहां का मानने से इनकार कर दिया. मैं बहुत गुस्से में हूं. अगर मुझे जेएमएम का कोई नेता मिल जाए तो उससे यह बात पूछुंगा कि आखिर इस तरह क्यों हो रहा है.
संतोष कुमार सिंह, धनबाद

बहुत अच्छा, यह उन झारखंडियों के लिए सौ प्रतिशत न्यायसंगत है, जिन्हें बहुत चालाकी से दरकिनार कर दिया गया था .इससे अब उन्हें लाभ मिलेगा.
केके दास ,चाकुलिया

पिछड़ों के लिए बहुत अछ्चा है. आयुसीमा बढ़ाने का मौका मिलेगा.
परमेश्वर महतो , खूंटी

सब कुछ सही होना चाहिए.
टेकलाल महतो, गोमिया

1932 होना चाहिए. **संजय महतो, बोकारो**

यह बिल्कुल सही है.
लाखो उरांव, रांची

100 प्रतिशत सही है. यह पास होना चाहिए. लागू होना चाहिए.
राजीव, जमशेदपुर

पहले तो मैं आपको बहुत सारी शुभकामनाएं देती हूं.यह सही कदम है.
ज्योति, सीतापुर

बिल्कुल सही फैसला है .लेकिन मंजिल दूर है. अभी इस विधेयक को लागू करने में कई अड़चनें है. सरकार को पूरी कोशिश करनी चाहिए उन अड़चनों को दूर करने की.
अमरलाल महतो, हजारीबाग

1932 आधारित खतियान बहुत अच्छा है.
सुनील , रामगढ़

1932 के आधार पर सरकार का फैसला बहुत अच्छा है.
अरुन, पालामू

विधेयक अच्छा है, राज्यपाल महोदय को सकारात्मक पहल करनी चाहिए।.
हरेंद्र कुमार, बोकारो

इस नीति के तहत झारखंड की जनता झारखंड में अच्छी तरह से रह सकेगी.
रुपेश कुमार, धनबाद

स्थायी नियोजन नीति को स्पष्ट करने , स्थाई लोगों को रोजगार देने के लिए व असली झारखंडी की पहचान दिलाने के लिए इस नीति को लागू करना बेहद जरूरी है अगर आप प्रत्येक स्थानीय जिसके पास 1932 का खतियान है .इस नीति का समर्थन करेगा. मैं भी इस नीति को लागू करना चाहता हुं.
हिलेरियस पांडू, खूंटी

मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं. मुझे लगता है कि यह झारखंड में बहुत कारगर होगा. इस मामले को लेकर झारखंड के लोगों ने काफी संघर्ष किया है.
स्वाति ,रांची

आज जमीन है. कल नहीं रहेगा तो कहां से लाओगे. 1932 का खतियान वोट के लिए इस्तेमाल करना छोड़े.
मनोज दास, धनबाद

थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी 1932 के खतियानधारियों के लिए आरक्षित हो. तभी झारखंड बनने का सार्थक परिणाम निकलेगा. ये विधेयक जितना जल्दी लागू होगा उतना ही ठीक रहेगा.
अभिषेक आनंद, सिंदरी

झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार के द्वारा लिया गया सही निर्णय है. इसका समर्थन करते हैं.
कृषणा महतो , सरायकेला

सही है यह होना जरुरी है. सबके लिए.
मो. साबिर एसके, साहिबगंज

इस तरह करने वाले को बहुत बहुत धन्यवाद.
लखीकांत महतो, बोकारो

राज्य के मूलवासी आदिवासी के लिए महत्वपूर्ण है 1932. देश विभिन्न प्रदेशों में स्थानीय नीति बनी है.
नील कमल भुमिज, जमशेदपुर भाया चांडिल

शतप्रतिशत झारखंडी 1932 खतियान वालों को प्राथमिकता व अधिकार मिलना चाहिए.
असीम पंकज,रांची

यह एक दम सही कदम है इससे झारखंड के लोगों विकास होगा अभी यहां बहुत से लोग ऑफिस में लोगों कहते सुना है कि हम लोग वहां पैसा कमाने आए हैं सेवा देने नहीं यहां विकास हो या नही इससे मतलब नहीं.
अविनाश भेगरा, सोनुआ

1932 ही क्यों? जब प्रथम व्यक्ति भारत में अफ्रीका से आया तब से क्यों नहीं. भारत मनुष्य की उत्पत्ति का केंद्र नहीं है. कोई साक्ष्य हो आर्कियोलॉजिकल किसी के पास हो तो बताइएगा.
रजनीश मिश्र, रांची

क्या झारखंड में 1932 खतियान वाला ही वोट देगा. दूसरे लोग वोट नहीं देंगे. यह सोचने की जरुरत है. सरकार इस पर ध्यान दे. सभी के लिए अच्छा होगा.
स्वरुप, टाटा

झारखंडियों के हित में बहुत जरूरी है 1932 का खतियान के अनुसार स्थानीय नीति और नियोजन नीति.
बच्चू कुमार राणा, चौपारण, हजारीबाग

1932 का खतियान झारखंड में लागू होना चाहिए .बाहरी को नौकरी नहीं देनी चाहिए. केवल झारखंड वासियों को जॉब होना है. स्थानीय के आधार पर नौकरी झारखंड में होनी चाहिए. केबल झारखंडी. मेरी उम्र अब 40 हो गई है. हमने बीएड किया है. टीजीटी 2016 में मेरे से कम नंबर वालों की नौकरी हुई. लेकिन मेरी नहीं हो पाई. अभी हमलोग सुप्रीम कोर्ट में केस किए हैं नौकरी के लिए. क्यों नहीं सरकार देगी. नियम सबके लिए एक है.
संजीव कुमार, हजारीबाग

1932 के आधार पर बाद में जो सर्वे हुआ हैं ,वह किया खत्म हो सकता हैं और अगर यह कानून खत्म हुआ तो आगे चलकर 1932 भी अपने आप समाप्त हो जाएगा झारखंड सरकार आम जनता को सिर्फ बेवकूफ बना रहीं हैं.
दिनेश चन्द्र गुप्ता, गोमो, धनबाद

जिस प्रदेश का उद्भव 2000 में हुआ,वह 1932 के खतियान के आधार पर नौकरियों में युवाओं को आरक्षण दें. **पप्पू कुमार गुप्ता, धनबाद**

1932 के आधार पर बाद में जो सर्वे हुआ हैं ,वह किया खत्म हो सकता हैं और अगर यह कानून खत्म हुआ तो आगे चलकर 1932 भी अपने आप समाप्त हो जाएगा झारखंड सरकार आम जनता को सिर्फ बेवकूफ बना रहीं हैं.
दिनेश चन्द्र गुप्ता, गोमो, धनबाद

अब चुनाव आ रहा है तो राजनीति तो होनी ही है .यह काम बहुत पहले होना चाहिए था. जिस काम के लिए सीएम बनाया था, वह नहीं किया. सरना धर्म कोड कहां है. सब आदिवासी होने का ढ़ोंग करते हैं. आदिवासियों को ठगने का काम किया है इस सरकार ने. मजबूत इच्छा शक्ति नहीं है इसके पास. खिचड़ी सरकार क्या कर सकती है हम आदिवासियों के लिए. उपर से माइनिंग पर रोक लगाकर जनता की जान ले रही है. सारे एक दूसरे की टांग खींचने में मस्त हैं. और हम जनता पस्त हैं, कह सकते हैं कि काफी परेशान हैं. पता नहीं ऐसे में कैसे काम चलेगा. इस सरकार से कुछ होने वाला नहीं है. अब यह कहना मुश्किल है कि यह सरकार आगे क्या करेगी.
जयंत कुजूर, रांची

1932 खातियान आधारित स्थानीय नीति लागू करना झारखंड के लोगों के लिए अति आवश्यक है. वर्षों से इसकी मांग है. यहां रोजगार की अपार संभावनाएं के वावजूद यहां के स्थानीय नीति के अभाव में न्याय से वंचित हैं. बाहरी लोग यहां आ कर उन्नति करते जा रहे हैं और यहां के लोग अपने ही राज्य में भेदभाव का शिकार हो रहे है.
सुखलाल बोदरा, जमशेदपुर

> “अपने दुश्मनों से प्यार करो और उनके लिए प्रार्थना करो जो तुमको सताते हैं. इससे तुम उस पिता की संतान बन जाओगे जो स्वर्ग में है. वह अपनी नजर बुराई और अच्छाई दोनों पर डालता है और न्यायी व अन्यायी दोनों पर अपनी दया की वर्षा करता है.” –ईसा मसीह

डोलती इक नाव सी, मझधार पर ये जिंदगी!

कविता कलम
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जिंदगी तो हर कोई जाने-अनजाने जी लेता है, लेकिन जिंदगी को हर कोई समझ नहीं पाता. कम ही लोग होते हैं, जो इसे समझ पाते हैं और उसका लुत्फ भी उठाते हैं. जिंदगी क्या है, जबतक मनुष्य समझ पाता है, तबतक जिंदगी निकल जाती है. वैसे जिंदगी को लेकर सबका अपना-अपना नजरिया होता है. कोई कहता है, जिंदगी एक सुहाना सफर है, कोई कहता है जिंदगी एक पहेली है. कोई कहता है जिंदगी फूलों की सेज है तो कोई कहता है जिंदगी कांटों का ताज है. जिंदगी का एक दौर अबोधपन का होता है, जब मनुष्य के पास कोई द्वंद्व नहीं होता. कोई राग-द्वेष नहीं होता. इसके बाद उमंगों का ऐसा दौर आता है कि पांव जमीन पर पड़ते ही नहीं. इस दौर के बीतते ही संघर्ष का दौर शुरू हो जाता है. यही दौर निर्णय करता है कि हम सफलता पाने के योग्य हैं भी या नहीं. जो संघर्ष से घबरा जाता है, वह पीछे हट जाता है और पीछे ही रह जाता है-जो बौरा डूबन डरा रहा किनारे बैठ, लेकिन जो संघर्ष के गहरे पानी में पैठ जाता है, वह मोती चुन ही लेता है. इस दौर में यदि कुछ उपलब्धि हो गयी, तब तो वारे-न्यारे, नहीं तो संघर्ष का दौर मुसीबतों के दौर में बदल जाता है और जिंदगी में वह दौर भी आ जाता है, जब मनुष्य कुछ भी करने योग्य नहीं रह जाता. जिंदगी क्या है इसे बहुत गंभीरता से समझ पाये हैं डालटनगंज के वरिष्ठ कवि **हरिवंश प्रभात**. जिंदगी के मर्म को बतानेवाली इनकी यह गजल पढ़ने और सुनने योग्य है. कवि प्रभात कहते हैं-

डोलती इक नाव सी, मझधार पर ये जिंदगी.
चल रही तलवार की इक धार पर ये जिंदगी.
कल्पना के पंख लेकर उड़ते हैं आकाश में,
जल रही है आग की बौछार पर ये जिंदगी.
हमने ख़ुद को भी मिटाकर आपको पाया सनम,
बस टिकी है आपके ही प्यार पर ये जिंदगी.
जिंदगी जीने की खातिर, यह सबब मालूम है,
फिर भी मरने के मधुर इकरार पर ये जिंदगी.
जिंदगी मायूस हो सकती, गुलों की सेज पर,
मुस्कुराती हमने देखी, खार पर ये जिंदगी.
रहना है प्रभात जिन्दा, गर तुझे संसार में ,
अच्छे रख स्वभाव और किरदार पर ये जिंदगी.

जिंदगी मायूस हो सकती गुलों की सेज पर, मुस्कराती हमने देखी खार पर ये जिंदगी. कवि हरिवंश प्रभात जी स्वयं जिंदगी के उस दौर में पहुंच चुके हैं, जहां जिंदगी के अधिकांश रहस्यों पर से परदा उठ चुका होता है. ये जितने अच्छे कवि और शायर हैं, उतने ही अच्छे अध्यापक भी. झारखंड के प्रथम राष्ट्रपति पुरस्कार से 2004 में सम्मानित हुए. झारखंड रत्न, विधानसभा पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं. दस काव्य पुस्तकों के रचयिता हरिवंश प्रभात आकाशवाणी, दूरदर्शन और काव्यमंचों पर प्रतिभासित तो होते ही रहते हैं, कई साहित्यिक संस्थाओं में जिम्मेदार पद संभालते रहे हैं. सेवा निवृत्ति के बाद विभिन्न मौसमों का आनंद ले रहे हैं. भारतवर्ष ऐसा देश है, जहां छह ऋतुएं होती हैं. कभी चिलचिलाती धूप मिलती है तो कभी हड्डियों को कंपा देनेवाली कड़कड़ाती ठंड तो कभी हहराती घहराती बरसात. वर्तमान में शीत ऋतु का भी अपना अलग आनंद है. इसको गहराई के साथ महसूस करने के लिए जमशेदपुर निवासी कवयित्री **माधवी उपाध्याय** की इस रचना की शरण में चलते हैं, जो सार छंद में रचित है.

त्योहारों का शोर थमा अब, सुस्त पड़े सब प्राणी .
आहिस्ते तन-मन सिहराये,आई शीत सुहानी ..
छटा कुसुम की मनभावन है, धूप गुनगुनी भायी.
ठंढी -ठंढी सर्द हवाएं, ठिठुरन भी ठिठुराई ..
कमल सरोवर खिल-खिल जाते,पक्षी कलरव भाते .
चाँद-चाँदनी रही विहँसती, अठखेली कर जाते ..
अल्प दिवस हैं रातें लम्बी, सपनें नित-नित जागे.
स्याह निशा यूं झन-झन करती, सहमें मन-तन कांपे ..
नर्म- नर्म पत्तों पर चमकी, ओस बूंद मोतिन से.
स्वर्ण रश्मियां पड़ी निखरकर,बिखर गईं तब छन से..
लगे निकलने गर्म कलेवर, गर्म पेय मन भाये .
ठहरी -ठहरी लगे जिंदगी, शीतलहर जब छाये..
जाड़े का ये मौसम लगता, दीन -हीन दुखदाई .
ठिठुर -ठिठुरकर रातें कटती,मिले न गर्म रजाई..
सोने को न मिले ठिकाना, जीवन उलझा जाता.
पर पीड़ा न समझे कोई, श्वास, आस मर जाता..
सो जाते वे फुटपाथों पर,ले संघर्ष की छाया.
सुबह सूर्य की धूप तापती, निर्बल ठिठुरी काया..
काम करें कुछ ऐसा मिलकर ,कष्ट उन्हें न चापे.
सबका जीवन सुखमय बीते, निर्धन के तन ढापे..

फिल्म हेराफेरी में एक गाना याद आ रहा है- ऊपरवाले तेरी दुनिया में कभी जेब किसी की न खाली मिले, कोई गरीब रहे जग में हर पॉकिट में हरियाली मिले. यही कामना तो सभी लोग करते हैं, सभी राजनीतिक दल करते हैं. सरकार भी करती है. इसी केलिए आरक्षण पर जोर दिया जाता है, जो आजकल वोट हड़पने के लिए एक बड़ा हथियार बन चुका है. आरक्षण के समर्थक जाति के आधार को अधिक महत्व देते हैं, लेकिन महिलाओं के आरक्षण पर किसी को आपत्ति नहीं होती. अगर किसी को आपत्ति है तो वह हैं रांची की कवयित्री **रेणु झा रेणुका**. आपका कहना है कि महिलाओं को आरक्षण नहीं संरक्षण की आवश्यकता है-

आरक्षण नहीं, संरक्षण दें, नित मसलती, कुचलती,
सुलगती कलियों को, आरक्षण नहीं, संरक्षण दें.
दशकों पहले की स्वछंदता दें, वे सखियों संग मेले के झूले,
पाठशालाओं की छुट्टी और विचरते, बाग, बगीचे
जल क्रीड़ाओं संग, रेत के, घरौंदे भी खूब बनाते,
बेर, अमियां छुपाकर खाते, खूब भागते तितलियों के पीछे,
पुरबइया संग दौड़ लगाते,
दिन हो या रात हम रीति रिवाज भी खूब निभाते,
ख़ुशियों से आंगन सजाते.
अब तो ख़ुद ही लग गए जीवन पर पहरे, बेकाबू हो गए भेड़िए,
गलियों, सड़कों पर, घर के, चौबारे में भी अपने बनकर मिलते,
पलक झपकते नोंच लेते नारी की ख़ुशियां,
ऐसे में आरक्षण का औचित्य क्या? हमें चाहिए संरक्षण खास,
बनी रहे जीवन में, आत्मशक्ति और विश्वास..

रेणुका जी की बातों से मैं भी सहमत हूं. महिलाओं को आरक्षण के बजाय संरक्षण दिया जाना चाहिए. अगर ऐसा नहीं हो पाया तो सारे ख्वाबों का महल किसी पल खंडहर में बदल जाएगा. बात जब ख्वाबों के महल की उठी है तो उसके अनुभव को लेकर आपसे कुछ कहने को तैयार हैं रांची के जानेमाने कवि **हिमकर श्याम**. संयोग की बात है कि इनकी इस कविता का शीर्षक भी ख्वाबों का महल ही है.

कल्पना जब लहराती है पुर-ज़ोर, तब जुड़ जाते हैं हम
ख़्वाबों का महल बनाने में, यह भूल जाते हैं कि
सामने खड़ा क्रूर यथार्थ कर रहा है
नींव खोदने की तैयारी, यथार्थ का सामना होते ही
संभावनाओं के आकाश में घिर आते है, नाउम्मीदी के काले बादल
टूट जाता है ख़्वाबों का महल, नज़र आने लगती है
कल्पनाओं और यथार्थ की दूरी, घर करने लगती है मन में हताशा
कोसते हैं हम ख़ुद को बार-बार
और करते हैं हम तौबा हर बार
लुभावनी होती है, कल्पनाओं की दुनिया
तभी तो जुड़े रहते हैं हम , ख़्वाबों का महल बनाने में.

कल्पनाओं की दुनिया सचमुच लुभावनी होती है और हम ख्वाबों के महल बनाने में उससे जुड़े रहते हैं. कवि ने साधारण शब्दों में असाधारण बात कह दी है. हिमकर श्याम जी को साहित्य सृजन की क्षमता विरासत में मिली है. इन्हीं शब्दों के साथ अगले सप्ताह तक के लिए आज्ञा चाहता हूं. जय हिंद! जय झारखंड!!

भारतीयता की प्रतीक जगज्जननी सीता

संपूर्ण भारतवर्ष में सैकड़ों अद्भुत प्रतिभाओं की महिलाएं हुई हैं. किंवदंतियों में, लोककथाओं में, लोकगाथाओं में, लोकगीतों में इन अद्वितीय प्रतिभा, योग्यता और विशेषता की महिलाओं की चर्चा होती रही है. भारतीय परंपरा में यूं भी मातृ-शक्ति के रूप में महिला शक्ति सम्मानित रही हैं, पर एक नाम है जो पूरे भारत वर्ष में, इंडोनेशिया में, जावा-सुमात्रा में, कंबोडिया में, नेपाल में और बहुत अन्य देशों में भी श्रद्धा, सम्मान और निर्विवाद समर्पण के साथ लिया जाता है, वह नाम है जगज्जननी सीता का! प्रसन्नता की बात है कि पिछले दस सालों में लोगों का विशेष ध्यान देवी सीता की ओर गया है. यूं राम कथा की अब तक अनेक भारतीय भाषाओं को मिलाकर पचास से अधिक पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं. पिछले एक दशक में सिर्फ अंग्रेज़ी में सीता पर केंद्रित एक दर्जन से अधिक पुस्तकें लिखी गयी हैं. निश्चित रूप से शोधकर्ताओं और उपन्यासकारों को भगवती सीता के बहुआयामी चरित्र की विशिष्टता का आभास हुआ होगा! सीता को अलग-अलग भाषाओं की राम कथाओं में अलग-अलग ढंग से दर्शाया गया है. कम्ब रामायण की सीता का व्यक्तित्व बाल्मीकि रामायण में प्रदर्शित चरित्र से बिल्कुल भिन्न है. हमारे पुराणों में भी सीता का उल्लेख कृषि की देवी के रूप में हुआ है.

चौराहा
प्रमोद कुमार झा

अब तक उत्तर भारत के गांव में सीता त्याग, सहिष्णुता, सलज्जता, पतिव्रता, मर्यादा इत्यादि का प्रतिरूप मानी जाती रही हैं. बहुत संतोष का विषय है कि अब विभिन्न भाषा के लेखकों ने भगवती सीता को पहली एकल अभिभावक(सिंगल पैरेंट मदर), योद्धा, कुशल धनुर्धर, सशक्त स्त्री, दृढ़ निश्चय और प्रतिज्ञा की स्वामिनी के रूप में प्रतिस्थापित किया है. स्मरण करें वह प्रसंग जब रावण वध के बाद सहस्रावण का संहार करने की याद सीता ने राम को दिलाई. राम मूर्छित हो गए. तब देवी सीता ने मां काली का रूप ग्रहण किया. उन्हें देखते ही सहस्रावण को अनुमान हो गया कि उसने देवी काली को अप्रसन्न कर दिया है. क्षमा की भिक्षा मांगने लगा, पर काली रूप में देवी सीता ने उसका संहार कर दिया. राम के अश्वमेध यज्ञ के अश्व को लव-कुश ने रोक लिया. युद्ध में हनुमान को बंदी बनाकर पेड़ से बांध दिया. राम पर तीर साधा ही था कि माता सीता ने बेटों को रोका और पिता के चरण स्पर्श करने का आदेश दिया. अग्रज हनुमान को चरण स्पर्श कर मुक्त करने का आदेश दिया था. लव-कुश को इतने महान योद्धा बनने की शिक्षा-दीक्षा भी माता सीता ने ही दी थी. तो ये थी धनुर्धर गुरु सीता का रूप! इक्कीसवीं सदी के विकसित भारत में मां सीता के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों पर विशद अध्ययन की आवश्यकता है. .विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में भगवती सीता पर विश्लेषणात्मक अध्ययन एक विशिष्ठ जीवन दर्शन की प्रेरणा देगा. उनके जीवन के सिद्धान्तों का अध्ययन, अनुसरण एक प्रगतिशील भारत के निर्माण में सहायक होगा.

खुशियां बांटने को आया यह क्रिसमस का त्योहार

पर्व विशेष
सूर्यदीप कुशवाहा

क्रिसमस ईसाई समुदाय के लिए बहुत महत्व का पर्व है. यह हर साल पूरे विश्व में अन्य पर्वों की तरह बहुत खुशी- खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है. यह हर साल सर्दियों के मौसम में 25 दिसंबर को पड़ता है. क्रिसमस न केवल यीशु मसीह के जन्म का प्रतीक है, बल्कि यह जीवन के एक नए तरीके की शुरुआत का भी प्रतीक है. यह हमें आध्यात्मिकता के महत्व को सिखाता है और कैसे यीशु मसीह ने लोगों को अज्ञानता, लालच, घृणा और अंधविश्वासों से लड़ने के लिए शुद्ध और आध्यात्मिक जीवन जीने में मदद की. उन्होंने समाज की बुराइयों के अंधेरे के बीच लोगों के जीवन को बदलने के लिए काम किया. यीशु मसीह को दुनिया की रोशनी के रूप में भी माना जाता था और कैसे उनकी आध्यात्मिकता और ज्ञान की रोशनी अज्ञानता, घृणा और लालच के अंधेरे को मारने में मदद करती है.

क्रिसमस का जश्न पूरे विश्व में मनाया जाता है. इस अवसर पर सभी घरों और चर्चों को साफ किया जाता है और बहुत सारे रंगीन प्रकाश, मोमबत्तियों, फूलों और अन्य सजावटी वस्तुओं के साथ सजाया जाता है. हर कोई अपनी स्थिति के बावजूद एक साथ हो जाता है और बहुत सारी गतिविधियों के साथ इस त्योहार का आनंद लेता है. इस दिन लोग क्रिसमस ट्री सजाते हैं और उसे रोशनी, उपहार की वस्तुओं, गुब्बारों, फूलों आदि से सजाते हैं. क्रिसमस ट्री बहुत ही आकर्षक और सुंदर दिखता है.

इस अवसर पर सभी चर्चों में समारोहों का आयोजन होता है. लोग चर्चों में जाते हैं और प्रभु को प्रार्थना करते हैं. समृद्धि और खुशी के लिए उनका आशीर्वाद मांगते हैं. लोग अपने प्रभु यीशु की प्रशंसा में क्रिसमस कैरोल भी गाते हैं और अपने पापों के लिए कबूल करते हैं और प्रभु से क्षमा चाहते हैं. बाद में वे अपने मेहमानों और बच्चों को क्रिसमस उपहार वितरित करते हैं. इस अवसर पर दोस्तों और रिश्तेदारों को क्रिसमस की बधाई और क्रिसमस कार्ड देने का चलन है और उन्हें मेरी क्रिसमस की शुभकामनाएं दी जाती हैं. हर कोई क्रिसमस की दावत के महान उत्सव में शामिल होता है और परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ स्वादिष्ट खाना खाता है. लोग इस अवसर पर कुकीज, केक और अन्य मुंह में पानी लाने वाले व्यंजनों को सेंकते हैं ताकि वे मौसम के उत्सव का आनंद ले सकें. वे क्रिसमस की दावतों का आयोजन भी करते हैं और अपने परिवार और दोस्तों को इस अवसर का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते हैं.

बच्चे इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि उन्हें सांता क्लॉज़ से और उनके परिवार और दोस्तों से बहुत सारे उपहार और चॉकलेट मिलते हैं. क्रिसमस का जश्न स्कूलों और कॉलेजों में एक दिन पहले होता है, जो कि क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, 24 दिसंबर को होता है, जब छात्र सांता ड्रेस और क्रिसमस की टोपी पहनकर स्कूल जाते हैं और अपने दोस्तों और शिक्षकों के साथ उपहार साझा करते हैं. ईसाई समुदाय के लोग यीशु के महान कार्यों को याद करने और बहुत सारा प्यार और सम्मान देने के लिए इस त्योहार को मनाते हैं. वह दिन है जब लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलते हैं और खुशी, उत्साह और खुशी के साथ इस अवसर को मनाते हैं और शांति, प्रेम और क्षमा का संदेश भेजते हैं.

टनाटन हमेशा टनटनाटन रहे

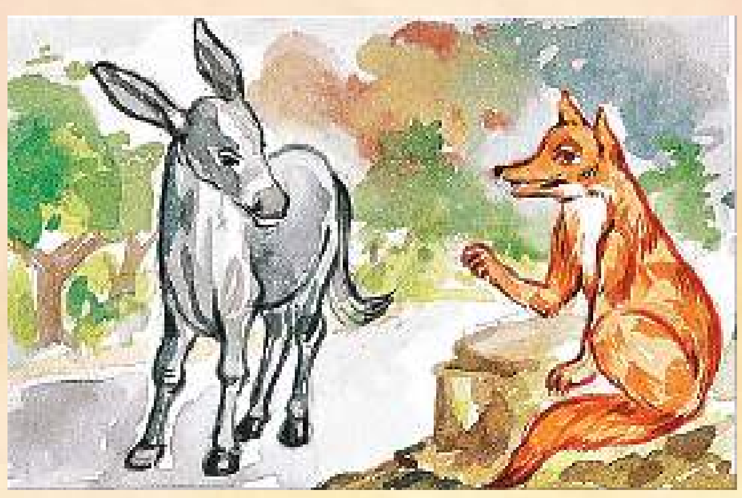

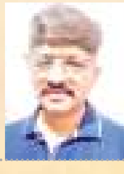

नश्तर
सुधीर राघव

सेठ दुलीचंद सुनामी ने अपनी कंपनी केलोबेलो के सीईओ झेंगा झकोई को बुलाकर पूछा, "गधे को सबसे ज्यादा वोट जंगल के किस हिस्से में मिले।" झेंगा ने बेहिचक जवाब दिया, "हजूर उत्तरी भाग से!" यह सुनकर सेठ सुनामी ने झेंगा को निर्देश दिया कि जंगल के उत्तरी हिस्से के सभी फलदार पेड़ काट दिए जाएं और बाकी पेड़ों के भी पत्ते झाड़कर घास को आग लगा दी जाए.

झेंगा 'जी' कहकर चला गया तो सेठ सुनामी ने अपनी दूसरी कंपनी बाबा इंटरप्राइजेज के सीईओ बाबा को बुलाया. बाबा इंटरप्राइजेज देसी दवाएं बनाने और बेचने का धंधा करती थी. इसके अलावा योग-प्राणायम सिखाने की सेवाएं देती तथा धर्म स्थलों का निर्माण और रख रखाव करती थी. जब से गधे ने जंगल में टनाटन धर्म की स्थापना की तब से सुनामी की बाबा इंटरप्राइजेज सबसे मोटा मुनाफा कमा रही थी. उसके शेयर हर हफ्ते उछलकर दोगुना हो जाते. सुनामी ने बाबा को निर्देश दिया कि वह खुद जंगल के उत्तरी हिस्से में जाकर टनाटन धर्म के उत्थान के लिए काम करें. सब जानवरों से चंदा एकत्र कर वहां एक भव्य धर्मस्थल बना दें तथा जानवरों को फल पत्ते तथा भोजन त्यागकर स्वेच्छा से जन्नत यात्रा के लिए प्रेरित करें, जहां 72 सुंदर शेरनियां उनकी सेवा के लिए तत्पर हैं.

अपने सेठ से आदेश पाकर बाबा ने जंगल के उत्तरी हिस्से में दरबार जमा दिया. उसने सामने बैठी भूखी-प्यासी बेरोजगार जानवरों की भीड़ में उत्साह भरते हुए जयकारा लगाया - हमारा धर्म टनाटन हमेशा टनटनाटन रहे! सभी जानवरों में एकदम से जोश भर गया. वे मिलकर चिल्लाए - टनाटन हमेशा टनटनाटन रहे! खुश होकर बाबा ने प्रवचन शुरू किया - राज गधे की कृपा से सभी जानवरों के लिए मुक्ति के द्वार खुल गए हैं. वहां बला की खूबसूरत शेरनियां आपकी सेवा का अवसर चाहती हैं, जो भी भोजन जल त्यागकर जन्नत की राह चुनेगा, अमर हो जाएगा. बाबा की बात का जंगल के उत्तरी हिस्से में जबरदस्त असर हुआ था. भोजन और जल त्यागकर जानवर अमर होने के लालच में स्वेच्छा से दम तोड़ रहे थे. केलोबेलो कंपनी का हर न्यूज़ चैनल जानवरों के इस परम त्याग का लाइव प्रसारण कर रहा था. पूरे जंगल में गूंज रहा था- टनाटन हमेशा टनटनाटन रहे!

गुंजन की फिगरेटिव कलाकृतियों में है सौंदर्य

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

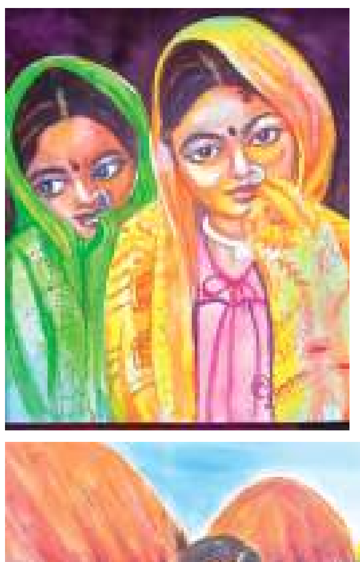

कला मनुष्य के इतिहास और विश्व की संस्कृति से जुड़ी है. समय की धारा के साथ-साथ कला का यह स्वरूप सदैव परिवर्तित होता रहता है. कभी कलात्मकता के आधार पर, कभी राजनीतिक उथल-पुथल के आधार पर, कभी सामाजिकता और विचारों के आधार पर तो कभी रूप-रेखा तथा विषय-वस्तु के आधार पर. कला इतिहास के साक्ष्यों के अनुसार हमेशा कलाकार चले आ रहे वादों के प्रतिकूल अपनी-अपनी अभिव्यक्तियों को मूर्तरूप प्रदान करते रहे हैं. तब एक नई कला का जन्म होता है. आज झारखंड के कुछ प्रतिष्ठित चित्रकार नई पृष्ठभूमि तैयार करने और कला में स्पंदन लाने हेतु अपनी कल्पनाओं को रंगों-रेखाओं के माध्यम से मूर्तरूप दे रहे हैं. इनमें से एक हैं-ममता गुंजन. रांची की ममता गुंजन के सधे हाथों ने कैनवस के फलक पर जो भी चित्र उकेरे हैं, वे वास्तव में वर्षों की कठिन साधना का प्रतिफल है. इनके वाटर कलर, ऑयल कलर, एक्रेलिक आदि में अपनी एक अलग शैली की झलक मिलती है. चित्रों में रंग संयोजन, रेखाओं के उभार और भावों का अद्भुत मिश्रण दिखता है. बाल्यकाल से ही ममता गुंजन का कला के प्रति लगाव रहा है. पेंसिल से इधर-उधर रेखाएं खींचना और उसमें रंग भरना इन्हें बचपन से ही अच्छा लगता रहा है. पढ़ाई के दौरान जब ये पेंटिंग बनाने लगीं तो लोगों ने प्रोत्साहित करने के बदले ये ताना कसना शुरू कर दिया कि ये बच्ची क्या पेंटिंग बनायेगी? तब रांची में ही इन्होंने चित्रकला का प्रशिक्षण अजित पंडित एवं प्रवीण कर्माकर से लिया और आज खुद बच्चों को कला का प्रशिक्षण दे रही हैं. इसके लिए इन्होंने रंग सृजन नाम से अपने प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत की, जहां आज सैंकडों बच्चे कला की बारीकियों को सीख रहे हैं. इनकी कला की प्रदर्शनी रांची, कोलकाता, कोटा, पटना, वाराणसी के अतिरिक्त कई अन्य जगहों में लग चुकी है. कई बार इन्हें विभिन्न स्थानों में आयोजित वर्कशॉप में भी भाग लेने का अवसर मिला. इनकी कलाकृतियों में आदिवासी समाज की झलक देखने को मिलती है. इनका अधिकांश कार्य फिगरेटिव रहा. मनुष्य की उपस्थिति न भी हो तो उसका आभास रहता है. मनुष्य प्रकृति की सबसे सुंदर कृति है. चरित्र विशेष के आंतरिक सौंदर्य की अनुभूति को अभिव्यक्त करना ही इनकी प्राथमिकता है. ममता की पेंटिंग न केवल अर्थवत्ता प्रदान करती है, बल्कि उसमें अर्थों के लिए नये-नये आयाम खोलती है. इनकी कलाकृतियां दर्शकों के चित्त में उल्लास जगाती हैं. ममता कहती हैं कि पेंटिंग का मतलब सिर्फ रंग भरना नहीं है, यह ऐसा माध्यम है, जो बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह जाता है. लोहरदगा जिले के जिंगी तथा हजारीबाग के कदमा के ग्रामीण परिवेश में इन्होंने अपने जीवन के क्षण गुजारे हैं, इसलिए झारखंड के अप्रतिम सौंदर्य इन्हें रोमांचित करता है और इनके चित्रों में मूल रूप से झारखंड की कला संस्कृति पूरी तरह से आत्मसात किये दिखती है. इनकी बहुत सारी कलाकृतियां हमें सहज ही झारखंड की गलियों के दृश्य की याद दिलाती है. ममता को उम्मीद है कि वे अपने प्रयासों से समाज में परिवर्तन ला सकते हैं. ये कहती हैं अभी रुकना नहीं है, बहुत कुछ करना है और बहुत आगे जाना है.

आखर

आदिवासी, आदिवासियत और झारखंड आन्दोलन की पृष्ठभूमि में रची-बसी रचनाएं

रणेंद्र

लेखन के शुरुआती दौर से जो लेखक प्रेरक रहे हैं, उनमें पहला नाम महाश्वेता देवी का है और दूसरा नाम संजीव का. यह सच है कि मैं प्रोफेसर के घर जन्मा, प्रेमचंद, रेणु, अज्ञेय... सरीखे तमाम बड़े लेखकों को पढ़ा. धर्मयुग, सारिका, दिनमान जैसी स्तरीय पत्रिकाएं भी घर में नियमित आती थीं. मैला आंचल, राग दरबारी जैसी उत्कृष्ट रचनाएं मनोभाव पर छा गईं. लेकिन आदिवासी जीवन के हर रंग में डूबी महाश्वेता देवी का लेखन और फिर संजीव की रचनाओं ने जितना प्रभावित किया, शायद अन्य किसी ने नहीं.

संजीव के चार उपन्यास- सावधान नीचे आग है (1986), धार (1990), पांव तले दूब (1995) और जंगल जहां शुरू होता है (2000) में झारखंड और आदिवासी जीवन जिस तरह से प्रकट होता है, आप भौचक्के रह जाते हैं. ऊपर उल्लेखित तीन उपन्यास जहां झारखंड के कोयला खदान, आदिवासी, आदिवासियत और झारखंड आन्दोलन की पृष्ठभूमि में रचे-बसे कथ्य-भाषा-पात्र पाठक के दिल-दिमाग पर छा जाते हैं. वहीं "जंगल जहां शुरू होता है" बिहार के चंपारण के थारू आदिवासी समुदाय की दुख भरी दास्तां है जो पुलिस और डाकू, दोनों से प्रताड़ित थे. सबसे अधिक पीड़ित थारू समुदाय की महिलाएं थीं जिन्हें जाने क्या-क्या नहीं सहना पड़ा.

"सावधान नीचे आग है" धनबाद की चासनाला कोयला खदान की दुर्घटना (27 दिसंबर, 1975) पृष्ठभूमि पर लिखित उपन्यास है जिसमें हजारों खनिक मजदूरों की हृदय विदारक मौत हुई थी.

"धार" उपन्यास देवघर के निकट " सहारजोड़ " के संथालियों की सहकारी "जन खदान" के विध्वंस के त्रासदीपूर्ण यर्थाथ की दास्तां है. दरअसल यहां एक खदान की शुरुआत की गई थी. जिसके संचालन के बाद आदिवासियों के संगठन ने खुद कोल इंडिया को राष्ट्रीयकरण के लिए खत लिखा था, इस उम्मीद के साथ कि इससे रोजगार के नए अवसर यहां के लोगों को मिलेंगे. कुल मिलाकर लोग बेहतरी की उम्मीद में बेहद उत्साहित थे. आदिवासियों की यह मासूम और ईमानदार कोशिश माफिया व सिस्टम को पसंद नहीं आई और एक रात बुलडोजर चला कर उसे विध्वंस कर दिया गया.

"पांव तले दूब" झारखंड आन्दोलन की पृष्ठभूमि पर आधारित उपन्यास है. संजीव के लेखन की खासियत है फील्ड में उतर कर, घूमकर वस्तुस्थिति को समझना और लिखना. गठिया से पीड़ित संजीव के लिए यह आसान नहीं रहा है. इस शारीरिक सीमा के बाद भी उनकी लेखनी बंद कमरे की कोरी कल्पना नहीं है. भिखारी ठाकुर पर जब लिखने की सोची तो केवल भिखारी ठाकुर के जन्मस्थली ही नहीं गए, बल्कि उन तमाम गांवों में भी घूमे जहां भिखारी ठाकुर विदेसिया की प्रस्तुति के लिए जाया करते थे. उनके लेखन में यही संघर्ष, यही जिजीविषा शिद्दत से नजर आती है. कुल्टी में कारखाना बंद होने उसी प्रकार के विदर्भ के किसानों की आत्महत्याओं को समझने के लिए वे दो वर्षों में लगभग सभी पीड़ित परिवारों के घरों गए. उनके दुःख को महसूस किया. तब "फांस" उपन्यास आया. नौकरी छूटने के बाद हंस के कार्यालय में एक छोटे से कमरे में अपनी शारीरिक सीमा (गठिया) के बावजूद उन्होंने जो साहित्यिक योदगान दिया, वह भी अमूल्य है. बंधुआ मजदूर के परिवार से निकला यह शख्स हिंदी लेखन के इस ऊंचाई तक पहुंचा, अपने आम में एक मिसाल है.

२०२३ का साहित्य अकादमी पुरस्कार और संजीव

रामचंद्र ओझा

यथार्थ ज्ञान के सहारे अखबारों में रपटें लिखी जा सकती है, बड़ा रचनाकार बनना संभव नहीं है. इसके लिए भाषा, भाषा के भाव, निजी संवेदना, रचना-दृष्टि और रचना-कौशल बेहद जरूरी है. ये बातें संजीव बखूबी जानते हैं और इसपर अमल भी किया.

वैसे तो संजीव मूलतः एक कथाकार रहे किंतु बाद के वर्षों में उन्होंने कई महत्वपूर्ण उपन्यास भी लिखे. यह साहित्य अकादमी पुरस्कार भी उनके सद्यः प्रकाशित उपन्यास 'मुझे पहचानो' की बदौलत मिला है.

संजीव ने पहला उपन्यास ' सावधान नीचे आग है ' लिखा जो धनबाद के चास नाला में पानी भर जाने से मजदूरों की मृत्यु और इससे उत्पन्न मानवीय त्रासदी पर केन्द्रित है.

इस उपन्यास में चित्रित एक आदमी की 11 दिनों की 'लंबी मौत ' की दास्तान भुलाए नहीं भूलती. कितने लोग मरे और उसकी परिणति क्या हुई इसे संजीव उपन्यास में कैसे चित्रित करते हैं, इससे उनके क्रांतिकारी दृष्टि का पता चलता है.

" क्रिकेट की कमेंट्री चल रही है, इंडिया इज आल आउट फार फोर फिफ्टी थ्री, ...इसी बीच एनाउन्सिंग होती है, इन्दिरा हैज बीन शाट डेड बाइ हिज सेक्युरिटी मेन ! "

इसके बाद इन्होंने धार, पांव तले की दूब (गोरख पाण्डेय के जीवन पर आधारित), जंगल जहां से शुरू होता है (बेतिया के दस्यु उन्मूलन पर आधारित) , फांस (किसानों की आत्म हत्या), रह गईं दिशाएं इसी पार (स्लाटर हाउस में जानवरों पर किए जा रहे अत्याचार पर केंद्रित), प्रत्यंचा और लोक गायक भिखारी ठाकुर के जीवन पर आधारित सूत्रधार जैसे कई महत्वपूर्ण उपन्यासों का रचना की.

वस्तुतः संजीव को मैं स्कूल और कालेज के दिनों से जानता हूं. सुल्तानपुर (उ.प्र.) के एक छोटे से गांव बांगरकला के साधारण परिवार में जन्मे संजीव की स्कूली शिक्षा बंगाल के एक कस्बे कुल्टी की लौह नगरी में और फिर कालेज की पढ़ाई आसनसोल में हुई. इस प्रकार कुल्टी, आसनसोल और बंगाल का परिवेश ही इनकी कर्म भूमि रहा, जहां इनके व्यक्तित्व का निर्माण हुआ. इस्को के कुल्टी कारखाने में ही एक केमिस्ट के रूप में नौकरी भी की. बाद में नौकरी छोड दिल्ली चले गए, हंस पत्रिका में राजेन्द्र यादव से जुड़े और स्वतंत्र लेखन को अपने जीवन का आधार बनाया.

प्रायः सभी बड़े रचनाकारों की तरह संजीव ने अपना साहित्यिक लेखन कविताओं से प्रारंभ किया था. पूत के पांव पालने में ही देखे जाते हैं. उनकी एक प्रारंभिक कविता से उनके व्यक्तित्व की एक प्रमुख प्रवृत्ति का हमें आभास होता है.

" बचपन में सुनी थी एक कहानी/ दो मुंह वाले पक्षी की/ जब एक मुंह अमृत फल पा लिया/ और दूसरे को दिए बगैर ही खा लिया/ तो प्रतिशोध में दूसरे ने विष फल खा लिया/ और मजा पहले ने भी पा लिया/ आज बड़े होकर चारों ओर उसी दो मुंह वाले पक्षी को देखता हूं."

यह संजीव की केवल प्रारंभिक कविता नहीं है, बल्कि उनके व्यक्तित्व की एक झलक है. अतः यदि संजीव की कहानियों और उपन्यासों में प्रतिवाद का पुट विशेष रूप में मिलता है तो यह अकारण नहीं बल्कि उनकी अस्मिता का अटूट हिस्सा है. प्रतिवाद उनके साहित्य का स्थाई भाव तथा अन्याय के विरुद्ध आवाज रचनाओं का प्रमुख स्वर है.

संजीव का हिंदी साहित्य में पदार्पण सातवें दशक में उनकी कहानी "कहानी एक बीमा कंपनी" से होती है, जो सारिका में कथाकार कमलेश्वर ने छापी थी किंतु एक प्रगतिशील लेखक के रूप में उनकी पहचान नक्सलवाद पर लिखी 'अपराध' कहानी से हुई.

बताते चलें कि नक्सलवाद छठे और सातवें दशक में एक प्रमुख राजनीतिक विचारधारा के रूप में उभरा था. नक्सलवाद के महिमा मंडन में लिखी गई 'अपराध' हिंदी जगत की इस मिजाज की पहली कहानी है, एक प्रस्थान बिंदु.

कहानी आदर्शवादी है, जिसकी बुनियाद यथार्थ पर टिकी है. यह कहनी बहुत पसंद की गई जिसे युवा कहानी पुरस्कार प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला और फिर कथा जगत ने इन्हें हाथों-हाथ लिया और ये प्रसिद्धि के शिखर पर चढ़े.

अतः संजीव हमारे समय के ऐसे रचनाकार हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. किसी जमाने में प्रेमचंद, भीष्म साहनी और निर्मल वर्मा, बाद में मोहन राकेश, कमलेश्वर और राजेंद्र यादव की तिकड़ी को जैसे हम नहीं भुला सकते, वैसे ही इसके आगे की पीढ़ी के लेखकों में संजीव को भी नहीं भुलाया जा सकता. इन्हें भुलाना हिंदी वांगमय से एक खास विचार और खास भावधारा के लेखक को विस्मृत कर देने जैसा है.

संजीव की तुलना प्रायः प्रेमचंद से करने की कोशिश होती रही, जो ग़लत है. इसके कारण संजीव विवादों में घिरे रहे. संजीव इसलिए महत्वपूर्ण नहीं हैं कि उन्होंने प्रेमचंद का अनुसरण किया, बल्कि इसलिए कि जैसे सभी बड़े लेखकों की अपनी अलग शैली होती है, वैसे ही इनकी भी शैली अलग है, जो अपने आप अनोखी है. किसी से तुलना क्यों?

दरअसल संजीव पाठकों में जितना लोकप्रिय रहे, और जैसी उनके हृदय मे जगह बनाई, वैसी आलोचकों में नहीं. यदि किसी बड़े आलोचक की संजीव की रचना धार्मिकता की ओर दृष्टि पहले गई होती, जिस प्रकार कथाकार उदय प्रकाश या अन्यान्य कवि, कथाकारों और उपन्यासकारों पर गई, तो साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार संजीव को बहुत पहले मिल गया होता. संजीव को 2023 तक इस पुरस्कार के लिए प्रतीक्षा नहीं करनी होती.

कहानी और उपन्यास कला विधाएं है जिनका उद्देश्य किसी विषय से संबंधित भावों और विचारों से पाठक को ठीक उसी प्रकार संक्रमित करना है, जिस रूप और गहराई से खुद रचनाकार संक्रमित है. शिल्प और रचना कौशल की यही भूमिका है. यही कला भी है. अतः संजीव की वैचारिक प्रतिबद्धता से हमारी असहमति हो सकती है किंतु कला की दृष्टि से इनकी रचनाएं सभी वर्गों के पाठकों को आकर्षित करती हैं.

संजीव ने विपुल साहित्य रचा है. औरों ने भी तो रचें हैं. किंतु संजीव के लेखन की विशेषता उसकी संवेदन क्षमता है. "कथा एक चिर कुमार की", पुण्य की माटी, कठपुतली, मरोड़, टीस, आप यहां हैं या लौट चलो दुलारी बाई इत्यादि विशुद्ध यथार्थवादी कहानियां हैं, जिन्हें पढ़ते हुए हम भाव विभोर हो जाते हैं. ये उनकी प्रारंभिक रचनाएं हैं, जो वेदना और संवेदना आश्रित हैं, वहीं उनकी बाद की रचनाएं जैसे प्रेरणा श्रोत, मानपत्र, खोह का आदमी, खोज इत्यादि विचारधारा प्रधान हैं, जहां संवेदना का अभाव या इससे दुराव-छुपाव दिखता है. "दुनिया की सबसे हसीन औरत", "टीस" और "आप यहां हैं", वस्तुत : आदिवासी जीवन की बेहद संवेदनशील, खूबसूरत रचनाएं हैं.

संजीव की कुछ रचनाएं प्रतीकात्मक (सिम्बोलिक) भी हैं. वे प्रतीकों के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों का चित्र उकेरने में सफल रही हैं. ऐसी कहानियों में बाढ़, प्याज के छिलके, ट्रैफिक जाम और कहानी पिशाच को उद्धृत किया जा सकता है. शिल्प और ट्रीटमेंट के लिहाज से 'पिशाच' कहानी के उच्चतम मानकों को छूती हैं. यह मुझे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की एक श्रेष्ठ कहानी लगी थी.

संजीव ने मिलावट, आक्टोपस इत्यादि नाटक भी लिखे तथा "धर्म क्षेत्रे अंगार क्षेत्रे" शीर्षक से अखबार के प्रारंभिक दिनों में वर्षों एक कालम भी लिखा.

संजीव न केवल अतिवाम विचारधारा से जुड़े रहे बल्कि समय की हवा के अनुसार मन, कर्म और वचन तीनों से विचारधारा उनके जीवन की आस्था का केंद्र रहा है. इन सबके बावजूद वे एक सहज, दोस्त परस्त और मृदुल स्वभाव के व्यक्ति रहे. उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए हार्दिक बधाई और ढेरों शुभकामनाएं.

हम सबने उनकी कहानियों का बनना देखा-सुना

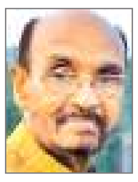

कुमार बृजेंद्र

बंगाल के आसनसोल के पास का एक कस्बा- कुल्टी. सातवें दशक का आरंभ. कोयला और लौह उद्योग में खपे उत्तर प्रदेश और बिहार के मेहनतकश. ऐसे ही एक परिवार का जवान होता लड़का, नक्सलबाड़ी उभार की आंच में पकता. संजीव को साहित्य अकादमी मिलना इस पूरे परिदृश्य के प्रति उनकी दृष्टि पर मुहर लगने जैसा है.

'किस्सा बीमा कम्पनी के एजेंट का' पहली कहानी सारिका में छपी. लेकिन चर्चा में आए नक्सलवाद के सैद्धांतिकी की तलाश करती कहानी 'अपराध' से. संजीव के निर्माण में नरेन्द्र ओझा, भोला सिंह, नरेन आदि का बहुत योगदान रहा. भोला सिंह, नरेन, सृजय, मदन कश्यप, नारायण समीर, अनवर शमीम, कुमार बृजेंद्र और संजीव. यही था उनका वृत्त जिसमें उठना-बैठना और जीना में सभी लोग संजीव के बेहद पारिवारिक और संजीव जी के परिवार से भी सबका जुड़ाव. हम सब ने उनकी कहानियों का बनना देखा-सुना. उपन्यासों के पीछे लिए गए नोट्स देखे हैं. एक विद्यार्थी की तरह संजीव अपने पात्रों के आस पास के गहरे उतर कर अध्ययन करते और तब लिखते.

संजीव जी पारिवारिक संबंधों को जीने और बरतने वाले रहे हैं. यथार्थ की कलात्मक प्रस्तुति के संदर्भ में संजीव सर्वश्रेष्ठ हैं. उनका रचनाफलक विविधताओं से भरा है. सहज और प्रवाहमय भाषा उसके स्वाभाविक कवि की सौगात है.

प्रत्येक रचना के पीछे उनकी मेहनत और ईमानदारी उन्हें न सिर्फ हिन्दी बल्कि विश्व - कथा-संसार में बहुत ऊंचे स्थापित करती है.

जंगल : अरण्य का कैलिडोस्कोप

समीक्षा

राकेश कुमार सिंह

अपने समय की महत्वपूर्ण पत्रिकाओं (धर्मयुग, साप्ताहिक हिंदुस्तान आदि-इत्यादि) में कहानियों -कविताओं के द्वारा नियमित उपस्थिति दर्ज करने वाले झारखंड के हिंदी साहित्य की प्रथम पीढ़ी के अग्रपंक्तेय वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अशोक प्रियदर्शी जी ने कहानी, कविता, व्यंग्य, नाटक, गीत, आलोचना, विनिबंध आदि-आदि विधाओं में प्रभूत लेखन किया है और अब लगभग 86-87 वर्ष की आयु में उनके पहले (फिलहाल) उपन्यास का प्रकाशन सुखद ही नहीं, विस्मयकारी भी है.

कैलिडोस्कोप में कोई एक दृश्य आंखों के सामने देर तक नहीं ठहरता अपितु क्षण-क्षण रंग-दृश्य बदलते रहते हैं. यहां भी उपन्यास इक्कीस छोटे-छोटे अध्यायों में है. हर अध्याय का शीर्षक किसी चरित्र का नाम है जिसके सहारे कहानी आगे बढ़ती है. यों हर अध्याय अपने आप में एक मुकम्मल कहानी का आभास देता है और आगे वह चरित्र कथासूत्र को जोड़ने वाला गौण पात्र या फिर नेपथ्य में..! उपन्यास के आदि से अंत तक जो चरित्र उपस्थित है वह है सिसीलिया उर्फ सिसला और यह सिसला...?

सिसला पुरनापानी गांव के जोहन सांगा की तीसरी बेटी है. दो और बेटियां हैं फिलोमिना और स्कोलेस्टिका. जोहन-मरियम दंपति का एक बेटा भी है, ब्रीसियस उर्फ बिरिस. गरीबी रेखा की तलछट इस परिवार के सदस्य सयाने होते ही अपने रास्ते खुद चुन कर एक-एक गांव से निकलते जाते हैं और परिवार बिखरता जाता है.

बिरिस नक्सली संगठन से जुड़ जाता है, फिलोमिना फौजी डेविड के साथ ब्याह कर चली जाती है और स्कोलेस्टिका देह-व्यापार के एजेंट माइकल और सुखमनी के सब्जबाजी बहकावे में आकर दिल्ली निकल पड़ती है. पीछे रह जाते हैं जोहन, मरियम और सिसला. आगे की कहानी सिसला के जीवन संघर्ष और उतार-चढ़ाव... बल्कि उतार ही उतार (दैहिक-भौतिक शोषण) की कथा या व्यथा है.

उपन्यास का कलेवर बड़ा नहीं है परन्तु इसका कथ्य झारखंड विशेष कर जंगल-समाज के अनेक कोनों-अंतरों तक पहुंचता है जहां विस्थापन है, नक्सलवाद के कारण-परिणाम हैं, डायन प्रथा है, जंगल में ईसाई मिशनरियों का प्रवेश एवं उनके प्रभाव-परिणाम हैं, धर्मांतरण है, आदिवासी जीवन-संस्कृति-आहार-व्यवहार हैं... पात्र-चरित्र आते हैं - जाते हैं, पीछे रह जाता है वही जंगल का जंगल जो आदमी के बाहर भी है और भीतर भी...अपनी समस्त बीहड़ताओं, भयावहताओं, विडंबनाओं, विद्रूपताओं और समस्याओं के साथ.

इस उपन्यास में कई स्त्री-चरित्र हैं और ये स्त्रियां निर्द्वन्द भाव से पुरुषों के एकांत में आती-जाती रहती हैं. नैतिक -अनैतिक या यौन-शुचिता बोध नागरीय समाज जैसा नहीं है बावजूद इसके "जंगल" यौन-प्रसंगों के ग्राफिक डिटेल (चटखारेदार विवरण) में नहीं जाता. साहित्य के पाठक चित्तकोबरा (मृदुला गर्ग), सूरजमुखी अंधेरे के (कृष्णा सोबती), ट-टा प्रोफेसर (मनोहर श्याम जोशी) या चाक/अल्मा कबूतरी (मैत्रेयी पुष्पा) पढ़ चुके हैं फिर तो जंगल के ऐसे प्रसंग तो दाल में नमक की भांति हैं.

उपन्यास का शिल्प भी कुछ अलग है मानों लेखक उपन्यासकार कुछ लिख नहीं रहा वरन् पाठकों से सीधा संबोधित होते हुए जंगल की देखी-सुनी कहानियां कह रहा है. कुछ इस तरह.. मतवार तो वह था. मतवार समझते हैं न ? मतवाला शराबी समझ लीजिए."

कई संवादों-प्रसंगों की ओट से लेखक का व्यंग्यकार झांकता दिखता है. इस गल्प का शिल्प संस्मरण, डायरी, बतकही और किस्सागोई के यौगिक से रचा गया है.

किस्से में "जो नहीं है" उस पर बात करने से बेहतर होता है "जो है" उस पर बात करना बावजूद इसके उपन्यास पढ़ चुकने के बाद कुछ खलिश-सी रह जाती है. पहली यह कि कलेवर के लिहाज से अवसर था और स्थान भी परन्तु उपन्यास किसी समस्या पर तनिक देर तक नहीं ठहरता. जंगली हवाओं की भांति तने-डालियों-पत्तों को छूता-डुलाता है और आगे निकल जाता है.

दूसरी खलिश कि उपन्यास का हर स्त्री- चरित्र एक ही रंग-सांचे (ग्रे शेड-देहार्पण) में ढला है. वह चरित्र जो उपन्यास में आद्योपांत उपस्थित है...सिसला, वह तो पंचायती हुक्का बन कर रह गई है. जो भी पुरुष उसके जीवन में आता है (जेलर, दिलीप, केंडूलना, तिलकधारी सिंह, स्टीफन, जायसवाल, प्रोफेसर श्रीवास्तव और सलीम मियां) सिसला का दैहिक या भौतिक शोषण कर उसके जीवन से निकल जाता है. सिसला की यह त्रासद नियति सालती है.

चूंकि उपन्यासकार झारखंड से ही आते हैं, लंबे समय तक झारखंड में सुदूर मरमडेंगा (सिमडेगा ?) में ही पदस्थापित एवं कार्यरत रहे हैं और उपन्यास की घटनाएं-चरित्र अनुभवजनित हैं तो...घटनाएं और चरित्र रोजनामचे की भांति दर्ज की जाती रही हैं तो प्रस्तुत उपन्यास में जंगल-समाज को लेकर कुछ पुरानी धारणाएं, स्थापनाएं और रूढ़ियां ध्वस्त हो रही हैं क्योंकि कोई रचना रोजनामचा भले नहीं होती परन्तु रचनाएं जन्मती इसी रोजनामचे से हैं.

खत्म हो गया प्रेम का एक खूबसूरत अध्याय

वीणा श्रीवास्तव

कल प्रेम का एक खूबसूरत अध्याय संपन्न हो गया. एक ऐसा खूबसूरत अध्याय जिसमें प्रेम ही प्रेम था. पंक्तियों में प्रेम और पंक्तियों के बीच रिक्त स्थान से प्रेम. गिनती के कोई पन्ने नहीं, अनवरत लिखा जा रहा था प्रेम का अद्भुत उपन्यास. कल लब्ध प्रतिष्ठित चित्रकार इमरोज़ जी नहीं रहे. वही अमृता प्रीतम वाले इमरोज जी. इतनी शिद्दत से चाहने वाला कोई दूसरा इमरोज़ नहीं हुआ. उनसे पहली मुलाकात करीब दस-ग्यारह साल पहले हुई थी जब मैं दिल्ली अपनी एक मित्र के घर रुकी थी. साहित्यिक चर्चा के अमृता जी और इमरोज़ जी की बात आई. और फिर फोनकर अगले दिन मिलने भी चली गई. हर तरफ अमृता जी की पेंटिंग्स. पहली ही मुलाकात तीन-चार की घंटे रही. उन घंटों में उन्होंने सिर्फ अमृता जी के बारे में ही बात की और उनकी खासियत थी कि जब वह अमृता जी के बारे में बात करते थे तो उन्होंने कभी यह नहीं कहा अमृता ऐसा करती थी या वैसा करती थी. उन्होंने हमेशा कहा अमृता रात में लिखती है. उसकी आदत है लिखते समय चाय पीना और मैंने हमेशा ही बिना कहे बनाकर रख दी. जैसे हर पल उन्होंने अमृता को ही जीया. वापस आने के बाद मेरे मन में इच्छा हुई कि काश मेरे लम्बी कविताओं के संकलन के लिए इमरोज़ जी कवरपेज बना दें. मैं फिर दिल्ली गई और मिली. बड़ी हिम्मत करके अपनी इच्छा जाहिर की. उन्होंने कहा मैं अमृता के लिए ही बनाता था. मैंने कहा, आप अपने हाथ से एक स्ट्रोक लगा दीजिए, एक लकीर ही खींच दीजिए, एक गोला बना दीजिए, वही कवर पेज होगा. मैं उदास हो गई थी. पता नहीं क्या हुआ, कुछ देर बाद बोले, अरे भाई हमें भी तो कविता पसंद आनी चाहिए. तभी तो कुछ बनाएंगे. मैं तो पूरे इंतजाम से गई थी. तुरंत पांडुलिपि निकाली और थमा दी. उन्होंने उलट - पलटकर पांडुलिपि देखी फिर बोले बाद में देखूंगा. कोई कविता पसंद आएगी तभी बनाऊंगा. मैं वापस आ गई थी.

कुछ समय बाद फोन किया तो बोले अभी नहीं बनी. लम्बे इंतजार के बाद मैंने उन्हें खत लिखा. खत लिखे भी एक महीना हो गया, उसका जवाब नहीं आया. मैं लखनऊ जा रही थी. ट्रेन पर बिठाने के बाद राजेंद्र जी जैसे ही घर आए, एक पैकेट मिला. उन्होंने खोला तो उसमें एक पेंटिंग, कविता के साथ एक खत मिला. राजेंद्र जी ने तुरन्त फोन किया और बताया कि इमरोज़ जी ने लड़की की सुंदर- सी पेंटिंग भेजी है. यकीन मानिए मन कर रहा था काश ट्रेन रुक जाए और मैं तुरंत वो पेंटिंग देखूं. फिर राजेंद्र जी ने सबकी फोटे खींचकर मुझे व्हाट्सअप किया. कविता भी खासी चर्चित रही थी और मुझे तो उस कविता का बेशकीमती उपहार मिल गया था. लम्बी कविताओं के संकलन का कवर पेज वही था. उसके बाद भी कई बार मिलना हुआ. कुछ समय पहले जब दिल्ली गई थी तो फोन किया मगर उनकी तबियत खराब थी तो उनकी बहू ने कहा कि बीमार हैं, नहीं मिल सकेंगे. फिर मेरा जाना नहीं हुआ और अब दिल्ली जाकर एक खालीपन लगेगा.

स्मृतिशेष इमरोज

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

बेतिया शहर के बीचों-बीच लगी भीषण आग

बेतिया। बेतिया में कॉस्मेटिक दुकान में आग लगी है. शहर के बीचों-बीच लाल बाजार में भीषण आग को देखकर लोगों में अफरा-तफरी मच गई है. फिलहाल मोहल्ले में कई घरों में लोग फंसे हैं. आग लगने के कारण शहर में कोहराम मचा हुआ है. सूचना के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई. चार मंजिला इमारत में आग लगने की वजह से फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों को आग पर काबू पाने में काफी मुश्किल हो रही है. बता दें कि शहर के बीच स्थित लाल बाजार के चर्च रोड के चार मंजिला इमारत में आग लगी है. इमारत में जहां आग लगी है वहां एक कॉस्मेटिक की दुकान है.

दरभंगा: महिलाओं से 30 लाख रु की ठगी

दरभंगा। दरभंगा में महिलाओं से 30 लाख की ठगी हुई है. जिले के सिंहवाड़ा प्रखंड के सिमरी पंचायत में एक आवासीय परिसर में संचालित समृद्धि माइक्रो फाइनेंस कंपनी का कार्यालय बंद कर लाखों रुपये लेकर फरार होने खबर सामने आई है. सूचना पर सैकड़ों महिला-पुरुष खाता धारकों ने स्थानीय थाना पहुंचकर आक्रोश व्यक्त किया. फाइनेंस कंपनी के कार्यालय के मुख्य द्वार पर तालाबंदी को देख कर खाता धारक ने हंगामा किया और आरोपी के गिरफ्तारी की मांग करने लगे. वहीं सिमरी थाना के प्रशिक्षु दारोगा सुधांशु कुमार ने मकान मालिक शमीम को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे है.

महिला सिपाही ने ट्रक चालक को हंटर से पीटा

बक्सर। बक्सर में महिला सिपाही की दबंगई देखने को मिली है. उसने नो एंट्री में घुसे ट्रक चालक को बेरहमी से पीटा है. महिला सिपाही ने पहले उसको जमीन पर गिराया और उसके बाद हंटर और बूट से जमकर पिटाई कर दी. इस दौरान महिला सिपाही की दादागिरी को किसी ने कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर डाल दिया. वहीं वीडियो वायरल होने के बाद एसपी मनीष कुमार ने उसे सस्पेंड कर विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया है. मिली जानकारी के अनुसार सिपाही का नाम अमृता कुमारी है, जो औद्योगिक थाना क्षेत्र के सिंडिकेट गोलंबर पर ड्यूटी कर रही थी.

विश्व शांति के लिए दलाई लामा सहित कई विद्वानों ने की विशेष प्रार्थना

संवाददाता।बोधगया

33 देशों के बौद्ध धर्म के विद्वान और श्रद्धालु शामिल हुए

राज्य के बोधगया में महाबोधि मंदिर स्थित स्तूप के समीप शनिवार सुबह बोधि वृक्ष के नीचे विश्व शांति के लिए विशेष प्रार्थना की गई. इसमें तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा के साथ 33 देशों के बौद्ध धर्म के विद्वान और श्रद्धालु शामिल हुए.

इस दौरान दलाई लामा ने कहा कि बोधगया पावन भूमि है, जो विश्व के विशेष स्थलों में से एक है. यहां बुद्ध भूमि में आने पर हर किसी को शांति मिलती है. इस पावन भूमि में भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी. यहां विश्व से लोग भगवान बुद्ध के दर्शन करने के लिए आते हैं. यहां सभी को शांति मिलती है. बोधगया विश्व की खास स्थली है.

महाबोधि मंदिर में विश्व शांति की कामना को लेकर हुए विशेष प्रार्थना में बुद्धं शरणं गच्छामि से मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया. विश्व शांति की प्रार्थना बौद्ध विद्वानों एवं श्रद्धालुओं ने अपने-अपने देश की भाषाओं में की. भारतीय भाषा के साथ विश्व शांति की कामना की प्रार्थना शुरू हुई. इसके बाद श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, बांग्लादेश, कंबोडिया, ताइवान, कोरिया, वियतनाम, तिब्बत जापान आदि देशों की भाषाओं में विश्व शांति की प्रार्थना की गई. तकरीबन पांच मिनट अलग-अलग देश की भाषाओं में विश्व शांति की कामना को लेकर विशेष प्रार्थना हुई. उल्लेखनीय है कि तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा 15 दिसंबर को बोधगया पहुंचे थे. वे बोधगया स्थित तिब्बत मंदिर में प्रवास पर हैं. दलाई लामा बोधगया में 26 दिनों के प्रवास पर आये हुए हैं. इस दौरान तिब्बती मंदिर से लेकर महाबोधि मंदिर तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- बिहार युवक संघ की स्थापना किस वर्ष हुई थी – 1928
- लोकसभा में किस आधार पर सीटें बांटी जाती हैं – जनसंख्या
- किस बीमारी के इलाज के लिए संकल्प प्रोजेक्ट बनाया गया था – एचआईवी
- बिहार केसरी किसे कहा जाता है – श्री कृष्ण सिंह
- बहमनी सल्तनत के संस्थापक कौन थे – अलाउद्दीन बहमन शाह
- भारत के किस पड़ोसी देश ने टिकटॉक पर बैन लगाया है – नेपाल
- बिहार के किस जिले में अभ्रक मिट्टी पाई जाती है – नवादा
- भारत में सोंगमो झील कहां पर है – सिक्किम
- बिहार राज्य चीनी निगम लिमिटेड कहां स्थित है – पटना
- भारत में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है – उत्तर प्रदेश

गिरिराज सिंह ने आईएनडीआईए गठबंधन एवं राहुल पर बोले हमला

बिहार में जदयू का राजद में बहुत जल्द हो जाएगा विलय

संवाददाता।बेगूसराय

केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने जल्द ही जदयू का राजद में विलय होने का दावा किया है. उन्होंने कर्नाटक सरकार, आईएनडीआईए गठबंधन एवं राहुल गांधी पर भी जोरदार हमला किया है. बेगूसराय प्रवास पर आए गिरिराज सिंह ने शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए जोरदार हमला किया है. गिरिराज ने कहा है कि बिहार में राजनीतिक घटनाक्रम बहुत तेजी से बदल रहा है. जल्द ही नीतीश कुमार की पार्टी जदयू का राजद में विलय हो जाएगा. दिल्ली से आने के दौरान हवाई जहाज में लालू यादव ने कान में महत्वपूर्ण बातें कही है. उस पूरी बात का राजनीतिक दृष्टिकोण से खुलासा नहीं करूंगा. लेकिन उनकी बात से यह स्पष्ट हो गया है कि जदयू का राजद में बहुत जल्द विलय हो जाएगा. सिंह ने कहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार ने हिजाब पर लगाए गए प्रतिबंध को हटा दिया है. यह सिर्फ हिजाब पर से प्रतिबंध हटाना नहीं है, बल्कि इस्लामिक सरिया कानून को स्थापित किया गया है. आईएनडीआईए गठबंधन और राहुल गांधी की जहां भी सरकार बनेगी, वहां इस्लामी कानून और सरिया कानून लागू होगा. इसी तरह की साजिश चल रही है. जहां कहीं भी आईएनडीआईए गठबंधन और कांग्रेस की सरकार बनेगी. वहां-वहां इस्लामी कानून लागू किया जाएगा, भाजपा इसका विरोध करती है. यह सनातन के खात्मे का सुनियोजित तरीका है. एक तरफ हलाल और दूसरी तरफ यह इस्लामी सरिया कानून गलत है. भारतीय जनता पार्टी जहां-जहां ऐसा होगा वहां विरोध करती रहेगी.

उन्होंने कहा कि वीके पांडियन द्वारा प्रतिष्ठित जगन्नाथ मंदिर के भीतर बीफ प्रमोटर को अनुमति देना धर्म, इतिहास और आध्यात्मिकता की उपेक्षा है. जिम्मेदार लोगों पर त्वरित और गंभीर करवाई होनी चाहिए. बीफ प्रमोटर को मंदिर में घुसने का कोई अधिकार नहीं है. पांडियन को मंदिर के पुजारी एवं देश के सभी हिंदुओं से भी माफी मांगनी चाहिए. उड़ीसा में ही नहीं पूरे देश में इसका विरोध होना चाहिए.

बेगूसराय में लगातार हो रही घटनाओं को लेकर भी गिरिराज ने सवाल उठाया है. उन्होंने कहा कि लालू यादव के शासनकाल में 90 के दशक में जब जंगलराज चल रहा था तो यहां डॉ. रामाश्रय सिंह का अपहरण हो गया. डॉ. प्रेमचंद से फिरौती लिया गया, उसकी फिर से शुरुआत हो गई है. जंगलराज-2 में डॉ. रुपेश कुमार को पत्र लिखकर बदमाशों ने 20 करोड़ की रंगदारी मांगी है. पुलिस अभी तक अपराधी के पास नहीं पहुंची है. उन्होंने कहा कि ऐसे में लालू यादव और नीतीश कुमार बताएं कि यहां के कारोबारी आखिर बेगूसराय में कैसे रहें, वे कहां जाएं. बेगूसराय में चार सौ से अधिक डॉक्टर हैं, सभी डॉक्टर और व्यवसायी दहशत में हैं, परेशान हैं. शराब माफिया पुलिस अधिकारी को कुचलकर मार देते हैं. अपराधियों का तांडव तेज हो गया है.

तेजस्वी को ईडी ने फिर भेजा समन, 5 को बुलाया

पटना। नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को समन भेजा है. उन्हें 5 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया गया है. इससे पहले भी ईडी ने तेजस्वी को समन जारी कर 22 दिसंबर को बुलाया था. लेकिन वो ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे. उन्होंने अपने वकील के माध्यम से ईडी से पूछताछ के लिए दूसरी तारीख मांगी थी. बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को भी समन जारी कर 27 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है. हालांकि लालू ईडी दफ्तर पहुंचेंगे या नहीं इस पर संशय बना हुआ है. लालू पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस जायेंगे या नहीं ये तो 27 दिसंबर को ही पता चलेगा. बता दें कि जमीन के बदले नौकरी मामले में सीबीआई की टीम लालू और उनके करीबियों के घर छापेमारी की थी. सीबीआई के अधिकारी राजद प्रमुख और उनके परिवार वालों से लगातार पूछताछ कर रहे हैं.

क्या ललन को आउट कर जदयू की बागडोर खुद ही संभालेंगे नीतीश

पटना। इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद बिहार में सियासत तेज है. इधर जदयू ने भी 29 दिसंबर को राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक एक साथ बुलायी है. सूत्रों की मानें तो बैठक के बाद राज्य में सियासी भूचाल आ सकता है.

खबर है कि बैठक में राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को जदयू पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाया जा सकता है. उनकी जगह नीतीश कुमार खुद यह पदभार संभाल सकते हैं. या फिर किसी ऐसे नेता को पार्टी का अध्यक्ष बना सकते हैं जो उनकी हां में हां मिलाये. सूत्रों की मानें तो इस लिस्ट में सबसे पहला नाम जदयू के सांस रामनाथ ठाकुर का है.

लालू-तेजस्वी से ललन की बढ़ती नजदीकियों से नीतीश नाराज : खबर यह भी है कि ललन सिंह की राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के साथ बढ़ती नजदीकियों से नीतीश कुमार नाराज हैं. वह पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं से भी नाराज हैं. क्योंकि इन लोगों ने इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं के सामने नीतीश की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को अच्छे से नहीं रखा. ऐसे में नीतीश कुमार 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में खुद पार्टी अध्यक्ष का पद संभालेंगे या फिर जो उनकी हां में हां मिलाये उसे पार्टी की बागडोर का जिम्मा देंगे. इन सभी अटकलों पर 29 दिसंबर को बैठक के बाद विराम लग जायेगा.

यूट्यूबर मनीष कश्यप नौ महीने के बाद जेल से रिहा

संवाददाता।पटना

यूट्यूबर मनीष कश्यप करीब नौ महीने के बाद जेल से बाहर आ गए. इस दौरान पटना में उनके समर्थकों ने हीरो की तरह उनका स्वागत किया. मनीष कश्यप ने हुंकार भरते हुए कहा कि वह जो काम करते थे आगे भी वही काम करेंगे. बिहार के आम लोगों की आवाज बनेंगे. साथ ही कहा कि उनके समर्थकों के दुआ और आशीर्वाद के कारण वह आज बाहर आए हैं. उनके समर्थकों ने हर कदम पर उनका साथ दिया है. इसके लिए कश्यप ने समर्थकों को धन्यवाद भी दिया. मनीष कश्यप ने कहा कि वह नौ महीनों में कंस के कब्जे में थे. जैसे कृष्ण भगवान नौ महीने के बाद कंस के कारागार से बाहर आए थे वैसे ही वह भी कंस रूपी कुछ लोगों की चंगुल से बाहर आ गए हैं. मनीष कश्यप के समर्थकों ने हमारा शेर आ गया का नारा भी लगाया.

मनीष को जेल से मुक्त करने के मिले आदेश के बाद पटना के आदर्श केन्द्रीय कारा बेऊर जेल के मुख्य द्वार पर मनीष कश्यप के समर्थकों और प्रशंसकों का तांता लगा हुआ था. सैकड़ों की संख्या में लोगों की भारी भीड़ ने बेऊर जेल प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी थी. कश्यप के बाहर आते ही उनके समर्थकों ने उनका अभिवादन किया. उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट से मिली जमानत के आधार पर आर्थिक अपराध इकाई की पटना सिविल कोर्ट स्थित विशेष न्यायालय ने यूट्यूबर मनीष कश्यप के रिहाई के आदेश जारी किया था. आर्थिक अपराधी इकाई की विशेष न्यायाधीश सारिका वहालिया ने मुक्ति के आदेश अभिरक्षा में पेशी के दौरान यूट्यूबर कश्यप द्वारा हथकड़ी पहने बयान देने मामले में हुई है. तमिलनाडु में बिहारी मजदूरों के साथ हिंसा के फर्जी वीडियो जारी करने के तीन अन्य मामलों में मनीष कश्यप उर्फ त्रिपुरारी कुमार के जारी पेशी वारंट को उसके अनुरोध पर वापस ले लिया गया. बाकी अन्य तीन मामलों में मनीष कश्यप की जमानत हो चुकी है.

कारोबार

विद्युत उत्पादन 8.39 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। घरेलू कोयला आधारित बिजलीघरों से विद्युत उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 8.38 प्रतिशत बढ़कर 779.1 अरब यूनिट रहा. एक अधिकारिक बयान में शनिवार को कहा गया कि एक साल पहले इसी अवधि में घरेलू कोयला आधारित बिजलीघरों से विद्युत उत्पादन 718.83 अरब यूनिट रहा था. कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश में बिजली उत्पादन आलोच्य अवधि में 7.71 प्रतिशत बढ़ा है. कुल मिलाकर कोयला आधारित बिजलीघरों से उत्पादन में 11.19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

आईटीआर रिटर्न फॉर्म एक और 4 अधिसूचित

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न फॉर्म एक और चार को अधिसूचित कर दिया है. इस फॉर्म को 50 लाख रुपये तक की कुल सालाना आय वाले व्यक्ति और इकाइयां भरते हैं. इससे व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के अलावा, 50 लाख रुपये तक की आय वाली कंपनियां और चालू वित्त वर्ष (अप्रैल 2023-मार्च 2024) में कारोबार और पेशे से आय अर्जित करने वाले वाले लोग इस वित्त वर्ष में अर्जित आय के लिए रिटर्न दाखिल करना शुरू कर सकते हैं.

आरबीआई ने दो लाख रुपये का जुर्माना ठोका

ठाणे। आरबीआई ने ठाणे जिला केंद्रीय सहकारी (टीडीसीसी) बैंक पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. यह जुर्माना बैंक के एक निदेशक को कर्ज स्वीकृत करके बैंक नियमों के कथित उल्लंघन के लिए लगाया गया है. आरबीआई ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी. विज्ञप्ति के अनुसार, आरबीआई ने 28 जनवरी को जारी आदेश के तहत बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 20 और 56 के उल्लंघन के लिए टीडीसीसी बैंक पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया. नाबार्ड ने सहकारी बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में 31 मार्च, 2022 को निरीक्षण किया था.

खाद्य तेलों के आयात पर कस्टम ड्यूटी में 5% छूट का फैसला

मसूर दाल के आयात पर कस्टम ड्युटी शून्य

भाषा।नयी दिल्ली

पिछले कुछ वर्षों में दालों का उत्पादन बढ़ा है

12.5 प्रतिशत घटाया गया

इसे घटा कर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया था. यह फैसला मार्च 2024 तक के लिए लागू था. अब सरकार ने छूट की अवधि को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है. मतलब कि 12.5 प्रतिशत का रेट मार्च 2025 तक लागू रहेगा. दाल तो भारत को बाहर से काफी कम मंगाना पड़ता है. लेकिन, खाद्य तेलों के मामले में भारत आयात पर कुछ ज्यादा ही निर्भर है. भारत एडिबल ऑयल की अपनी 60 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरा करता है. खाद्य तेलों के आयात में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी पाम ऑयल की ही है. भारत साल भर में जितना खाद्य तेल आयात करता है, उनमें से करीब 60 प्रतिशत तो पाम ऑयल ही होता है.

सरकार ने फिर दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जिससे गरीब समेत हर किसी को राहत होगी. पहला निर्णय है खाद्य तेलों के आयात पर लगे कस्टम ड्यूटी में एक साल के लिए पांच प्रतिशत की छूट का है. दूसरा निर्णय मसूर दाल के आयात पर कस्टम ड्यूटी को एक साल के लिए शून्य रखने का है. सरकार का यह कदम उन लोगों की मदद करना का है जो अपनी थाली में रोजगार को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. जाहिर है इसका सीधा असर गरीब वर्ग के लोगों पर पड़ेगा. इस कदम के माध्यम से सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि गरीब लोग अपनी जीवनयापन की बुनियादी चीजों को सही मूल्य पर प्राप्त कर सकें. खासकर, खाद्य तेलों और मसूर दाल को लेकर लिए गए इन निर्णयों से, जो आम आदमी की थाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वह लोग अब इन आवश्यक आहार सामग्रियों को प्राप्त करने में सुधार महसूस करेंगे.

इसके साथ ही, सरकार का उद्देश्य यह भी है कि वे व्यक्तियों को अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद करने के लिए कदम उठा रही है. यह समझना महत्वपूर्ण है कि सामाजिक न्याय की दिशा में यह निर्णय एक सकारात्मक परिवर्तन लाएगा और उन्हें जीवन की उत्कृष्टता की दिशा में बढ़ावा प्रदान करेगा.

घरेलू बाजार में मसूर दाल की सप्लाई उचित कीमत पर बनी रहे, इसके लिए सरकार ने इस पर अभी आयात की शर्तों में राहत दी हुई है.

खास बातें

- सरकार का फैसला मार्च 2024 तक के लिए प्रभावी
- 2022-23 में 278 .10 लाख टन दलहन पैदा हुआ था

सरकार ने मसूर दाल पर प्रभावी आयात शुल्क को शून्य किए हुए है. यह फैसला मार्च 2024 तक के लिए प्रभावी है. अब इस फैसले को लागू होने की अवधि को एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है. मतलब कि अब मार्च 2025 तक यह कमोडिटी जीरो कस्टम ड्यूटी पर इंपोर्ट होगा.

यूं तो पिछले कुछ वर्षों में दालों का उत्पादन बढ़ाया गया है. साल 2022-23 में 278.10 लाख टन दलहन पैदा हुआ था, जो कि अब तक का सर्वाधिक है. लेकिन खपत इससे भी ज्यादा की है. दुनिया भर में दाल उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत की है, जबकि खपत में हिस्सेदारी 28 प्रतिशत की है. इसी तीन प्रतिशत के गैप को भरने के लिए भारत को हर साल करीब 25 से 27 लाख टन दाल का आयात करना होता है.

सुंदरम होम फाइनेंस छोटे कारोबारियों को भी देगा कर्ज

चेन्नई। वित्तीय कंपनी सुंदरम होम फाइनेंस ने तमिलनाडु में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के उद्देश्य से राज्य के उत्तरी भाग में कदम रखा है. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी सुंदरम फाइनेंस लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ने क्षेत्र में परिचालन के पहले वर्ष में 10 करोड़ रुपये के कर्ज वितरित करने की योजना बनायी है है. सुंदरम होम फाइनेंस ने कांचीपुरम में एक छोटे कारोबारियों को कर्ज देने को लेकर विशेष इकाई स्थापित की है. यह इकाई ऐसे छोटे कारोबारियों को 20 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करेगी. कांचीपुरम में शाखा का उद्देश्य क्षेत्र के साथ-साथ पड़ोसी चेय्यर, वंदावसी, अरक्कोणम, वालाजाबाद, ओरागदम और श्रीपेरंबदूर में छोटे कारोबारियों को सेवा देना है. कंपनी ने अक्टूबर, 2022 में लघु व्यवसाय ऋण खंड में प्रवेश किया और संचालन के पहले वर्ष में 65 करोड़ का कर्ज वितरण करते हुए तमिलनाडु के दक्षिण और पश्चिमी हिस्सों में 25 विशिष्ट शाखाएं शुरू कीं. एमडी लक्ष्मीनारायणन दुरईस्वामी ने कहा, कांचीपुरम एक व्यापारिक केंद्र है और वहां के एसएमई हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं.

ब्रह्मोस, आकाश व तेजस की विदेशों में डिमांड

मोदी के कार्यकाल में 23 गुना बढ़ा भारत का रक्षा निर्यात

एजेंसी।नयी दिल्ली

वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा निर्यात का आंकड़ा 2014 के मुकाबले 23 गुना बढ़कर 16,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. भारत में निर्मित ब्रह्मोस, आकाश मिसाइल, तेजस की डिमांड विदेशों में सर्वाधिक है. रक्षा मंत्रालय दी गयी जानकारी के अनुसार वर्तमान में रक्षा उपकरणों के भारतीय डिजाइन और विकास क्षमताएं 85 से अधिक देशों तक पहुंच रही हैं. रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार डोर्नियर-228, 155 मिमी एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन, ब्रह्मोस मिसाइल्स, आकाश मिसाइल सिस्टम, तेजस, रडार, सिमुलेटर, माइन प्रोटेक्टेड वाहन, बख्तरबंद वाहन, पिनाका रॉकेट और लॉन्चर, गोला बारूद, थर्मल इमेजर्स, बॉडी आमर्स आदि प्रमुख हथियारों के निर्यात किया जा रहा है. मंत्रालय द्वारा दी गयी जानकारी में बताया गया है कि भारतीय हथियारों की मांग विशेषकर लैटिन अमेरिकी देशों सहित अफ्रीकी देशों, और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में बढ़ रही है. भारत में बने लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर्स और एयरक्राफ्ट कैरियर भी विदेशी बाजारों को भा रहे हैं, इनकी मांग बढ़ रही है. बात करें तेजस की, तो यह महत्वपूर्ण करार दिया गया उच्च प्रदर्शन वाला हल्का युद्धक विमान है. **तेजस यह एक सीट और एक जेट इंजन वाला विमान है**

तेजस को भारतीय वायुसेना के उपयोग के लिए डिजाइन और विकसित किया गया है. यह एक सीट और एक जेट इंजन वाला विमान है. इसका विकास भारत की रक्षा योजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. इसकी भी विदेशों में डिमांड है. जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2014 में केंद्र की सत्ता संभालने और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के बाद भारत रक्षा के क्षेत्र में ना केवल आत्मनिर्भर बनता जा रहा है बल्कि रक्षा निर्यात के मामले में विश्व का एक प्रमुख खिलाड़ी बनता जा रहा है.

सुविधा

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए यह कदम उठाया

300 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के लिए 12.45 करोड़ रुपये दिए

एजेंसी।नयी दिल्ली

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के लिए ईटीओ मोटर्स को 12.45 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है. इस वित्तीय सहायता से कंपनी यात्रियों को अंतिम छोर तक सुविधा प्रदान करने के मकसद से दिल्ली और हैदराबाद में 300 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का परिचालन करेगी. ईटीओ मोटर्स ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि कंपनी वित्तीय सहायता के तहत हैदराबाद और दिल्ली में 300 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के परिचालन को बढ़ावा देने के लिए ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचा भी स्थापित करेगी. इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र की कंपनी ईटीओ मोटर्स को वित्तीय सहायता सिडबी के मिशन 50,000-ईवी4इको के तहत दी गयी है. इसका उद्देश्य देश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परिवेश को मजबूत करना है. साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए किफायती वित्तपोषण तक पहुंच प्रदान करना और बैटरी अदला-बदली सहित चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विकास करना है. इस वित्तपोषण से ईटीओ मोटर्स दिल्ली और हैदराबाद में अगले तीन महीनों में 300 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का परिचालन करेगी. कंपनी इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों को को बढ़ावा देने के लिए दोनों शहरों में 180 चार्जिंग केंद्र भी स्थापित करेगी. ईटीओ मोटर्स के निदेशक डॉ. कार्तिक एस पूनावाला ने कहा, हम सिडबी द्वारा अपनी

खास बातें

- सिडबी के मिशन 50,000-ईवी4इको के तहत दी गयी
- दोनों शहरों में 180 चार्जिंग केंद्र भी स्थापित करेगी

50,000-ईवी4इको योजना के तहत चुने जाने को लेकर काफी उत्साहित हैं. यह इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में हमारे काम का एक प्रमाण है. हम देश के ईवी मिशन 2030 को पूरा करने में मदद करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं. इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का विनिर्माण तेलंगाना के जडचेरला में ईटीओ मोटर्स की अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई में किया जाएगा.

ओडिशा ने सात औद्योगिक परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी।भुवनेश्वर

ओडिशा सरकार ने 1,482.53 करोड़ रुपये के निवेश के साथ सात औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी है. इन परियोजनाओं से 11,500 से अधिक नौकरियां सृजित होंगी. प्रदेश सरकार ने एक बयान में कहा, मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जेना के नेतृत्व में राज्य स्तरीय एकल मंजूरी प्राधिकरण (एसएलएसडब्ल्यूसीए) ने शुक्रवार को खुर्दा, गंजाम, सुंदरगढ़, क्योंझर, जाजपुर, बालेश्वर और रायगढ़ जिलों में स्थापित होने वाली इन परियोजनाओं को मंजूरी दे दी. बयान के अनुसार, एसएलएसडब्ल्यूसीए ने क्योंझर जिले में 800 करोड़ रुपये के निवेश के साथ स्टील विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए टेक एआईसी डीआरआई पेलेट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. सरकार ने बयान में बताया कि एमएएस ट्यूब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को खुर्दा जिले में 214.40 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक एकीकृत कपड़ा इकाई स्थापित करने के लिए राज्य सरकार की मंजूरी मिल गई. एलेन स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने जाजपुर जिले के कलिंगनगर में कोल्ड रोल्ड प्रिसिजन पाइप विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 178 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है. बयान के अनुसार, राज्य सरकार ने बालेश्वर जिले में संपीड़ित बायोगैस और किण्वित जैविक खाद संयंत्र स्थापित करने के लिए रिलायंस बायो एनर्जी लिमिटेड के 121.21 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी.

ब्रीफ खबरें

मानव सेवा के लिए येशु के मार्ग पर चलना जरुरी

सिमडेगा। सदर प्रखंड के मुड़ीया चर्च में एवं कुरडेग केंदूटोली में पारिस स्तरीय क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम के साथ किया गया. दोनों ही स्थानों में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा उपस्थित थे. उनके साथ जिप सदस्य जोसिमा खाखा भी शामिल हुई. मुड़िया चर्च में फादर सुशील गुड़िया, फादर सुमन कुल्लू के द्वारा पवित्र मिस्सा बलिदान चढ़ाया. जबकि कुरडेग चर्च में फादर सुनील तिर्की, फादर बिपिन सोरेंग, फादर अमृत ने मिस्सा बलिदान चढ़ाया.

वाजपेयी की जयंती मनाने को लेकर भाजपा की बैठक

पाकुड़। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती कार्यक्रम के आयोजन करने को लेकर भाजपा नगर के कार्यकर्ताओं की बैठक पाकुड़ नगर के अटल चौक के निकट आयोजित की. बैठक में भाजपा नगर अध्यक्ष पंकज कुमार साह, जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, पूर्व नगर मंत्री सुशील साहा, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनिकेत गोस्वामी, मुरारी मंडल और रंजीत राम मौजूद थे.

ट्रस्ट बाल तस्करी पर काम कर रही है: शंकर

महुदा। झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय कंचनपुर में रविवार को कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता पूनम वर्मा ने की. बैठक में कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम स्तर में कर रहे कार्यों का समीक्षा किया गया. ट्रस्ट के शंकर रवानी ने कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण के लिए विकास ट्रस्ट कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन के सहयोग से धनबाद जिला के 150 गांव में सघन कार्य कर रही है. घर घर में जाकर लोगों को बाल विवाह से होने वाले अपराधों की जानकारी दे रही है.

लक्ष्मीबथान गांव है उपेक्षित: राजकुमार

गावां (गिरिडीह)। पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने क्षेत्र के हरला, घोषी, लक्ष्मीबथान आदि गांवों का दौरा किया. इस क्रम में लक्ष्मी बथान में ग्रामीणों ने पूर्व विधायक का स्वागत किया. वहां ग्रामीणों के साथ उन्होंने बैठक की. उन्होंने कहा कि लक्ष्मीबथान गांव पूरी तरह उपेक्षित है. उस गांव में तीन वर्ष पहले समय पर हॉस्पिटल नही पहुँचने के कारण गर्भावस्था से पीड़ित सुरजी मरांडी व बच्चे की मौत हो गई थी. उक्त महिला को ग्रामीण खटिया पर टांग कर हॉस्पिटल ले गए थे.

पूर्व विधायक ने किया पीरटांड क्षेत्र का दौरा

पीरटांड़। गिरिडीह विधानसभा के पूर्व भाजपा विधायक निर्भय कुमार शाहबादी ने शनिवार को पीरटांड़ प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के गांवों का दौरा कर लोगों से जनसंपर्क किया एवं समस्याओं से रूबरू हुए. वहीं पूर्व विधायक ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान कठवारा, कुम्हरलालो, पालगंज, बरदही, राजूडीह, बिशनपुर, लोंगी, लक्ष्मनपुर, गोंदलीटांड़, भलुआपहरी, घोरचांची, घोरबाद एवं नावाडीह में पहुंच कर लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना.

आरवीएस के विंटर फेस्ट में बच्चों ने खूब मस्ती की

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो डिमना रोड स्थित आरवीएस एकेडमी में शनिवार को विंटर फेस्ट का आयोजन किया गया. फेस्ट का उद्घाटन स्कूल के चेयरमैन बिंदा सिंह ने किया. मेले में स्कूल प्रबंधन के बिंदा सिंह, सचिव भरत सिंह, कार्यकारी सदस्य, प्रिंसिपल वीशा मोहिंद्रा और वाइस प्रिंसिपल अनीता तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित थीं. विभिन्न मसालेदार और नमकीन व्यंजनों और रोमांचक खेल वाले स्टालों की एक श्रृंखला मेले का मुख्य आकर्षण रहीं.

नगर व्यापारी संघ ने सरयू राय का किया स्वागत

जमशेदपुर। कैलाशनगर लाल बाबा व्यापारी संघ के द्वारा लाल बाबा धर्म कांटा के समक्ष शनिवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय का भव्य स्वागत किया गया. सरयू राय के पूर्वी विधानसभा में विजय के चार वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था. संघ के लोगों ने सरयू राय की अनुशंसा पर क्षेत्र में पूर्ण हो चुके विकास कार्यों के लिए विधायक का आभार प्रकट किया.

गांधी मैदान में होगी 29वीं सब जूनियर नेटबॉल चैंपियनशिप ब्वॉयज एंड गर्ल्स 2023 -24 प्रतियोगिता

खेल का आयोजन होना गौरव की बात: दीपिका पांडे

संवाददाता। गोड्डा

खास बातें

- 27 दिसंबर को होना है प्रतियोगिता का आयोजन
- प्रशासन ने विधि व्यवस्था बनाए रखने की व्यवस्था की

ऐतिहासिक गांधी मैदान, गोड्डा में 29वीं सब जूनियर नेटबॉल चैंपियनशिप बॉयज एंड गर्ल्स 2023 -24 के सफल संचालन को लेकर महागामा विधायक सह झारखंड नेटबॉल के एशोसिएशन के आयोजन सचिव दीपिका पांडे ने इसे गौरवपूर्ण बताया.

साथ ही सभी को सहयोग देने की अपील की. शनिवार को गांधी मैदान में मीडिया से बात करते हुए विधायक पांडे ने कहा कि जिले में आयोजित होने वाले 29वीं सब जूनियर नेट बॉल चैंपियनशिप बॉयज एंड गर्ल्स 2023 24 का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जा रहा है. आप सभी जिलेवासियों से अनुरोध है कि आगामी 27 तारीख तक खेल का आनंद लें. मैच के आयोजन में किसी प्रकार की चूक ना हो, इसके लिए जिला प्रशासन के द्वारा विधि व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है. साथ ही साथ स्वास्थ्य विभाग के द्वारा भी खिलाड़ियों के चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है.

खेल के आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी ना रहे इसके लिए उन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों एवं सभी समुदाय के वर्गों से अपील किया कि आप लोग सभी कार्यक्रम के आयोजन में अपना सहयोग करें ताकि कार्यक्रम सफल हो सके. विधायक के द्वारा गांधी मैदान में खिलाड़ियों के लिए ससमय भोजन, पेयजल एवं शौचालय, स्वास्थ्य जांच एवं बिजली की निर्बाध आपूर्ति को लेकर संबंधित पदाधिकारी एवं खेल संघ के अधिकारियों से विचार-विमर्श कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए. मौके पर नेटबॉल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया डेवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन हरिओम कौशिक के द्वारा झारखंड में खेल के आयोजन को लेकर बताया गया कि यहां पर खेल का सर्वाधिक महत्व है. इसे हम भली भांति समझ सकते हैं. सभी खिलाड़ियों में खेल की भावना समाहित है. वे अधिक से अधिक रुचि लेकर खेल रहे हैं.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

दाग प्रणाली किस शासक ने शुरू किया था – **अलाउद्दीन खिलजी**

पवन की गति को नापने वाले उपकरण का नाम – **एनीमोमीटर**

झारखंड में सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला जिला – **रांची**

इलाहाबाद का किला किसने बनवाया था – **अकबर**

हाल ही में एपेक शिखर सम्मेलन कहां हुआ – **अमेरिका**

अरुणाचल प्रदेश की स्थापना किस साल हुई थी – **1987**

विश्व का सुप्रसिद्ध ग्रेनाइट का मंदिर कहां स्थित है – **तंजौर**

भारत का नेपोलियन किसे कहा जाता है – **समुद्रगुप्त**

गुप्त वंश का अंतिम शासक कौन था – **विष्णुगुप्त**

ऋग्वेद के देवताओं में तूफान के देवता का क्या नाम है – **मारुत**

एसएसपी किशोर कौशल ने अपराध पर लगाम लगाने के लिए कमर कसी

कन्हैया व रविदास समेत 15 अपराधी होंगे तड़ीपार

रोहित कुमार। जमशेदपुर

प्रशासन सख्त

- अपराधियों पर नकेल कसने के लिए लगेगा सीसीए
- सीसीए को लेकर एसपी ने डीसी को भेजा प्रस्ताव

पूर्वी सिंहभूम जिले के एसएसपी किशोर कौशल ने अपराध पर लगाम लगाने के लिए कमर कस ली है. अपराधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार नए-नए उपाय अपनाए जा रहे हैं. अब पुलिस कुख्यात अपराधियों पर सीसीए लगाने की तैयारी कर रही है. इसके लिए उपायुक्त को प्रस्ताव भी भेज दिया गया है. एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि ऐसे कुल 53 अपराधियों को चिन्हित किया गया है, जिनके खिलाफ कार्रवाई की जानी है. इनमें 15 ऐसे अपराधकर्मी शामिल हैं जो जेल में बंद हैं. इनके खिलाफ सीसीए लगाने की तैयारी की जा रही है. वहीं 16 ऐसे अपराधी हैं जो जमानत पर जेल से बाहर हैं. इन्हें तड़ीपार किया जाना है. इसके अलावा 22 ऐसे अपराधियों को चिन्हित किया गया है जो थाना में हाजिरी देंगे.

इन्हें देनी होगी थाने में हाजरी (प्रस्तावित): विकास तिवारी मानगो, सन्नी कर्मकार सोनारी, विशाल दत्ता सोनारी, रोहित सिंह उर्फ खोखा गोविंदपुर, रघुवीर पाठक परसुडीह, सुमित कुमार सिंह परसुडीह, राहुल लोहार उर्फ लुलु बिरसानगर, विकास गुप्ता उर्फ काना ओलीडीह, मो शहनवाज उर्फ शाहरुख खान ओलिडिह, बिट्टू शर्मा ओलिडीह, सिंटू सिंह और ललीत सिंह ओलिडीह को देनी है हाजिरी.

इन पर सीसीए लगाने का प्रस्ताव (निरुद्ध)

1. मनीष सिंह, पिता-शंकर सिंह, जुगसलाई.
2. गुप्तेश्वर गिरि उर्फ लेदा, पिता-प्राण कृष्ण गिरि, बागबेड़ा.
3. अमन कुमार सिंह उर्फ अमन टकला, पिता-अजय कुमार सिंह, गोविंदपुर
4. वृन्दावन दत्तो, पिता-स्व गौरांगो दत्तो, डुमरिया
5. संजीत साव, पिता-रामधारी साव, बागबेड़ा
6. अजीत साव, पिता-रामधारी साव, बागबेड़ा
7. शहनवाज उर्फ सन्नी, पिता-सरफराज अहमद उर्फ बब्लू, बिष्टुपुर
8. सूरज नायक, पिता-स्व प्रसन्न नायक, डुमरिया
9. राजेश मुंडा उर्फ हजय मुंडा, पिता-बलदेव मुंडा, गुड़ाबांदा
10. बापी सामद उर्फ ब्रह्मानन्द सामद उर्फ शिशिर
11. तराई उर्फ बप्पी सामन्त, पिता-पंचानन सामद, परसुडीह
12. पोपो मुंडा उर्फ सुखलाल मुंडा, पिता-अर्जुन मुंडा, बागबेड़ा
13. गुड्डू गोस्वामी, पिता-बापी गोस्वामी, सोनारी
14. राकेश प्रसाद उर्फ जीतु, पिता-सुरेश प्रसाद, सोनारी
15. सोनू सिंह सियाल, पिता-कार्तिक सिंह, सोनारी
16. भानु मांझी उर्फ जितेन मांझी, पिता शंकर मांझी, कदमा

इन्हे किया जाएगा तड़ीपार (प्रस्तावित)

1. रविदास, सोनारी,
2. आविद खान, परसुडीह
3. मो अफजल, बर्मामाइंस
4. मोहित सिंह, कदमा
5. रोहित सिंह, कदमा
6. गुरुदयाल सिंह उर्फ राजा दुबे, टेल्को
7. अंशु चौहान उर्फ आयुष, सीतारामडेरा
8. सलमान खान, सीतारामडेरा
9. आकाश सिंह उर्फ छोटू बच्चा, कदमा
10. नेहाल सिंह, पिता शंकर सिंह, साकची
11. बसंत उपाध्याय, पिता त्रिभुवन उपाध्याय, बर्मामाइंस
12. रघनाथ मन्ना, पिता प्रदीप कुमार मन्ना, कदमा
13. दीपक तिवारी उर्फ काना, पिता रविंद्र तिवारी, बागबेड़ा
14. राहुल सिंह, पिता कलिका सिंह, सिदगोड़ा
15. कन्हैया सिंह, पिता ललन सिंह, बागबेड़ा

डॉ रत्नप्पा का योगदान देश के लिए धरोहर है

बोकारो। कसमार स्थित प्रजापति भवन में शनिवार को झारखंड प्रजापति-कुम्हार महासंघ की कसमार प्रखंड इकाई के द्वारा पद्मश्री सम्मान से सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी व भारतीय संविधान निर्माण सभा के सदस्य रहे डॉ रत्नप्पा कुम्हार (प्रजापति) की 25वीं पुण्यतिथि मनाई गई. स्थानीय जिप सदस्य अमरदीप महाराज मुख्य अतिथि थे. इस दौरान डॉक्टर रत्नप्पा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाराज ने कहा कि भारतीय समय में डॉ रत्नप्पा का योगदान देश के लिए धरोहर है. कहा कि वह प्रजापति समाज के प्रथम सांसद सह पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित एवं भारतीय संविधान निर्माण के अंतिम ड्राफ्ट में हस्ताक्षर करने वाले स्वतंत्रता सेनानी भी थे. चंद्रशेखर नायक ने कहा कि संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले हमेशा याद किये जाएंगे.

मनोहरपुर पूर्वी पंचायत में विकसित भारत कार्यक्रम

मनोहरपुर। मनोहरपुर प्रखंड के पूर्वी एवं पश्चिम पंचायत मनोहरपुर में मण्डल भाजपा कमेटी की ओर से शनिवार को विकसित भारत संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी एवं ग्रामीणों को डिजिटल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सारकर द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं समेत महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे जानकारी दिया. जैसे उज्जवला योजना, किसान समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, निशुल्क पीएम खाद्य वितरण, नल जल योजना, आयुष्मान योजना समेत विभिन्न योजनाओं के बारे जानकारी दिया.पश्चिमी एवं पूर्वी पंचायत मनोहरपुर के मुखिया की उपस्थिति में ग्रामीणों व पंचायत जनप्रतिनिधियों को देश की एकता व अखंडता के प्रती शपथ दिलाया गया.

पेज एक का शेष...

प्याले में तूफान क्यों!

डोकलाम घटना पर ढुलमुल नीति : पुस्तक में भारत-चीन के सीमा विवाद पर भी कुछ ऐसे तथ्यों का उल्लेख है जो वर्तमान केंद्र सरकार के लिए परेशानी का कारण बन सकता है. सर्वोत्कृष्ट सेना के जवान के रूप में जाना जाने वाले जनरल नरवणे ने कहा है कि भारत को चीन के साथ अपनी सीमा पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है और कहा कि सशस्त्र बल किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने में सक्षम है. पाकिस्तान को मीडिया और सुर्खियों में तुरंत तवज्जो मिलती है, लेकिन सच्चाई यह है कि चीन हमारे लिए कहीं अधिक गंभीर चुनौती है. संयोग से, जनरल नरवणे उप प्रमुख का पदभार संभालने से ठीक पहले पूर्वी सेना कमांडर के रूप में साल 2017 के डोकलाम गतिरोध के बाद चीन के मुद्दे पर बोलने वाले पहले अधिकारी थे. नरवणे लिखते हैं: "अब हम 1962 वाली सेना नहीं हैं. अगर चीन कहता है कि इतिहास मत भूलो, तो हमें भी उन्हें यही बात बतानी होगी. उन्होंने नई दिल्ली में कई लोगों को आश्चर्यचकित करते हुए कहा था, उन्होंने (चीन ने) सोचा था कि वे क्षेत्रीय दबंग बन कर बच जाएंगे... लेकिन हम धमकाने वालों के सामने खड़े रहे. पुस्तक में साल 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध के संदर्भ में पर्दे के पीछे की घटनाओं का भी विवरण दिया गया है. जनरल नरवणे ने उल्लेख किया है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ पैंगोंग त्सो के दक्षिणी तट पर रेचिन ला के पास टैंकों को स्थानांतरित कर दिया था. जनरल लिखते हैं, "मैंने रक्षा मंत्री को स्थिति की गंभीरता से तुरंत ही अवगत कराया, मुझसे कहा गया कि रक्षा मंत्री जल्द ही मुझसे संपर्क करेंगे. लेकिन मुझसे लगभग साढ़े दस बजे रात के बाद संपर्क किया गया. इससे सरकार की गंभीरता का अंदाज लगता है. मुझसे कहा गया कि सेना अपने स्तर से जवाब दे. मुझे कोई स्पष्ट निर्देश या सलाह नहीं दी गई.

नरवणे ने टिप्पणी की है: "कोविड महामारी से जूझते हुए देश की हालत ख़राब थी. अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही थी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला टूट गयी थी. क्या हम लंबे समय तक चलने वाली कार्रवाई की स्थिति में, इन परिस्थितियों में युद्ध लड़ सकते हैं. सवाल था कि क्या हम हथियारों व गोला बारूद आदि की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने में सक्षम होंगे?" जनरल नरवणे लिखते हैं, "इसके साथ ही वैश्विक क्षेत्र में हम अपने समर्थकों को लेकर भी चिंतित थे और इसके साथ ही चीन और पाकिस्तान की मिलीभगत की चुनौती भी सामने थी. मेरे दिमाग में सैकड़ों अलग-अलग विचार कौंध रहे थे" जनरल नरवणे लिखते हैं, "यह आर्मी वॉर कॉलेज के सैंड मॉडल रूम में खेला जाने वाला कोई युद्ध खेल नहीं था, बल्कि जीवन और मृत्यु की स्थिति थी,"

पक्ष में माहौल बनवाया..

जनरल नरवणे ने लिखा है, "जब सरकार ने मुझे सेना प्रमुख बनाया तो मैंने कभी भी सरकार की बुद्धिमत्ता पर सवाल नहीं उठाया. तो फिर अब मुझे ऐसा क्यों करना चाहिए?". इस किताब में नरवणे ने वह बात कही है जो वे पद पर रहते हुए कहते तो शायद सरकार की आलोचना या बगावत तक समझी जाती. इस आत्मकथा में अग्रणी सेना प्रमुखों में से एक जनरल एमएम नरवणे (सेवानिवृत्त) ने यह भी बताया है कि उन्हें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ नियुक्त क्यों नहीं किया गया. ''फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी'' में नरवणे का सीधा-सीधा विवरण एक सैनिक, अधिकारी के रूप में 40 साल की यात्रा और 28वें सेना प्रमुख के रूप में उनके शीर्ष पर पहुंचने की आकर्षक झलक पेश करता है.

पूर्व सेनाध्यक्ष की आत्मकथा छप सकेगी!

किताब के प्रकाशन की अनुमति को लेकर भी विवाद हो गया है. जिल कारण पूरा देश जानना चाहता है कि क्या भारत सरकार, भारत के पूर्व सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे की किताब को छपने की अनुमति देगी? आमतौर पर सेनाध्यक्ष जैसे शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के समक्ष ऐसा सवाल नहीं उठता. लेकिन पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी को ले कर यह सवाल पूछा जा रहा है. मशहूर प्रकाशक पेंग्विन ने पूर्व सेनाध्यक्ष की आत्मकथा को न केवल प्रकाशित किए जाने की तिथि का एलान किया है, बल्कि पुस्तक के कुछ अंशों को मीडिया के लिए जारी भी कर दिया. इसके बाद से ही सवाल उठने लगे कि कि क्या जनरल नरवणे की पुस्तक छप का बाजार में जा जाएगी. पेंग्विन ने तो अग्रिम बुकिंग का एलान भी अमेजन के माध्यम से कर दिया. जिसे जनरल नरवणे ने भी सोशल मीडिया पर साझा किया है. ध्यान रहे अगले साल लोकसभा का आम चुनाव है और एक पूर्व सेनाध्यक्ष के पुस्तक के अंशों से सरकार के परेशान होने का सबब समझा जा सकता है. एक खबर यह भी है कि क्या इस किताब को छपने की अनुमति नहीं मिली है. इस किताब को ले कर सरकार की चुप्पी रहस्यमय है और प्रकाशक भी कुछ बोलने की स्थिति में नहीं है. फिर भी इस पुस्तक के जो अंश मीडिया में छप कर सार्वजनिक बहस का विषय बने हैं उसके असर को कम कर नहीं आंका जाना चाहिए.

आये थे हरि भजन...

उप राष्ट्रपति की मिमिक्री पर सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी वीडियो नहीं बनाते तो मामला न बाहर आता, न तूल पकड़ता. इस पर राहुल गांधी को सफाई देनी पड़ी कि मैंने वीडिया जरूर बनाया, लेकिन वायरल नहीं किया. ममता ने एक और प्रस्ताव दिया है कि प्रियंका गांधी वाराणसी से नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ें. ऐसा ही प्रस्ताव उद्धव ठाकरे के सेनापति संजय राउत पहले ही दे चुके हैं. घात-प्रतिघात की इस स्थिति से "इंडिया" की आंतरिक सुदृढ़ता का अंदाज लगाया जा सकता है. हो सकता है कि ममता, केजरीवाल और अखिलेश ने गंठबंधन के भीतर ही अपनी अलग तिकड़ी बना ली हो. इसी को कहते हैं "आये थे हरिभजन को ओटन लगे कपास". देखना यह है कि सीटों का बंटवारा कब तक होता है, कैंपेन कमेटी कब बनती है, घोषणा पत्र कौन बनाएगा, प्रचार का खर्च कैसे वहन किया जाएगा, ब्रांड चमकाने का जिम्मा कौन-सी एजेंसी उठाएगी और उसका व्यय वहन कौन करेगा आदि, इत्यादि. समय कम है, काम ज्यादा है और अंदर की स्थिति आपके सामने है.

हेमंत सरकार जो कहती उसे पूरा करती है: मंत्री बेबी देवी

संवाददाता। नावाडीह

प्रखंड के दहयारी व भेंड़रा पंचायत सचिवालय परिसर में शनिवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में का उद्घाटन सूबे के उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री बेबी देवी ने किया. मंत्री बेबी देवी प्रखंड प्रमुख पूनम देवी, बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम, सीओ अभिषेक कुमार के साथ शिविर का अवलोकन किया. इस दौरान मंत्री ने परिसंपत्ति का वितरण किया. बेबी देवी ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन कि सरकार जो कहती वह पूरा करती है. विकास कार्य आज राज्य के हर पंचायतों में देखने को मिल रहा है. सरकार हर वर्ग, हर उम्र के व्यक्ति के लिए विभिन्न तरह की योजनाएं संचालित कर रही है. जिसका लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है. वहीं बीडीओ हेंब्रम ने कहा कि दहयारी व भेंड़रा पंचायत में अबुआ आवास में 1230, गुरुजी क्रेडिट कार्ड 52, जाति आय 175, कंबल 120 और मुख्यमंत्री पशु धन 115 आदि आवेदन प्राप्त हुआ है.

आईईडी प्लांट करने के क्रम में महिला नक्सली घायल

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले में सोनुवा के बोयकेड़ा पंचायत के जंगल पहाड़ी क्षेत्र में पुलिस जवानों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से आईईडी प्लांट करने के क्रम में ब्लास्ट होने से एक महिला नक्सली घायल हो गयी है. बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने पुलिस को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार की मध्य रात्रि आईईडी बम महिला नक्सली सदस्य लगा रही थी, तभी अचानक आईईडी बम ब्लास्ट हो गया. जिससे महिला नक्सली उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई. ग्रामीण महिला नक्सली की मौत होने और उसे सहयोगी नक्सलियों द्वारा साथ ले जाने की भी बात बता रहे हैं. आईईडी प्लांट करने के क्रम में आईईडी ब्लास्ट होने की घटना के बाद सहयोगी नक्सली अपने घायल महिला नक्सली को लेकर चले गए. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस शनिवार को घटना स्थल पर पहुंच.

गोविंद स्कूल में क्रिसमस डे और नववर्ष पर कार्यक्रम

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के तामोलिया स्थित गोविंद विद्यालय में शनिवार को क्रिसमस डे एवं नववर्ष के उपलक्ष्य में शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों की ओर से रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह आयोजन इस्मत नाज एवं एक्टिविटी इंचार्ज नौशाद रजिया के नेतृत्व में किया गया. कार्यक्रम के आरंभ में कक्षा नौवीं की छात्रा जारा खान ने स्वागत भाषण किया. इसके बाद गीत एवं केक कटिंग हुई. शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने गीत और नृत्य के माध्यम से सभी को भावपूर्ण शुभकामनाएं व बधाई दी. विद्यालय के निदेशक डॉ ब्रह्मदत्त शर्मा एवं उनकी पत्नी रुक्मणी शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

कार्यक्रम महुआटांड़ के उत्क्रमित विद्यालय में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन हुआ

गोमिया के शिविर में आए अबुआ आवास के 1124 आवेदन

संवाददाता। बेरमो

गोमिया प्रखंड अंतर्गत महुआटांड़ के उत्क्रमित 2 उच्च विद्यालय परिसर में आपकी योजना आपकी सरकार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में कुल 2089 आवेदन पत्र जमा हुए. इसमें अबुआ आवास के 1124 आवेदन पत्र जमा हुआ. 300 लोगों के बीच पौधा वितरण किया गया.

129 लोगों को कंबल दिया गया. राजस्व विभाग में 100, सामाजिक सुरक्षा के 56, मनरेगा 42, श्रम विभाग के 56, पशुपालन के 22, शिक्षा विभाग में 166 आवेदन पत्र जमा हुआ. गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो, दर्जा प्राप्त मंत्री योगेंद्र प्रसाद, बीडीओ महादेव महतो सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया. अतिथियों द्वारा लाभुकों के बीच योजनाओं की स्वीकृति पत्र एवं परिसंपत्तियों का वितरण किया. कई फरियादियों की समस्याओं का ऑन स्पॉट समाधान भी कराया. यह व्यापक और महत्वाकांक्षी कार्यक्रम झारखंड की दिशा और दशा तय कर रही है. इस अवसर पर पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है. बीते वर्ष दो चरणों में हुआ यह कार्यक्रम व्यापक रूप से सार्थक साबित हुआ था.

हमरोडीह शिविर में सैकड़ों आवेदन हुए जमा

धनवार (गिरिडीह)। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार को धनवार प्रखंड क्षेत्र हमरोडीह व श्रीरामडीह में शिविर का आयोजन किया गया. इस दौरान हमरोडीह पंचायत में सीओ नरेशकुमार वर्मा, मुखिया रेणु कुमारी, बीपीओ फरीदुल हसन, दिलीप साहु, मुखिया प्रतिनिधि सह भाजपा नेता राजेन्द्र यादव तथा श्रीरामडीह में बीडीओ देंवन्द्र कुमार दास, जिप सदस्या पिंकी भारती, मुखिया साबरा खातुन, बीस सुत्री अध्यक्ष सफीक अंसारी, कांग्रेस जिला अध्यक्ष धनन्जय प्रसाद सिंह, बीपीओ गणेश कुमार, मुखिया प्रतिनिधि अंसारी भाय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शिविर का उदघाटन किया. दोनो पंचायत के शिविर मे अबुआ आवास, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, स्वास्थ्य विभाग, जेएसएलपीएस, बाल विकास, सावित्री बाई फुले किशोरी संवृद्धि, आपूर्ति, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, केसीसी तथा जमीन, पीएचडी से सबंधित स्टॉल लगाया गया था. जहां सैकड़ों आवेदन जमा किये गए. बीडीओ ने कहा कि आपको सरकारी कार्यों व जन कल्याणकारी योजनाओं के लिए कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े, इसलिए झारखंड सरकार ने सरकार के सभी विभागों को आप तक भेजा है.

पाइप टूटने से तीन दिनों से गांव में जलापूर्ति ठप

संवाददाता। पथरगामा

पथरगामा में विगत तीन दिनों से जलापूर्ति ठप हो गई है. ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना के तहत बाबा जी पहाड़ से जलमीनार के द्वारा आपूर्ति किया जाने वाला जल सुंदर नदी से पाइप के द्वारा लाया जाता है. यह पानी फिल्टर किया हुआ नहीं रहने के बावजूद मीठे पानी के लिए तरस रही तीन दिनों से पानी की आपूर्ति नहीं होने से लोग पानी के लिए तरस गए हैं. मालूम हो कि पथरगामा मुख्यालय में मीठे जल का सर्वथा अभाव है. सिर्फ बाबा जी पहाड़ पर दो-तीन चापाकल है. जिसमें मीठा पानी आता है. जिस पानी से दाल गल सके वैसा पानी निकलता है. आर्थिक रूप से संपन्न लोग मीठा पानी खरीद लेते हैं बाकी लोगों की निर्भरता पाइप से होने वाले जलापूर्ति पर ही टिकी होती है. ऐसे में यहां पाइप से होने वाले जलापूर्ति वाले जल के अहमियत को समझा जा सकता है. मुखिया पति उज्जवल भगत ने कहा फोरलेन के लिए कार्य कर रही कंपनी दिलीप बिल्डकॉम के द्वारा सुंदर नदी पुल के पास पाइपलाइन टूट जाने से जलापूर्ति ठप हो गई है.

फ्लूमिनेसे के कप्तान निनो के 27वें मिनट में किये गये आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर सिटी की बढ़त दोगुनी हो गयी थी

फ्लूमिनेसे को हराकर मैनचेस्टर सिटी बना क्लब विश्व कप का विजेता

भाषा । जेद्दा (सऊदी अरब)

मैनचेस्टर सिटी ने शुक्रवार को यहां क्लब विश्व कप फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4-0 से हराकर 2023 में पांचवां खिताब अपने नाम कर लिया. मैनचेस्टर सिटी ने महज 40 सेकेंड के अंदर ही बढ़त बना ली थी जब जूलियन अल्वारेज ने गोल दागा. फ्लूमिनेसे के कप्तान निनो के 27वें मिनट में किये गये आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर सिटी की बढ़त दोगुनी हो गयी और फिर फिल फोडेन ने 72वें मिनट में टीम का तीसरा गोल किया. वहीं अल्वारोज ने 88वें मिनट में अपने दूसरे गोल से मैनचेस्टर सिटी को 4-0 पर ला दिया.

88 वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया अल्वारोज ने

72 वें मिनट में फिल फोडेन ने तीसरा गोल किया

मैनचेस्टर सिटी ने फ्लूमिनेसे को 4-0 से हराया

मैनचेस्टर सिटी सुपर कप जीत चुका है

इससे मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब अपनी झोली में डाला और उसने यूरोप को फीफा की इस क्लब प्रतियोगिता के 17 चरण में 16वीं ट्राफी दिलायी. मैनचेस्टर सिटी इस साल एफए कप, प्रीमियर लीग, चैम्पियंस लीग और सुपर कप खिताब जीत चुका है. इस जीत से पेप गुआर्डियोला तीन विभिन्न टीमों के साथ क्लब विश्व कप जीतने वाले पहले कोच बन गये. उन्होंने बार्सिलोना को 2009 और 2011 में यह खिताब दिलाया था. फिर 2013 में बायर्न म्यूनिख को भी यह ट्राफी दिलायी थी. गुआर्डियोला ने शांति से इस जीत का जश्न मनाया. वह फ्लूमिनेसे के कोच फर्नांडो डिनिज को सांत्वना देने पहुंचे, उनसे हाथ मिलाया और उनके कंधों पर हाथ रखा. फिर वह फेलिपो मेलो के साथ गले मिलते और मुस्कुराते दिखे. जाहिर है इस जीत से मैनचेस्टर का हौसला बुलंद है.

रियल मैड्रिड की टीम ने अलावेस को 1-0 से हराया

मैड्रिड (स्पेन)। लुकास वाजक्वेज (90 2वें मिनट) के एकमात्र गोल के दम पर 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही रियल मैड्रिड की टीम ने यहां स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के मुकाबले में अलावेस को 1-0 से हराया. रियल मैड्रिड की टीम इस सत्र में सभी टूर्नामेंटों में खेलते हुए सिर्फ एक बार ही हारी है, लेकिन उसे इस मुकाबले में गोल करने के अधिक मौके बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा. पहले हाफ तक दोनों टीमें गोल के लिए संघर्ष करती रहीं, लेकिन सफलता किसी को नहीं मिली. पहला हाफ गोलरहित रहा. दूसरे हाफ के 54वें मिनट में नाचो को रेड कार्ड मिलने के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा जिससे उनकी टीम रियल मैड्रिड को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा. हालांकि, मैच के इंजुरी समय में टॉनी क्रूस के पास पर लुकास ने बॉक्स के अंदर से हेडर से गोल करके टीम का 1-0 से खाता खोल दिया. इसके बाद टीम ने मैच को इसी अंतर से अपने नाम कर लिया. रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के बाद कहा कि यह एक बहुत मुश्किल मैच था. सभी को लग रहा था कि हम यह मैच हार सकते हैं. नाचो भी दूसरे हाफ में मैदान से बाहर हो गए.

ब्रीफ खबरें

स्वीटी-पूजा मुक्केबाजी टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर में

ग्रेटर नोएडा। अनुभवी मुक्केबाज स्वीटी बूरा और पूजा रानी ने महिलाओं की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन शनिवार को यहां विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. मौजूदा विश्व चैंपियन स्वीटी (81 किग्रा) ने जहां रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) की अल्फिया पर 4-1 से संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की वहीं एशियाई चैंपियनशिप में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता पूजा ने 75 किग्रा भार वर्ग में नागालैंड की रेनू को आसानी से 5-0 से हराया. स्वीटी और पूजा के अलावा हरियाणा की जिन अन्य मुक्केबाजों ने अंतिम 16 में जगह बनाई उनमें 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली मनीषा मौन और सनेह शामिल हैं.

अली बची आस्ट्रेलिया श्रृंखला से हुए बाहर

सिडनी। पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली 'अपेंडिक्स' दर्द की वजह से हुई सर्जरी के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बचे हुए हिस्से से बाहर हो गये. नोमान अली इस तरह दो दिन के अंदर दौरा करने वाली पाकिस्तानी टीम से बाहर होने वाले दूसरे खिलाड़ी बने. अली पिछले हफ्ते पर्थ में पहले टेस्ट में नहीं खेले थे जिसमें पाकिस्तान को 360 रन से हार मिली थी. उनकी शनिवार को मेलबर्न में 'अपेंडिसाइटिस' के लिए सर्जरी करायी गयी. पाकिस्तानी टीम के बयान के अनुसार, नोमान अली ने कल अचानक पेट में तेज दर्द की शिकायत की जिसके बाद उनकी जांच की गयी.

रुतुराज की उंगली में फ्रैक्चर के कारण एनसीए में जाएंगे

मुंबई। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर अपनी उंगली में फ्रैक्चर के कारण बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जाएंगे, जबकि हर्षित राणा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच से पहले भारत ए की टीम से बाहर हो गये. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को बताया कि सलामी बल्लेबाज गायकवाड़ की दायें हाथ की अनामिका उंगली में फ्रैक्चर है. वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होने वाली आगामी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे.

हार्दिक पांड्या का अफगानिस्तान सीरीज से बाहर होना तय माना जा रहा है

हार्दिक व सूर्य का खेलना मुश्किल

- हार्दिक चोट से नहीं उबरे तो मुंबई इंडियंस के लिए झटका होगा
- हार्दिक चोटिल होने के कारण द. अफ्रीका दौरे से बाहर हुए थे
- सूर्यकुमार फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे

भाषा । नयी दिल्ली। भारतीय टीम अभी दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर हैं. इस दौरे से लौटने के बाद टीम इंडिया को घर में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलनी है. लेकिन भारतयी फैंस के लिए एक बैड न्यूज है. सीरीज से पहले भारत को झटका लगा है. बताया जाता है कि इस सीरीज के लिए हार्दिक पांड्या बाहर हो गए हैं. वहीं ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दौरान भारत की अगुवाई करने वाले सूर्यकुमार यादव भी चोट के चलते इस सीरीज से बाहर हो गए हैं. ये दोनों ही खिलाड़ी टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण माने जाते हैं. सूत्रों के अनुसार हार्दिक पांड्या का अफगानिस्तान की सीरीज से बाहर होना तय है. इसके अलावा हार्दिक पांड्या आईपीएल 2024 में खेलेंगे या नहीं. इसको लेकर भी संशय की स्थिति बनी हुई है.

चोट के कारण पहले ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद दक्षिण अफ्रीकी दौरे से बाहर

2023 वनडे विश्व कप के दौरान गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी हार्दिक पांड्या को

हार्दिक पांड्या को वनडे विश्व कप 2023 के दौरान गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी. हार्दिक इस चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए थे. ऑलराउंडर खिलाड़ी इस चोट से चलते ही पहले ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद दक्षिण अफ्रीकी दौरे से बाहर हैं. हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में सूर्यकुमार यादव ने इन दोनों ही सीरीज के दौरान टीम इंडिया की अगुवाई की थी. भारत ने सूर्या की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया था, जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज 1-1 से ड्रा पर समाप्त हुई थी. हार्दिक पांड्या अभी तक इस चोट से पूरी तरह रिकवर नहीं कर पाए हैं. हार्दिक अगर आईपीएल से पहले पूरी तरह से रिकवर नहीं हो पाते हैं तो यह टीम इंडिया और मुंबई इंडियंस के लिए एक बड़ा झटका होगा. वहीं गुजरात टाइटंस जाने से पहले हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस के लिए सात सीजन खेले थे. हार्दिक पांड्या को गुजरात टाइटंस ने टीम की कमान सौंपी थी और उनकी अगुवाई में फ्रेंचाइजी ने अपने पहले ही सीजन में आईपीएल खिताब अपने नाम किया था. इसके अलावा टीम दूसरे सीजन में फाइनल में भी पहुंची थी, जहां उसे चेन्नई सुपर किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था. बता दें कि हार्दिक पांड्या को आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस से ट्रेड किया है.

सूर्यकुमार ने रिहैब के लिए एनसीए को रिपोर्ट की है

ग्रेड 02 का टियर हुआ है सूर्यकुमार को, वो अगले छह से सात सप्ताह एक्शन से बाहर हो गए हैं.

टीम इंडिया के लिए दूसरा झटका सूर्यकुमार यादव के रूप में है. क्योंकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दौरान भारतीय की अगुवाई करने वाले सूर्यकुमार चोट के चलते इस सीरीज से बाहर हो गए हैं. भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुई टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला जोहान्सबर्ग में खेला गया था. इस मैच में सूर्यकुमार फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे. बताया जाता है कि सूर्यकुमार को ग्रेड 2 का टियर हुआ है. वो अगले छह से सात सप्ताह के लिए एक्शन से बाहर हो गए हैं. बीसीसीआई के एक अधिकारी ने नाम ना जाहिर करे की शर्त पर बताया कि सूर्या ने रिहैब के लिए एनसीए को रिपोर्ट किया है और मेडिकल साइंस टीम ने फिलहाल उसे चोटिल बताया है. वह तीन सप्ताह बाद शुरू होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज में नहीं खेल पाएगा. चूंकि उसके टेस्ट के लिए चुने जाने की संभावना नहीं है, इसलिए वह आईपीएल में खेलने से पहले अपनी फिटनेस की जांच करने के लिए संभवतः फरवरी में रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलेंगे. बता दें कि भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 11 जनवरी को मोहाली में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आईएस बिंद्रा स्टेडियम के खेला जाएगा.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

क्रिकेट खेल की शुरुआत किस देश में हुई थी	इंग्लैंड
बटर फ़्लाई शब्द किस खेल से संबंधित है	तैराकी
भारत में फेडरेशन कप किस खेल से संबंधित है	फुटबॉल
सॉकर किस खेल का दूसरा नाम है	फुटबॉल
टर्बिनेटर के नाम से किस खिलाड़ी को जाना जाता है	हरभजन सिंह
मैराथन दौड़ की दूरी कितनी होती है	26 मील, 385 गज
राष्ट्रमंडल खेलों का प्रथम आयोजन कब हुआ	1930
राधामोहन का संबंध किस खेल से है	पोलो
भारत के प्रथम टेस्ट क्रिकेट कप्तान कौन थे	सीके नायडू

अब प्रसिद्ध और मुकेश में से एक के ही खेलने की उम्मीद

एजेंसी। सेंचुरियन

मिलेगा अवसर

- केएल राहुल को कीपिंग के लिए कहा जा सकता है
- सबसेपेचीदा मुद्दा प्रसिद्ध और मुकेश में से एक को चुनना है

हालात के अनुसार सर्वश्रेष्ठ संयोजन हमेशा टीम की सर्वश्रेष्ठ एकादश नहीं होती जिससे 'बॉक्सिंग डे' पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरूआती टेस्ट के लिए सही संयोजन ढूंढना भारत के लिये निश्चित रूप से मुश्किल भरा काम होगा. कम से कम दो स्थान ऐसे होंगे जिसके लिए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को परेशानी होगी. सबसे मुश्किल भरा मुद्दा भारत के लिए यह होगा कि केएल राहुल को बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए विकेटकीपिंग करने को कहा जायेगा. इसके अलावा सबसे पेचीदा मुद्दा मुकेश कुमार और प्रसिद्ध कृष्णा में से किसी एक को चुनने का होगा जो टखने की चोट से उबर रहे मोहम्मद शमी की जगह लेंगे.

देखा जाये तो कुछ फैसले सीधे लग सकते हैं लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन के लिए चीजें उतनी आसान नहीं होंगी. सेंचुरियन की पिच तेज गेंदबाजों के मुफीद रही है जो सख्त और उछाल भरी है जिस पर नमी भी है और इससे दिन के दूसरे हिस्से में रिवर्स स्विंग में मदद मिलती है. अगर 'लेटरल मूवमेंट' की बात की जाये तो कैरेबियाई सरजमीं पर टेस्ट पदार्पण कर चुके मुकेश सीधे अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं. लेकिन बंगाल का यह तेज गेंदबाज सफेद गेंद की श्रृंखला के दौरान सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखा है. वह 40 प्रथम श्रेणी मैचों में 151 विकेट झटक चुके हैं. वह लंबे स्पैल डाल सकते हैं और रणजी ट्राफी क्रिकेट में चाय के बाद वह 'रिवर्स स्विंग' भी हासिल करने के लिए मशहूर हैं. मुकेश के निकटतम प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ के पसंदीदा और बेंगलुरु के साथी प्रसिद्ध हैं.

आईईपीएल मैदान में टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

बेरमो। आईईपीएल टी20 मैच शनिवार को गोमिया के आईईपीएल ग्राउंड में शुरू हुआ. पहले मैच में नौ रूल्स और डैशिंग 11 के बीच मैच खेला गया. नो रूल्स पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 विकेट खोकर 122 रन बनाया और 123 रन का लक्ष्य दिया. डैशिंग टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 4 विकेट खोकर निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर और जीत दर्ज की. डैसिंग टीम के रंजीत ने दो विकेट लेकर 38 रन बनाने के लिए मैन ऑफ द मैच चुने गए. इस खेल के उद्घाटन में आईईपीएल के जीएम अभिषेक विश्वास, कंपनी के राजीव साबरी, मुकेश झा, संतोष शिंदे, थाना प्रभारी देवानंद कुमार, ससबेड़ा पूर्वी पंचायत के मुखिया अंशु देवी, ससबेड़ा पश्चिम पंचायत मुखिया शांति देवी, पंचायत समिति सदस्य हरि सिंह, कांति देवी, पश्चिम के पंचायत समिति सदस्य प्रवीण कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे. टूर्नामेंट में कुल 48 टीमों ने हिस्सा लिया है. इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय टूर्नामेंट है.

अंडर-19 टीम विश्व कप से पहले ट्राई सीरीज खेलेगी

नयी दिल्ली। भारत की अंडर-19 टीम अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप से पहले जोहानिसबर्ग में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बयान के अनुसार त्रिकोणीय श्रृंखला जोहानिसबर्ग में खेली जायेगी जिसमें प्रत्येक टीम एक दूसरे से दो बार आमने सामने होगी. बताया जाता है कि भारत की अंडर-19 टीम अपना अभियान 29 दिसंबर को अफगानिस्तान की अंडर-19 टीम के खिलाफ शुरु करेगी.

खेल प्रतिबद्धता दिखाने का होगा मौका : टेटे

संवाददाता। रांची

शीर्ष भारतीय मिडफील्डर सलीमा टेटे ने शनिवार को कहा कि 13 जनवरी से यहां शुरू होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर सिर्फ 2024 पेरिस खेलों के लिए कट हासिल करने के लिए नहीं है बल्कि महिला हॉकी टीम के लिए यह खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने का मौका भी है.

भारत सहित आठ टीम यहां पेरिस ओलंपिक के लिए दाव पर लगे तीन स्थान हासिल करने की कोशिश करेंगी जिसमें मेजबानों की भिड़ंत शुरूआती दिन अमेरिका से होगी. सलीमा टेटे ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि रांची में यह टूर्नामेंट सिर्फ क्वालीफिकेशन के लिए ही नहीं है बल्कि यह उस खेल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और जज्बे को दिखाने का मौका भी होगा जिसे हम पसंद करते हैं. उन्होंने कहा कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, उम्मीद है कि हम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लेंगे. भारत को पूल बी में अमेरिका, न्यूजीलैंड और इटली के साथ रखा गया है जबकि पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य की टीम हैं. भारतीय टीम हांगझोउ एशियाई खेलों के दौरान ओलंपिक के लिए स्वतः क्वालीफाई करने का मौका चूक गयी थी और यहां पेरिस के लिए कट हासिल करने का एक और प्रयास करेगी. तोक्यो ओलंपिक के लिए भारतीय टीम का हिस्सा रहीं 21 साल की खिलाड़ी ने कहा कि घरेलू मैदान पर दर्शकों के समर्थन से टीम को अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी. झारखंड के सिमडेगा जिले की खिलाड़ी सलीमा ने कहा कि रांची लौटना हमेशा ही घर वापसी जैसा लगता है. इस शहर का मेरे दिल में एक विशेष स्थान है, जहां हॉकी के प्रति मेरा लगाव बढ़ा और मैंने अपना कौशल निखारा. उन्होंने कहा कि दर्शकों का समर्थन और उनकी ऊर्जा शानदार है.

कामयाबी न्यूजीलैंड टीम की घरेलू मैदान पर 17 मैचों में चली आ रही जीत की स्ट्रीक टूट गई

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को तीसरे वनडे में 9 विकेट से हराया

भाषा । नेपियर

क्रिकेट विश्व कप में कमाल का प्रदर्शन करनेवाली बांग्लादेश की टीम की पहचान तेजी से बढ़ रही है. नेपियर में शनिवार को बांग्लादेश ने बड़ा उलटफेर कर दिया. उन्होंने न्यूजीलैंड को उन्हीं के घर में तीसरे वनडे में 9 विकेट से हरा दिया. उन्हें यह कारनामा करने में महज 15 ओवर लगे. जिससे मेजबान टीम की घरेलू मैदान पर 17 मैचों में चली आ रही जीत की स्ट्रीक टूट गई. न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीत ली.

न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में 44 रन और दूसरे वनडे में 7 विकेट से जीत हासिल की थी. न्यूजीलैंड को 31.4 ओवर में महज 98 रन पर समेटने के बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांटो ने 42 गेंद में नाबाद 51 रन बनाये और अनामुल हक ने 33 गेंद में 37 रन का योगदान दिया. जिससे बांग्लादेश ने 19 प्रयासों में न्यूजीलैंड पर वनडे में पहली जीत हासिल की. बांग्लादेश ने शनिवार को न्यूजीलैंड को दोनों टीमों के बीच हुए वनडे में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट किया. तंजिम हसन साकिब ने 14 रन देकर तीन विकेट और शोरिफुल इस्लाम ने 22 रन देकर तीन विकेट झटके. इस तरह दोनों ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. सौम्य सरकार ने भी 18 रन देकर तीन विकेट चटकाये. जिससे न्यूजीलैंड की टीम बांग्लादेश के खिलाफ 162 रन के पिछले न्यूनतम वनडे स्कोर से कम स्कोर में सिमट गई. बांग्लादेश के कप्तान शांटो ने टॉस जीतकर मैकलीन पार्क पर गेंदबाजी का फैसला किया जो आमतौर पर बल्लेबाजी के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है. पिच पर काफी घास थी. जिसका शोरिफुल और शाकिब ने पूरा फायदा उठाया. न्यूजीलैंड का शीर्ष क्रम चरमरा गया और 70 रन तक उन्होंने 6 विकेट गंवा दिये थे. न्यूजीलैंड के लिए पारी की सबसे बड़ी साझेदारी विल यंग (26 रन) और टॉम लाथम (21 रन) के बीच तीसरे विकेट के लिए 36 रन की रही. इन दोनों के अलावा केवल दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके. इसके बाद सरकार ने जोश क्लार्कसन (16 रन), एडम मिल्ने (04) और आदित्य अशोक (10 रन) के विकेट झटके. अंतिम विकेट मुश्फिकुर रहीम के नाम रहा.

किया उलटफेर

- न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की सीरीज 2-1 से जीती
- न्यूजीलैंड पहले वनडे में 44 रन जीत ली थी

पद्मश्री डेफलंपिक्स स्वर्ण पदक विजेता वीरेंद्र भी लौटाएंगे सम्मान

एजेंसी। नयी दिल्ली

रेसलर नाराज

- संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के विरोध में हैं वीरेंद्र यादव
- गूंगू पहलवान के नाम से भी प्रसिद्ध हैं वीरेंद्र सिंह यादव

डेफलंपिक्स (मूक बधिर खिलाड़ियों का ओलंपिक) के स्वर्ण पदक विजेता वीरेंद्र सिंह यादव ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के विश्वस्त संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के विरोध में देश के शीर्ष पहलवानों के साथ एकजुटता दिखाते हुए सरकार को अपना पद्मश्री लौटाने का फैसला किया है. गूंगा पहलवान के नाम से मशहूर वीरेंद्र ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया का समर्थन करते हुए कहा कि वह अपना सम्मान वापस लौटा देंगे. पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के प्रमुख चेहरों में शामिल साक्षी ने डब्ल्यूएफआई चुनावों में संजय सिंह की जीत के तुरंत बाद खेल से संन्यास की घोषणा की थी जबकि बजरंग ने शुक्रवार को अपना पद्मश्री लौटा दिया था. वीरेंद्र ने ट्विटर पर लिखा कि मैं भी अपनी बहन और देश की बेटी के लिए पद्मश्री सम्मान लौटाऊंगा. माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मुझे आपकी बेटी और मेरी बहन साक्षी मलिक पर गर्व है. उन्होंने सचिन तेंदुलकर और नीरज चोपड़ा जैसी देश की प्रतिष्ठित खेल हस्तियों से भी इस मुद्दे पर अपनी राय देने का आग्रह किया. वीरेंद्र ने महान क्रिकेटर तेंदुलकर और ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी चोपड़ा को टैग करते हुए कहा कि देश के सबसे उच्च (शीर्ष) खिलाड़ियों से भी अनुरोध करुंगा कि वे भी अपना निर्णय दें. वीरेंद्र को 2021 में देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री मिला था. इससे पहले उन्हें 2015 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. डब्ल्यूएफआई चुनाव के फैसले आने के तुरंत बाद साक्षी, बजरंग और विनेश फौगाट ने प्रेस कांफ्रेंस की थी. इसमें साक्षी ने कुश्ती से संन्यास लेने का फैसला किया. पूनिया ने एक दिन बाद 'एक्स' पर कहा, मैं अपना पद्मश्री सम्मान प्रधानमंत्री को वापस लौटा रहा हूं.

ब्रीफ खबरें

पाकिस्तान में वांछित टीटीपी कमांडर ढेर

लाहौर। पाकिस्तान में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शनिवार को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का एक प्रमुख कमांडर मारा गया जो पंजाब प्रांत में इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) भवन पर घातक हमले सहित कई आतंकी हमलों में शामिल था. आतंकवाद रोधी विभाग ने एक बयान में कहा कि उसे गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ आतंकवादी प्रांतीय राजधानी लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर चिनिओट इलाके में छिपे हुए हैं.

सिक्किम के सीएम ने पीएम का आभार जताया

गंगटोक। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने अतिरिक्त कर हस्तांतरण किस्त के रूप में राज्य को 283.10 करोड़ रुपये जारी किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताया है. तमांग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अतिरिक्त कर हस्तांतरण किस्त के रूप में सिक्किम के लिए 283.10 करोड़ रुपये जारी करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का आभार.

चकबंदी विभाग के 31 कर्मियों पर मामला दर्ज

बलिया। जिले के चकबंदी विभाग के चार बंदोबस्त अधिकारी सहित विभाग के 31 कर्मियों के विरुद्ध जालसाजी के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है. पुलिस के अनुसार बंदोबस्त अधिकारी आर. के. सुरेश कुमार की शिकायत पर शुक्रवार को बलिया शहर कोतवाली में चार बंदोबस्त अधिकारी राधेश्याम, दयानंद सिंह चौहान, धन राज यादव व अनिल कुमार सहित विभाग के 31 कर्मियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है.

300 भारतीय सवार विमान को रोका गया

पेरिस। फ्रांस में 300 से अधिक भारतीय सवार एक विमान को मानव तस्करी के शक में रोक दिया गया. जानकारी के अनुसार विमान निकारगुआ जा रहा था, लेकिन उसे फ्रांस में रोक दिया गया. विमान को उड़ान नहीं भरने दिया गया. अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि 300 से अधिक भारतीय यात्रियों को लेकर निकारागुआ जा रहे एक विमान को फ्रांस में रोक दिया गया है. पेरिस में प्रॉजिक्यूशन ऑफिस को कहा गया कि निकारगुआ जा रही फ्लाइट में ह्यूमन ट्रैफिकिंग किये जाने की आशंका है.

केरल में 32 फीसदी वाहनों का बीमा नहीं

तिरुवनंतपुरम। केरल में वर्तमान में 32 प्रतिशत वाहनों का बीमा नहीं है जिससे कई लोगों की जान को खतरा है. राज्य परिवहन आयुक्त एस. श्रीजीत ने यह जानकारी दी. श्रीजीत ने कहा कि मोटर वाहन विभाग सभी वाहनों की पूर्ण बीमा कवरेज हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है. उन्होंने यह बयान हाल में भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के अनिवार्य बीमा जागरूकता अभियान के तहत सामान्य बीमाकर्ता मैग्मा एचडीआई द्वारा आयोजित की गई महिला मोटरसाइकिल रैली के दौरान दिया.

रेलटेल एकीकृत सुरंग संचार प्रणाली करेगी लागू

गुवाहाटी। सार्वजनिक उपक्रम रेलटेल को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के लामडिंग खंड की नयी एकल लाइन भैरबी-सैरांग खंड पर एकीकृत सुरंग संचार प्रणाली लगाने का काम सौंपा गया है. शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई. बयान के मुताबिक, सार्वजनिक उपक्रम पूरे खंड पर पड़ने वाली सुरंगों में आपातकालीन कॉल व्यवस्था और रेलवे स्टेशन पर एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली लगाएगी.

ईडी ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चीनी स्मार्टफोन निर्माता वीवो और कुछ अन्य के खिलाफ धनशोधन के आरोप में चल रही जांच के तहत तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि तीनों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया था. हालांकि, तीनों आरोपियों की पहचान तत्काल जाहिर नहीं की गई है.

तिरुवनंतपुरम में केरल सरकार के महत्वाकांक्षी 'नव केरल सदास' आउटरीच कार्यक्रम के दौरान एक जुलूस में प्रदर्शन करते थेय्यम कलाकार.

केरल में प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया

कांग्रेस के मार्च में हिंसा छोड़ी गईं पानी की बौछारें

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल में विपक्षी दल कांग्रेस ने शनिवार को यहां केरल पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर कूच किया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारें छोड़ीं.

यह मार्च केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने वाम सरकार के लोगों तक पहुंचने के कार्यक्रम 'नव केरल सदास' के खिलाफ आंदोलन के दौरान अपने कार्यकर्ताओं पर पुलिस के कथित अत्याचार के विरोध में आयोजित किया था. जिस वक्त पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछारें छोड़ीं उस वक्त केपीसीसी प्रमुख के. सुधाकरन, विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन, वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला, तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर सहित वरिष्ठ नेता डीजीपी कार्यालय के पास अस्थायी मंच पर मौजूद थे. सुधाकरन और चेन्निथला आंसू गैस के गोलों से प्रभावित हुए जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें पास खड़ी एक कार तक पहुंचाया. दोनों नेताओं को उपचार के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया है.

गुंडों ने बिना किसी उकसावे के हमला किया : सुधाकरन ने अस्पताल में मीडिया से बातचीत में पार्टी नेताओं पर हमले को अप्रत्याशित करार दिया. उन्होंने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे. पुलिस के बीच मौजूद गुंडों ने बिना किसी उकसावे के हमला किया. उस दौरान वरिष्ठ नेता मौजूद थे.

सतीशन ने पुलिस की आलोचना करते हुए कहा कि नेताओं पर इस प्रकार का हमला केरल के इतिहास में पहली बार हुआ है. कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि आंसू गैस का गोला मंच के ठीक पीछे फटा जहां कम से कम छह सांसद और पार्टी के कई विधायक मौजूद थे.

खास बातें

- सुधाकरन और चेन्निथला आंसू गैस के गोलों से हुए प्रभावित
- पार्टी नेताओं पर हमले को अप्रत्याशित करार दिया

यह सोचा-समझा हमला था : थरूर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पर यह सोचा-समझा हमला था. उन्होंने कहा कि हम जानना चाहते हैं कि किसके निर्देश पर पार्टी नेताओं पर हमला किया गया. हमें इस देश में विरोध करने का अधिकार है. निर्वाचित प्रतिनिधियों पर इस हमले के खिलाफ सांसद और विधायक संबंधित विशेषाधिकार समितियों के पास जाएंगे.

चेन्निथला ने कहा कि पुलिस ने बिना किसी कारण हमला किया और नेताओं ने सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत की. सुधाकरन ने जैसे ही अपना भाषण समाप्त किया, पार्टी सदस्य डीजीपी कार्यालय के पास लगाए गए अवरोधकों पर चढ़ने लगे और उन्होंने सुरक्षा घेरे को पार करने का प्रयास किया.

जम्मू में 12वीं सदी की दुर्लभ मूर्तियां मिलीं

जम्मू। भगवान शिव और देवी इंद्राणी की मूर्तियों की 12वीं शताब्दी ईस्वी की एक जोड़ी यहां खुदाई में मिली है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने कहा कि प्राचीन मूर्तियां जम्मू के बाहरी इलाके में भौर शिविर में खुदाई के दौरान मिलीं और बाद में उन्हें अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग ने अपने कब्जे में ले लिया. प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए, अधिकारियों ने कहा कि यह पाया गया है कि 12वीं शताब्दी ईस्वी की मूर्तियां बहुत दुर्लभ हैं. अधिकारियों ने कहा कि ये मूर्तियां देवी इंद्राणी के मानव रूपों को दर्शाती हैं, जिनका माप 28 गुणा 13.5 इंच व वजन 55 किलोग्राम है.

अब तक 20 हजार फलस्तीनियों की मौत

रफाह। चरमपंथी समूह हमास को खत्म करने के लिए गाजा में इजराइल की ओर से शुरू किए गए युद्ध में अब तक 20,000 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है. गाजा के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. इस बीच, इजराइल ने गाजा में हमले और तेज कर दिए हैं तथा लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया है. गाजा में होने वाली मौतें युद्ध से पहले की इस क्षेत्र की आबादी का लगभग एक प्रतिशत हैं. बीते 11 सप्ताह से इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में मृतकों की यह संख्या चौंकाने वाली है.

आओ जानें

दुनिया में बेरोजगारी की दर

नाइजीरिया	33.3%	उरुग्वे	8.2%
दक्षिण अफ्रीका	32.6%	ब्राज़ील	8%
इराक	15.55%	भारत	8%
बोस्निया-हर्जेगोविना	13.3%	इटली	7.4%
अफगानिस्तान	13.3%	फिनलैंड	7.2%
स्पेन	11.6%	फ्रांस	7.2%
ग्रीस	11.1%	मिस्र	7.1%
यूक्रेन	10.5%	अर्जेंटीना	6.9%
ईरान	9.7%	पराग्वे	6.5%
तुर्की	9.6%	यूरो क्षेत्र	6.4%
कोलंबिया	9.34%	वेनेजुएला	6.4%
स्वीडन	9.2%	पाकिस्तान	6.3%
चिली	8.53%	पुर्तगाल	6.1%

रैट होल माइनर्स ने इनाम लेने से किया इनकार

एजेंसी। देहरादून

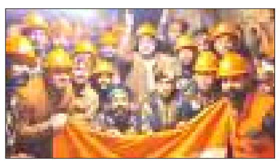

सिल्कयारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 'रैट होल' खनिकों ने हाल में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उन्हें दिए गए 50,000 रुपये के चेक को भुनाने से इनकार कर दिया है. 'रैट-होल' खनिक उन्हें दी जा रही इस राशि से संतुष्ट नहीं हैं. 'रैट-होल' खनिकों की टीम का नेतृत्व करने वाले वकील हसन ने कहा कि वह एक विषम स्थिति थी. जब मशीनें फंसे हुए श्रमिकों तक पहुंचने में विफल रहीं तब हमने मदद की. हमने बिना किसी पूर्व शर्त के अपनी जान जोखिम में डालकर मलबे में खुद खुदाई की. हम मुख्यमंत्री के इस कदम की सराहना करते हैं लेकिन जो राशि हमें दी गई है उससे हम संतुष्ट नहीं हैं. उन्होंने कहा कि अभियान में खनिकों की भूमिका किसी नायक के समान थी लेकिन हमें सरकार से जो मिला वह पर्याप्त नहीं है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सम्मानित 12 खनिकों ने सामूहिक रूप से चेक नहीं भुनाने का फैसला किया है. हसन ने कहा कि जिस दिन हमें चेक सौंपे गए थे, उसी दिन मैंने मुख्यमंत्री के समक्ष असंतोष व्यक्त किया था.

अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिए जाने के बाद हम लौट आए कि हमारे संबंध में कुछ घोषणा एक-दो दिनों में की जाएगी. अगर वादा पूरा नहीं किया गया, तो हम चेक वापस कर देंगे. हसन ने कहा कि वे राज्य सरकार से अभियान में मदद करने वाले रैट-होल खनिकों के लिए स्थायी नौकरी की अपेक्षा करते हैं.

अमेरिका में मंदिर में तोड़फोड़ भारत विरोधी नारे लिखे गये

एजेंसी। न्यूयॉर्क

अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में एक प्रमुख हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ करने और उसकी दीवारों पर भारत विरोधी नारे और भित्तिचित्र दर्शाने की घटना सामने आई है. पुलिस इस मामले की जांच घृणा अपराध की दृष्टि से कर रही है.

कैलिफोर्निया के नेवार्क में सिटी ऑफ नेवार्क पुलिस विभाग ने ईमेल के जरिए प्रेषित बयान में को बताया कि शुक्रवार को सुबह लगभग 8:35 बजे, उन्हें श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर में भारत विरोधी नारे लिखे जाने और भारत विरोधी भित्तिचित्र बनाए जाने की सूचना मिली. इसके बाद अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए मंदिर के प्रबंधन से जुड़े लोगों से मुलाकात की जिन्होंने इस घटना को उन्हें डराने के उद्देश्य से की गयी घटना करार दिया.

खास बातें

- भारत विरोधी भित्तिचित्र बनाए जाने की भी सूचना
- भारत के बाहर चरमपंथियों को जगह नहीं मिले : जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने घटना पर कहा कि भारत के बाहर चरमपंथियों और अलगाववादी ताकतों को जगह नहीं मिलनी चाहिए. हम इस बारे में चिंतित हैं. जो कुछ भी हुआ, उसके बारे में हमारे वाणिज्य दूतावास ने (अमेरिकी) सरकार और वहां की पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई है. सोशल मीडिया पर पोस्ट की गयी तस्वीरों के अनुसार खालिस्तान शब्द के साथ अन्य आपत्तिजनक नारे मंदिर के बाहर स्प्रे-पेंट किये गये थे.

गाजियाबाद और नोएडा में संक्रमण के एक-एक मामले आए सामने

नये साल पर एहतियात बरतने की सलाह

- खांसी-जुकाम अथवा फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर डॉक्टर से सलाह लेकर ही दवा लेने का सुझाव

एजेंसी। नोएडा

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कोरोना वायरस के मामले सामने आने के बाद गौतम बुद्ध नगर जिला स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने और क्रिसमस तथा नए साल के अवसर पर जश्न के दौरान संक्रमण के मामले बढ़ने की आशंका जताई है.

जियाबाद और नोएडा में संक्रमण का एक-एक मामला सामने आने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग ने परामर्श जारी कर लोगों को कोविड-19 से बचाव संबंधी प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है. जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉक्टर सुनील शर्मा ने जारी अलर्ट में कहा है कि वायरस का नया स्वरूप खतरनाक नहीं है लेकिन इसके संक्रमण से बचने की जरूरत है. इसे देखते हुए लोगों को भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए, साथ ही सार्वजनिक जगहों पर सामाजिक दूरी का पालन, मास्क का उपयोग जैसे कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देशों का का पालन करने का सुझाव दिया है.

अस्पताल में 10 बिस्तरों का पृथक वार्ड तैयार

जिला सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार ने कहा कि क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देशों का ध्यान रखना जरूरी है, इससे संक्रमण बढ़ने से रोकने में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि मधुमेह, टीबी, कैंसर, अस्थमा या किसी अन्य बीमारी से ग्रसित लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है. उत्तर प्रदेश सरकार ने भी परामर्श जारी कर इंफ्लुएंजा जैसी बीमारियों (आईएलआई) और श्वसन संबंधी गंभीर संक्रमण के मामलों में सभी मरीजों की आरटीपीसीआर जांच कराने के लिए कहा गया है और संक्रमण की पुष्टि होने पर नमूने के जीनोम अनुक्रमण के आदेश दिए गए हैं.

राजौरी में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद

पुंछ। जम्मू-कश्मीर में हाल में सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर किए गए आतंकवादी हमले में शामिल आतंकवादियों की तलाश में सुरक्षाबलों की ओर से जारी अभियान के बीच पुंछ और राजौरी जिलों में शनिवार तड़के मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं. आतंकवादियों द्वारा सेना के वाहनों पर किए गए हमले में पांच सैनिक शहीद हो गए थे. हमले के संबंध में सेना द्वारा कथित तौर पर पूछताछ के लिए बुलाए गए तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो सामने आए हैं जिनमें संदिग्धों को कथित तौर पर प्रताड़ित करते दिखाया गया है. इन वीडियो के सामने आने के बाद लोगों में रोष है. इन घटनाओं के बीच दोनों सीमावर्ती जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया.

हिजाब पर फिर गरमाई राजनीति, कर्नाटक सरकार ने बैन हटाया

फूट डालो और राज करो की नीति : भाजपा

एजेंसी। बेंगलुरु

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कक्षाओं में हिजाब पहनने पर लगाया गया प्रतिबंध हटाने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति पर ही चल रही है.

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को कहा था कि राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगाया गया प्रतिबंध 23 दिसंबर से हटा दिया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि अपनी पसंद के कपड़े पहनने और भोजन का चयन व्यक्तिगत मामला है. इस मुद्दे पर भाजपा ने कहा कि यह कदम शिक्षण संस्थानों की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति के प्रति चिंता पैदा करता है.

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं से बातचीत में सिद्धरमैया पर शिक्षा का माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया. उन्होंने कांग्रेस सरकार के निर्णय का विरोध करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने गैर जिम्मेदाराना बयान दिया कि वह हिजाब पर पाबंदी हटाएंगे.

लोकसभा चुनाव से पहले तुष्टीकरण का आरोप

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस हिजाब पर प्रतिबंध हटाना चाहती है, वहीं दूसरी ओर परीक्षा देने गईं हिंदू महिलाओं को मंगल सूत्र और पैर के बिछुए उतारने के लिए मजबूर किया गया. उन्होंने कांग्रेस पर लोकसभा चुनाव से पहले तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और दावा किया, आजादी के इतने वर्ष बाद भी अल्पसंख्यकों में साक्षरता और रोजगार दर 50 प्रतिशत है. कांग्रेस ने कभी भी अल्पसंख्यकों की हालत सुधारने की कोशिश नहीं की. भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति पर विश्वास करती है तथा अंग्रेजों की विरासत को आगे बढ़ा रही है. इससे पहले विजयेंद्र ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि सरकार युवाओं को धार्मिक आधार पर बांट रही है.

दावा अब नक्सली हताश हो गए हैं और डबल इंजन वाली सरकार इस समस्या से मजबूती से लड़ेगी

पांच वर्षों में कांग्रेस ने बहुत कर्ज लाद दिया : साय

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि उनकी सरकार इस पर सहमत नहीं है कि औद्योगीकरण और खनन नहीं होना चाहिए, बल्कि ये गतिविधियां विकास और रोजगार के लिए महत्वपूर्ण हैं.

साय ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के जैव-विविधता से समृद्ध सरगुजा क्षेत्र के संबंध में खनन गतिविधियों के फायदे और नुकसान का विश्लेषण करने के बाद उचित कदम उठाएगी, जहां पिछले कई वर्षों में अनेक स्थानों पर कोयला खनन के खिलाफ आदिवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया है. साय ने साक्षात्कार में यह भी दावा किया कि राज्य में सरकार बदलने के बाद नक्सली हताश हो गए हैं और डबल इंजन वाली सरकार इस समस्या से मजबूती से लड़ेगी और इसे खत्म करेगी. राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हराकर भारतीय जनता पार्टी पांच साल बाद सत्ता में वापस आई है. राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख आदिवासी चेहरे साय ने पिछले सप्ताह 13 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. साय उत्तरी छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल सरगुजा संभाग से आते हैं, जहां भाजपा ने इस चुनाव में सभी 14 विधानसभा क्षेत्रों पर जीत हासिल की है. सरगुजा क्षेत्र के लोग, विशेषकर आदिवासी पिछले कई वर्षों से हसदेव अरंड वन क्षेत्र में कोयला खनन का विरोध कर रहे हैं.

सरकार बदली तब माओवादियों बढ़ावा मिला

राज्य में नक्सलवाद की समस्या को लेकर सरकार के रुख के बारे में पूछे गए सवाल पर साय ने कहा कि जब राज्य में 15 वर्षों (2003 से 2018) तक भाजपा की सरकार थी तब हम कड़ाई से नक्सलवाद से लड़े लेकिन जब सरकार बदली तब उनको (माओवादियों) बढ़ावा मिला. नक्सली कहते थे कि उनकी सरकार आ गई है. राज्य, विशेष रूप से दक्षिण में बस्तर क्षेत्र तीन दशक से अधिक समय से वामपंथी उग्रवाद से जूझ रहा है. साय ने कहा कि लेकिन जब से यहां पर सरकार बदली है उनमें बौखलाहट आई है और कायराना हरकत कर रहे हैं. हमने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं जिसके बाद पुलिस एक्शन में आ गई है, नक्सली पकड़े भी गए हैं. हमारे देश के गृह मंत्री अमित शाह भी नक्सलवाद खत्म करना चाहते हैं. केंद्र और राज्य दोनों मिलकर निश्चित तौर पर मजबूती के साथ नक्सलवाद से लड़ाई लड़ेंगे. पिछले महीने राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि यदि भाजपा राज्य में सत्ता में आती है तो अगले पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाएगा.

क्या कहा

- खनन नहीं हो, उद्योग धंधे नहीं खुले, हम इस पक्ष में नहीं
- सरगुजा संभाग में पर्यटन की है अपार संभावना

बलात्कार की सजा पाये भाजपा विधायक की सदस्यता गई

एजेंसी। लखनऊ

सोनभद्र जिले के दुद्धी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक रामदुलार गोंड को बलात्कार के एक मामले में सजा सुनाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी. गोंड को नौ साल पहले एक लड़की से बलात्कार के मामले में हाल में 25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी.

जनप्रतिनिधित्व कानून के अनुसार, किसी भी जनप्रतिनिधि को दो या उससे अधिक साल की कैद होने पर दोषसिद्धि की तारीख से सदन की सदस्यता से अयोग्य माना जाएगा. इतना ही नहीं सजा पूरी होने के बाद अगले छह साल के लिए वह सदन की सदस्यता के लिए पात्र नहीं होगा. 15 दिसंबर को सोनभद्र में सांसद/विधायक (एमपी/एमएलए) अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) एहसान उल्लाह खान ने अभियुक्त पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया, जो पीड़िता के पुनर्वास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा. बलात्कार पीड़िता अब शादीशुदा है और आठ साल की बच्ची की मां है. विशेष लोक अभियोजक सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया था कि अदालत ने 12 दिसंबर को विधायक को दोषी करार दिया था और सजा सुनाने के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की थी.

राम भक्तों के लिए तोहफा, देशभर से अयोध्या के लिए चलेंगी 40 स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी। अयोध्या

श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन कराने के लिए देश के कोने कोने से अयोध्या के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी. मांग के अनुसार ट्रेनों का संचालन किया जाएगा. यदि कहीं ट्रेनें फुल हो गई हैं और वहां अयोध्या आने वालों की संख्या ज्यादा है तो दूसरी विशेष ट्रेन की व्यवस्था की जाएगी. यह जानकारी रेलवे बोर्ड की चेयरमैन जया वर्मा सिन्हा ने दी. बीते दिनों उन्होंने अयोध्या, रामघाट हाल्ट और गोंडा जिले के कटरा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया. उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में अयोध्या में यात्रियों की संख्या बढ़ेगी. इसको देखते हुए रेलवे अयोध्या रेलवे स्टेशन पर नागरिक सुविधाएं विकसित कर रहा है. यहां यात्रियों के रुकने, भोजन आदि के इंतजाम किए जा रहे हैं. तीन प्लेटफॉर्म और बनाए जा रहे हैं.

स्टेशन के परिसर में बाहर बोर्डिंग एरिया का भी निर्माण किया जा रहा है. यहां पर यात्री ट्रेन का इंतजार करने के साथ आराम कर सकेंगे. ट्रैक का विद्युतीकरण हो चुका है. दोहरीकरण कार्य तेजी से चल रहा है. कार्य पूरा होते ही यहां ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाएगी. स्टेशन की क्षमता 40 से 50 हजार यात्रियों की होगी. अयोध्या रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारी भी जोरों पर है.

चार रेलवे स्टेशन सेटेलाइट स्टेशन के रूप में होंगे विकसित

रेलवे बोर्ड की चेयरमैन ने बताया कि अयोध्या के आसपास के चार रेलवे स्टेशनों को सेटेलाइट स्टेशनों के रूप में विकसित किया जा रहा है. इनमें गोंडा का कटरा, अयोध्या का रामघाट हाल्ट, दर्शननगर रेलवे स्टेशन और अयोध्या कैंट स्टेशन शामिल हैं. रामघाट स्टेशन पर सुविधाएं बढ़ाई गई हैं. कैंट का सुंदरीकरण भी प्राण प्रतिष्ठा के बाद शुरू होगा. यात्रियों की भीड़ अयोध्या में कम हो, इसके लिए इन स्टेशनों का उपयोग किया जाएगा.

काम हो जाएगा समय पर पूरा

अयोध्या रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के बारे में बताया कि समय पर यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा. आने वाली ट्रेनों व यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी. वर्तमान में स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर स्थित पुरानी बिल्डिंग को तोड़ने का काम चल रहा है. इसके अलावा कॉनकोर्स का भी निर्माण प्रगति पर है. साथ ही प्लेटफॉर्म नंबर तीन की ओर भी प्लेटफॉर्म विकसित करने का काम चल रहा है. इसके चलते इन तीनों प्लेटफॉर्म पर जगह जगह आवागमन बाधित है. वर्तमान में अयोध्या मार्ग पर ट्रेनों की संख्या कम होने पर कहा कि दोहरीकरण का कार्य पूरा होते ही सभी ट्रेनें चलने लगेगी.

सीधी फ्लाइट का किराया कई गुना महंगा

22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य आयोजन के आसपास की तारीखों में प्लेन का किराया आसमान छूने लगा है. दिल्ली और अहमदाबाद से टिकट के दाम बेस प्राइस से तीन-चार गुना ज्यादा हैं. नई दिल्ली से अयोध्या के लिए एयर इंडिया और इंडिगो की पहली फ्लाइट 30 दिसंबर को आएंगी. इसके बाद इंडिगो 6 जनवरी और एयर इंडिया 16 जनवरी से नियमित फ्लाइट शुरू करेंगी. शुरुआती किराया 3597 रुपये है, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा के दो दिन पहले 20 जनवरी को टिकट के दाम 12 हजार से अधिक हो गए हैं. 21 को केवल एयर इंडिया की फ्लाइट है और टिकट की कीमत 14 हजार से अधिक है. प्राण प्रतिष्ठा के दिन भी फ्लाइट के टिकट 10 हजार रुपये से अधिक हैं. इंडिगो 11 जनवरी से अहमदाबाद-अयोध्या उड़ान शुरू करेगी. उस दिन टिकट के दाम करीब 4500 रुपये हैं, लेकिन 19 से 22 जनवरी के बीच 15 हजार रुपये तक पहुंच गए हैं. 19 और 22 को वाया दिल्ली अयोध्या की उड़ान है. वहीं, 20 को अहमदाबाद से सुबह 9 :10 बजे सीधी फ्लाइट है, जिसका किराया शुक्रवार शाम तक 5600 रुपये दिखा रहा था.

रामलला जिस पर होंगे विराजमान, सिंहासन बनकर तैयार

अयोध्या में प्रभु रामलला के उनके नवनिर्मित भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों पर हैं. तीन फेज में मंदिर का निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा कराया जाएगा. इससे पहले प्रथम चरण के मंदिर निर्माण का कार्य पूरा होने के बाद 22 जनवरी को प्रभु रामलला को उनके भव्य मंदिर के गर्भगृह में विराजमान कर दिया जाएगा. इसके लिए तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है. मंदिर निर्माण कार्य करा रही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट 22 जनवरी से पहले सभी व्यवस्था को दुरुस्त करने की योजना पर काम कर रहा है. मंदिर के गर्भगृह में रामलला के लिए एक भव्य सिंहासन बनाया गया है. वहीं, मंदिर के अंदर की दीवारों पर कलाकृतियों को गढ़ने का काम भी जारी है. रामलला का सिंहासन 3 फीट ऊंचा और 8 फीट लंबा बनाया गया है. राम मंदिर के भूतल में लगे खंभों पर भगवान शंकर की मूर्तियां उकेरी गई हैं, जिनकी तस्वीरें मनमोहक हैं. मंदिर के हर कोने को आकर्षक नक्काशीदार पत्थरों से तैयार किया गया है. राम मंदिर के भीतर से आई नक्काशी की इन तस्वीरों ने लोगों को भाव-विहोर कर दिया है. मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले शिखर पर पांच मंडपों का निर्माण किया गया है. वहीं, प्राण- प्रतिष्ठा के लिए होने वाले अनुष्ठान को लेकर दो मंडप का निर्माण किया गया है. श्रराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट ने भव्य मंदिर की अनोखी तस्वीर जारी की है.

भोपाल: शनिवार को भोपाल में देश में क्रिसमस समारोह के विरोध में एक अभियान के दौरान बच्चों ने भगवान राम की वेशभूषा धारण की.

कोहरे ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार, फरवरी तक रद्द रहेंगी कई ट्रेनें

संवाददाता। धनबाद

कड़ाके की ठंड, शीत लहरी और उत्तर भारत में कोहरे के कारण धनबाद और गोमो से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों की रफ्तार रुक गई है. रेलवे सूत्रों के अनुसार दिसंबर से फरवरी तक अलग-अलग तिथियों को कई ट्रेनें रद्द रहेंगी. जिसमें रांची-कामाख्या और चंबल एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें शामिल हैं. नए वर्ष में फरवरी महीने तक विभिन्न ट्रेनों में सफर करनेवाले लाखों यात्रियों को काफी परेशानी होगी. कोहरा के कारण दिल्ली-यूपी की ओर से गोमो-धनबाद की ओर आनेवाली राजधानी, पूर्वा, जम्मूतवी, दून, मुंबई मेल, नेताजी व जोधपुर समेत कई ट्रेनें रोजाना विलंब से चल रही है. ट्रेनों के विलंब से चलने के कारण जरूरी काम से सफर करने वाले यात्रियों के साथ-साथ बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोगों को काफी परेशानी हो रही है.

धनबाद से बेंगलुरु के लिए चलेगी नई ट्रेन

धनबाद से अलापुजा तक जानेवाली एलेप्पी एक्सप्रेस में सालों भर वेटिंग रहने के कारण दक्षिण भारत के लिए धनबाद से बेंगलुरु तक नई ट्रेन चलेगी. पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव पर रेलवे बोर्ड से हरी झंडी मिल चुकी है. धनबाद रेल मंडल को सिर्फ ट्रेन की रैक मिलने का इंतजार है.

270 ट्रेनों में फॉग सेफ्टी डिवाइस, फिर भी ट्रेनें लेट

धनबाद रेल मंडल के ग्रैंडकॉर्ड और सीआईसी सेक्शन से होकर गुजरनेवाली लगभग 270 ट्रेनों के इंजन में फॉग सेफ्टी डिवाइस लगा है. ताकि कोहरा या गतिरोध की जानकारी चालक को मिल सके और ट्रेनें लेट न हो. इसके बावजूद रोजाना यूपी-दिल्ली की ओर से आनेवाली कई ट्रेनें विलंब से धनबाद पहुंच रही है. रेलवे अधिकारी के अनुसार डिवाइस के ऑन होते ही जीपीएस के माध्यम से ट्रेन चालक को पता चल जाता है कि अगला स्टेशन कितनी दूरी पर है. रास्ते में गतिरोध की जानकारी भी मिल जाती है. इससे ट्रेन चालक निर्भीक होकर कुहासा में भी ट्रेन चलाता है.

रद्द की गई ट्रेनें

ट्रेन नंबर	किस तिथि तक रहेगी रद्द
18103	28.02.24
18104	01.03.24
12873	29.02.24
12874	01.03.24
22857	26.02.24
22858	27.02.24
15662	27.02.24
15661	28.02.24
12988	29.02.24
12987	01.03.24

आगरा से मथुरा तक रद्द रहनेवाली ट्रेनें

ट्रेन नंबर	किस तिथि तक रहेगी रद्द
12177	23.02.24
12178	26.02.24

आओ जानें

24 दिसंबर का इतिहास

- 2014 – अटल बिहारी वाजपेयी और मदन मोहन मालवीय को भारत रत्न देने की घोषणा हुई.
- 2011 – क्यूबा की सरकार ने 2900 कैदियों को रिहा करने की घोषणा की.
- 2008 – जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के अन्तिम चरण में 55% वोट पड़े.
- 2007 – मंगल ग्रह के रहस्यों की खोज करने के लिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी यान मार्स ने मंगल ग्रह की कक्षा में अपने चार हज़ार चक्कर पूरे किये.
- 2006 – शिखर बैठक में फ़िलिस्तीन को इस्रायल कई सुविधाएँ देने के लिए तैयार.
- 2005 – यूरोपीय संघ ने ''खालिस्तान ज़िन्दाबाद फ़ोर्स'' नामक संगठन को आतंकी सूची में शामिल किया.
- 2003 – अमेरिकी विदेश विभाग ने 30 जून, 2004 को इराक में सत्ता सौंपने की तैयारी शुरू की.

भाजपा नेता ने सरकार बनने पर छह साल बाद जूते पहने

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अनूपपुर जिला इकाई के प्रमुख ने 2017 में राज्य में पार्टी की सरकार बनने तक जूते नहीं पहनने की कसम खाई थी. भाजपा द्वारा विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने के कुछ दिनों बाद शनिवार को उन्होंने इसे फिर से पहनना शुरू कर दिया. भाजपा के अनूपपुर जिला अध्यक्ष रामदास पुरी ने छह साल के अंतराल के बाद फिर से जूते पहनना शुरू कर दिया. ऐसा उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में किया. चौहान ने कहा कि पुरी ने 2017 में जूते पहनना बंद कर दिया और फैसला किया कि जब तक राज्य में भाजपा सत्ता में नहीं आती, वह इसे नहीं पहनेंगे. चौहान ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा सरकार बनाने में नाकाम रही, लेकिन 2020 में पार्टी के सत्ता में वापस आने के बाद भी (कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिरने के बाद), पुरी ने जूते पहनना शुरू नहीं किया. उन्होंने कहा कि पुरी जी एक मेहनती और समर्पित पार्टी कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने 2017 से जूते और चप्पल पहनना छोड़ दिया था. छह साल तक, वह हर मौसम गर्मी, सर्दी या बारिश में नंगे पैर रहते थे . उनका संकल्प पूरा हो गया है. हम सभी ने अनुरोध किया कि अब संकल्प पूरा हो गया है और आपको जूते पहनना शुरू कर देना चाहिए. पिछले महीने विधानसभा चुनाव में, भाजपा ने प्रदेश की 230 विधानसभा सीट में से 163 सीट जीतकर शानदार विजय हासिल की और राज्य में सत्ता बरकरार रखी. विपक्षी कांग्रेस 66 सीट पर ही जीत हासिल कर सकी जबकि एक सीट भारत आदिवासी पार्टी ने जीती.

कॅरियर-काउंसिलिंग

पेंटिंग की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेश रिपोर्टर रजनीश प्रसाद

पेंटर कलाकार होते हैं जो कागज या कैनवास पर अपने ब्रश का उपयोग करते हैं. पेंटर के तीन प्राथमिक उपकरण ब्रश, रंग और कैनवास माने जाते हैं. जिससे वह स्थिर जीवन, परिदृश्य, चित्रण, सार, प्रकृति आदि को कागज या कैनवास पर दर्शाते हैं. पेंटिंग में एक आकर्षक और रंगीन करियर बनाने में मदद करने के लिए स्टूडेंट्स को तेल, एक्रिलिक, स्याही, पानी, पेस्टल, तामचीनी, पेंट, टेम्परा इत्यादि भी प्रदान किए जाते हैं. जिससे वह अपनी काल्पनिकता और क्रिएटिविटी को मिलाकर एक अनोखा चित्रण कर सकें.

पेंटर के लिए स्किल्स

- एक पेंटर के पास पेंट के रंगों, स्वरों और हाइलाइट्स के ज्ञान को लागू करने जैसी स्किल्स होनी चाहिए. जिससे वह कला और क्रिएटिविटी के साथ निश्चित समय सीमा में अपना कार्य पूरा कर पाए.
- एक पेंटर को उच्च स्तर पर काम करने में सक्षम होना चाहिए, चाहे वह एक टीम में हो या अकेले, उसे ईमानदारी से अपना कार्य पूरा करना आना चाहिए.
- पेंटर को प्रॉफेशनल और विनम्र होना चाहिए, मौखिक और लिखित निर्देशों को समझें और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें.
- पेंटर को विभिन्न रंगों और उन्हें मिलाने में मदद करने वाली विधियों से अच्छी तरह वाकिफ होना चाहिए.
- पेंटर के पास अपना काम प्रस्तुत करने के लिए भाषा कौशल होना चाहिए.

विदेशी विश्वविद्यालय

- प्रैट इंस्टीट्यूट, न्यूयॉर्क
- रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, लंदन
- कला संस्थान के स्कूल, शिकागो
- स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स, न्यूयॉर्क
- ग्लासगो आर्ट स्कूल
- आल्टो यूनिवर्सिटी
- कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट
- विलियम्स कॉलेज
- मैसाचुसेट्स कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन
- एप्लाइड आर्ट्स यूनिवर्सिटी

भारतीय विश्वविद्यालय

- कॉलेज ऑफ आर्ट्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी
- फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी
- चामराजेंद्र एकेडमी ऑफ विजुअल आर्ट्स, मैसूर विश्वविद्यालय
- कला भवन, विश्व भारती यूनिवर्सिटी
- इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय यूनिवर्सिटी, सतना

पेंटर के लिए योग्यता

- पेंटर बनने के लिए जरुरी है कि उम्मीदवार ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से (10 2) 50% अंकों से उत्तीर्ण की हो.
- छात्र किसी भी स्ट्रीम से हो सकते हैं. कला के छात्रों का चयन प्राथमिकताओं के आधार पर किया जाता है.
- इसके लिए आपको कला में ग्रेजुएशन करनी होती है जैसे बीए पेंटिंग आदि.
- अधिक एक्सपर्टीज हासिल करने के लिए आप बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स इन पेंटिंग भी कर सकते हैं.

करियर स्कोप

- फाइन आर्टिस्ट
- एनिमेटर
- कार्टूनिस्ट
- ग्राफिक डिजाइनर
- 3डी विज़ुअलाइजर
- फोटोग्राफर
- क्रिएटिव डायरेक्टर
- आर्टिस्ट
- डिजाइन ट्रेनर
- आर्ट हिस्ट्रीयन

आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें, जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

पेंटर के लिए एंट्रेंस एग्ज़ाम

- पेंटर कैसे बनें जानने के साथ-साथ प्रवेश प्रक्रिया के बारे में जानना भी बेहद जरूरी है. पेंटर के लिए एडमिशन आमतौर पर दो तरीकों से हो सकता है – मैरिट और प्रवेश परीक्षा के आधार पर. हर यूनिवर्सिटी में प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग हो सकती है.
- मैरिट के आधार पर
- कुछ यूनिवर्सिटी में पेंटर के लिए एडमिशन मैरिट पर आधारित होता है. इसमें यूनिवर्सिटी या कॉलेज में योग्यता और कट ऑफ को पूरा करने वाले आवेदकों को प्रोविजनल प्रवेश की पेशकश की जाती है.
- प्रवेश परीक्षा के आधार पर
- पेंटर कोर्स में छात्रों को प्रवेश देने के लिए कई कॉलेज और विश्विद्यालयों द्वारा प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती हैं. प्रवेश प्रक्रिया के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाता है, जिसमें इन प्रवेश परीक्षाओं को पास करने के बाद काउंसलिंग राउंड शामिल हैं.

जॉब अलर्ट

1. महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग में प्रिंसिपल व वाइस प्रिंसिपल के लिए निकली नियुक्तियां

महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) ने 123 प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के पदों के लिए रक्तियां निकाली है प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल भर्ती 2023 के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 दिसम्बर को शुरू होगी. 9 जनवरी 2024 तक भारा जाएगा. आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन मोड डेविट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और पेय ऑफलाइन थ्रो ई-चालान के माध्यम से जमा कर सकते हैं.
चयन प्रक्रिया – प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल पद हेतु अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा, इंटरव्यू दस्तावेज सत्यापन मेडिकल परीक्षण मेरिट लिस्ट के आधार पर होगा.

महत्वपूर्ण जानकारी

पद संख्या – 123
नौकरी का स्थान – महाराष्ट्र
आवेदन मोड – ऑनलाइन
फार्म भरने की तिथि– 20 दिसंबर 2023 से 9 जनवरी 2024 तक.
ऑफिसियल साईट – https://mpsc.gov.in/
आयु सीमा – 18 से 40 वर्ष
आवेदन शुल्क – 719 रूपए
पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर के लिए– 449

2. महाराष्ट्र में इंकम टैक्स विभाग में रिक्तियां

इनकम टैक्स मुंबई इंस्पेक्टर सहायक एमटीएस भर्ती 2024 – इनकम टैक्स विभाग मुंबई ने मेधावी खिलाड़ियों से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, स्टेनोग्राफर, टैक्स असिस्टेंट मल्टी-टास्किंग स्टाफ पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं. आवेदन शुल्क ऑनलाइन जमा होगा. incometaxmumbai.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. आवेदन प्रक्रिया 22 दिसंबर से आवेदन प्रक्रिया शुरु होगी.
विभाग नाम – इनकम टैक्स मुंबई
पद – टैक्स इंस्पेक्टर, स्टेनोग्राफर, टैक्स असिस्टेंट मल्टी-टास्किंग स्टाफ
संख्या – 291
योग्यता – 10वीं पास
नौकरी का स्थान – मुंबई
आवेदन मोड – ऑनलाइन
आवेदन कि तिथि– 22 दिसम्बर 2023 से 19 जनवरी 2024
ऑफिसियल साईट – https://incometaxmumbai.gov.in

रिक्त पद

इंस्पेक्टर ऑफ़ इनकम टैक्स – 14
स्टेनोग्राफर ग्रेड-II – 18
टैक्स असिस्टेंट – 119
मल्टी-टास्किंग स्टाफ – 137
कैंटीन अटेंडेंट – 3
शैक्षणिक योग्यता –
टैक्स इंस्पेक्टर – मान्यता प्राप्त संस्था से स्नातक डिग्री पास होनी चाहिए.
स्टेनोग्राफर ग्रेड-II –12वीं पास
टैक्स असिस्टेंट – मान्यता प्राप्त संस्था से स्नातक डिग्री उत्तीर्ण.
एमटीएस – मान्यता प्राप्त संस्था 10वीं पास
आयु सीमा 18 से 30 वर्ष
आवेदन शुल्क – 200 रूपये
चयन प्रक्रिया – आवेदकों का चयन लिखित परीक्षा, स्किल टेस्ट, दस्तावेज सत्यापन मेडिकल परीक्षण व मेरिट लिस्ट के आधार पर होगा.

3. इलाहाबाद यूनिवर्सिटी प्रोफेसर भर्ती

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी ने प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है. साईट पर जाकर प्रोफेसर पद के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. आवेदन प्रक्रिया 12 दिसम्बर 2023 को शुरू हुई थी. अप्लाई ऑनलाइन करने का डायरेक्ट लिंक नीचे उपलब्ध है. शैक्षणिक योग्यता के लिए https://allduniv.ac.in साइट पर जा के जानकारी ले.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में शिवा साई पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा, रांची- 83522 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)